त्रिगुट

देवीपाटन मण्डल का प्रथम हिन्दी दैनिक

गोण्डा शनिवार 28 अक्टूबर 2023 वर्ष 39 अंक 70 रजि0 नं0 46071/85 (हिन्दी दैनिक समाचार पत्र) फोन/फैक्स–05262-230683 डाक पंजीयन संख्या–NP/GONDA–30/2003 पृष्ठ– 8 मूल्य 2.00 रुपये

नासिरा प्रेस

मालवीयनगर–गोण्डा

मो0–9236750993

हमारे यहां शादी कार्ड, मुण्डन कार्ड, हैण्डबिल, पोस्टर, स्टीकर आदि की छपाई उचित दर पर होती है।

एक बार सेवा का अवसर अवश्य दें।

चित्रकूट में प्रधानमंत्री मोदी ने की पूजा और जारी की डाक टिकट

चित्रकूट (ईएमएस)। चित्रकूट का यह क्षेत्र अलौकिक है, यहां श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण निवास करते हैं। यह बात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को स्व. अरविंद भाई मफतलाल के शताब्दी वर्ष समारोह में शामिल होते हुए कही। एक गैर राजनीतिक कार्यक्रम में शिरकत कर रहे प्रधानमंत्री मोदी चित्रकूट के रघुवीर मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने पूजा अर्चना की और उसके संस्कृति महाविद्यालय के लिए रवाना हो गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज शुक्रवार को सतना के चित्रकूट में एक गैर राजनीतिक कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचे हैं। उन्होंने चित्रकूट पहुंचते ही रघुवीर मंदिर में पूजा-अर्चना की। प्रधानमंत्री मोदी स्व अरविंद भाई मफतलाल की 100वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेने चित्रकूट पहुंचे हैं। मंदिर में पूजा उपरांत प्रधानमंत्री मोदी संस्कृति महाविद्यालय के लिए रवाना हुए। इस दौरान उनके साथ राज्यपाल मंगूभाई पटेल, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने अन्तराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष-2023 के उपलक्ष्य में उ0प्र0 मिलेट्स पुनरुद्धार कार्यक्रम के अन्तर्गत श्री अन्न महोत्सव तथा राज्यस्तरीय श्री अन्न प्रदर्शनी एवं कार्यशाला का शुभारम्भ किया

वैदिक काल से ही श्री अन्न का महत्व रहा–मुख्यमंत्री

लखनऊ कार्यालय

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि प्रदेश सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की मंशा के अनुरूप कृषि क्षेत्र में शोध और अनुसंधान को बढ़ावा देकर प्रदेश के अन्नदाता किसानों के जीवन में व्यापक परिवर्तन लाने का कार्य कर रही है। श्री अन्न महोत्सव इस दृष्टि से मील का पत्थर साबित होगा। प्रदेश की राजधानी लखनऊ में अगले तीन दिनों तक श्री अन्न महोत्सव का कार्यक्रम होगा। आज कृषि क्षेत्र में शोध और अनुसंधान की अग्रणी संस्था 'भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद' का 34वां स्थापना दिवस भी है। इस संस्था ने कृषि क्षेत्र में हमेशा कुछ नया करने का प्रयास किया है।

मुख्यमंत्री जी आज यहां इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान में अन्तरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष-2023 के उपलक्ष्य में उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरुद्धार कार्यक्रम के अन्तर्गत श्री अन्न महोत्सव तथा राज्यस्तरीय श्री अन्न प्रदर्शनी एवं कार्यशाला का शुभारम्भ करने के पश्चात इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री जी द्वारा 35 एफ0पी0ओ0 को श्री अन्न बीजोत्पादन के लिए सीडमनी अनुदान के रूप में प्रत्येक को 04 लाख रुपये की धनराशि तथा श्री अन्न के प्रसंस्करण को बढ़ावा देने की व्यवस्था के फलस्वरूप 05 कृषि विज्ञान केन्द्रों को प्रसंस्करण इकाई स्थापित करने के लिए प्रत्येक को 95 लाख रुपये की धनराशि के प्रतीकात्मक चेक प्रदान किये गये। इसमें कृषि विज्ञान केन्द्र झांसी, ललितपुर, बांदा, हमीरपुर और गाजीपुर सम्मिलित हैं। मुख्यमंत्री जी ने कृषकों को श्री अन्न की उन्नतशील प्रजातियों की मिनी किट, श्री अन्न की खेती कर रहे किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए संस्थानों के प्रतिनिधियों को प्रशस्ति पत्र, उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरोद्धार परियोजनाओं को संचालित करने वाले विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों को चयन पत्र तथा किसानों को पी0ओ0एस0 मशीन प्रदान कीं। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा कृषि के क्षेत्र में किये गये नवाचारों तथा श्री अन्न के गुणों के प्रचार-प्रसार पर बनी लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि देश और प्रदेश में पिछली सदी के छठे-सातवें दशक तक अच्छी मात्रा में मोटे अनाज का उत्पादन होता था। हमारे दैनिक जीवन का लगभग आधा अन्न, श्री अन्न के रूप में होता था। वैदिक काल से ही श्री अन्न का महत्व रहा है। इसके नाम अलग-अलग रहे, लेकिन इसकी उपयोगिता हमेशा रही है। इसमें से बहुत सारे श्री अन्न का आज भी उपयोग किया जाता है। व्रत के दौरान श्री अन्न का सेवन ही व्रती कर सकता है। देश में बढ़ती हुई आबादी की आवश्यकता के अनुरूप खाद्यान्न आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को पूरा किया जा चुका है। इस दिशा में कृषि वैज्ञानिकों और प्रगतिशील किसानों ने शोध और अनुसंधान कार्यक्रमों को आगे बढ़ाकर कृषि उत्पादन को कई गुना बढ़ाने में सफलता प्राप्त की है। कम क्षेत्रफल में गुणवत्तायुक्त उत्पादन के लिए और अधिक शोध और अनुसंधान की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि ज्यादातर श्री अन्न ऑर्गेनिक हैं। इनके उत्पादन में पानी की कम आवश्यकता होती है। विगत 03 वर्षों से लगभग प्रत्येक परिवार में श्री अन्न की कोई न कोई रेसिपी बननी प्रारम्भ हो चुकी है। अब श्री अन्न से बिस्किट, नमकीन, लड्डू आदि उत्पादों को बनाया जा रहा है। इन उत्पादों की ओर कोई भी व्यक्ति सहज ही आकर्षित हो सकता है। इन उत्पादों के गुणवत्तापूर्ण निर्माण और प्रचार-प्रसार से लोगों में इनकी मांग बढ़ेगी। वर्तमान में इस दिशा में किए जा रहे प्रयासों को ध्यान में रखकर इस क्षेत्र में कार्य करने वाले संस्थानों तथा एफ0पी0ओ0 को आज यहां सम्मानित किया गया है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि कृषि विभाग द्वारा किसानों को श्री अन्न की उन्नतशील प्रजातियों की मिनी किट उपलब्ध कराने के साथ-साथ उन्हें प्रशिक्षित भी किया जाना चाहिए। किसानों को इस बार जितना बीज मिनी किट के माध्यम से प्रदान किया जा रहा है, अगले वर्ष उनसे उतना बीज जरूर लें, फिर उसके अगले वर्ष इससे दोगुने किसानों को बीज उपलब्ध कराएं। इससे अधिक संख्या में किसानों को लाभान्वित किया जा सकता है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि श्री अन्न को लेकर किसानों की जागरूकता में वृद्धि हुई है। विगत 06-07 वर्षों में श्री अन्न के मूल्य में बहुत अधिक वृद्धि हुई है। खरीफ की फसल के अन्तर्गत वर्ष 2014-15 में बाजरा का एम0एस0पी0 1,250 रुपये प्रति कुन्तल से बढ़कर 2,500 रुपये प्रति कुन्तल, ज्वार का एम0एस0पी0 1,530 रुपये प्रति कुन्तल से बढ़कर 3,180 रुपये प्रति कुन्तल, रागी का एम0एस0पी0 1,550 रुपये प्रति कुन्तल से बढ़कर 3,846 रुपये प्रति कुन्तल, मक्के का एम0एस0पी0 1,310 रुपये प्रति कुन्तल से बढ़कर 2,090 रुपये प्रति कुन्तल हो गया है। ऐसे अनेक उदाहरण हैं, इससे किसानों को लाभ प्राप्त हो रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2017 के पूर्व प्रदेश में एक दर्जन कृषि विज्ञान केन्द्र भी नहीं थे। प्रदेश के कृषि विश्वविद्यालयों के रुचि लेने पर कृषि विज्ञान केन्द्रों में सुधार हुआ है। अच्छी प्रतिस्पर्द्धा के साथ आज ज्यादातर कृषि विज्ञान केन्द्र अच्छा कार्य कर रहे हैं। प्रदेश के चारों कृषि विश्वविद्यालयों ने इस दिशा में अच्छा कार्य किया है। हमें उपकार जैसी संस्था का भी उपयोग करना चाहिए। कृषि विश्वविद्यालय, उपकार और कृषि विज्ञान केन्द्र मिलकर कार्य करेंगे, तो प्रदेश के 03 करोड़ किसानों के लिए शोध और अनुसंधान के साथ अच्छी क्वॉलिटी के बीज उपलब्ध हो पायेंगे। प्रदेश सरकार प्रोसेसिंग सेण्टर के लिए धनराशि उपलब्ध करा रही है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश के प्रत्येक कृषि विज्ञान केन्द्र और कृषि विश्वविद्यालय को मण्डी समिति और कृषि विभाग से धनराशि उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गयी है, ताकि किसानों को अधिक से अधिक सुविधाएं प्रदान की जा सकें। थोड़ा सा प्रयास करने पर ऑर्गेनिक और नेचुरल फॉर्मिंग उत्पादों के प्रमाणीकरण के लिए प्रत्येक कृषि विज्ञान केन्द्र और कृषि विश्वविद्यालय में लैब्स स्थापित हो सकती हैं। कृषि वैज्ञानिक आगे आकर मिलेट्स के क्षेत्र में शोध और अनुसंधान के लिए विशेष व्यवस्था करें। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कृषि मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के मार्गदर्शन में तीन दिवसीय श्री अन्न महोत्सव प्रदेश की राजधानी लखनऊ में प्रारम्भ हुआ है। श्री अन्न की खेती आदिकाल से भारत में होती रही है। किसी भी धार्मिक अनुष्ठान में सप्तधान्य की पूजा होती है। वर्तमान में यह सप्तधान्य कदन्न के रूप में हो गया है। वर्ष 2018 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के प्रयासों से श्री अन्न को पोषण से जोड़ने का कार्य किया गया। प्रधानमंत्री जी ने श्री अन्न के गुणों को भारत के माध्यम से अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर संयुक्त राष्ट्र संघ में रखे जाने की व्यवस्था की। पूरी दुनिया वर्ष 2023 को अन्तरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष के रूप में मना रही है।

कार्यक्रम को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री राकेश सचान, कृषि राज्य मंत्री श्री बलदेव सिंह ओलख ने भी सम्बोधित किया।

इस अवसर पर अध्यक्ष उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद कैप्टन (सेवानिवृत्त) विकास गुप्ता, कृषि उत्पादन आयुक्त श्री मनोज कुमार सिंह, अपर मुख्य सचिव कृषि डॉ0 देवेश चतुर्वेदी तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

पंथ और संप्रदाय अलग हो सकते हैं लेकिन धर्म शाश्वत है- मोहन भागवत

संघ के सर संघचालक श्री कृष्ण ज्ञान मंदिर के रजत जयंती महोत्सव एवं श्रीकृष्ण मंदिर के भूमि पूजन समारोह में मुख्यातिथि के रूप में शामिल होने आए थे।

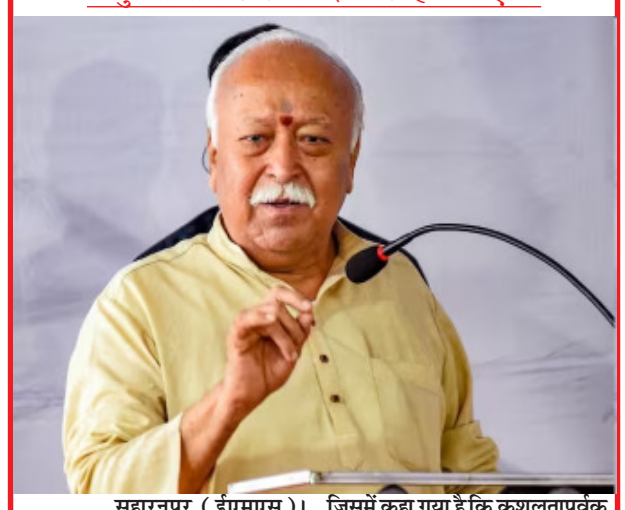

सहारनपुर (ईएमएस)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर संघचालक मोहन भागवत ने कहा कि धर्म सभी को मिलजुलकर रखता है। सारी दुनिया का धर्म एक है। पंथ और संप्रदाय अलग हो सकते हैं लेकिन धर्म शाश्वत है। इसका अंत होगा, तो सृष्टि समाप्त हो जाएगी। संत भी अलग-अलग संप्रदाय के होते हैं लेकिन अंदर से सब एक हैं। अंदर और बाहर से पवित्रता जरूरी है। संघ के सर संघचालक हाल ही में यहां कस्बा सरसावा में श्री कृष्ण ज्ञान मंदिर के रजत जयंती महोत्सव एवं श्रीकृष्ण मंदिर के भूमि पूजन समारोह में मुख्यातिथि के रूप में शामिल होने आए थे। इस दौरान उन्होंने भूमि पूजन करवाया। उन्होंने धर्म की व्याख्या करते हुए कहा कि सम्प्रदाय और पंथ अलग-अलग हो सकते हैं लेकिन सभी का धर्म एक हैं। धर्म की रक्षा करोगे, तो धर्म हमारी रक्षा करेगा। श्रीमद् भागवत गीता में भारत के जीवन का सार है जिसमें कहा गया है कि कुशलतापूर्वक काम करो। जो भी करो उत्तम करो। जीवन में किसी भी स्थिति से भागना नहीं है। डटकर मुकाबला करना है। स्थिति बदलती रहती है। व्यक्ति को श्रद्धा, दान और त्याग की भावना रखनी होगी। जो भी करो वह उत्तम होना चाहिए। जीवन में आने वाली परिस्थितियों से भागना नहीं है, इनका मुकाबला करो। यदि भाग गए तो जिंदा होते हुए भी मौत के समान है। प्रकृति के साथ चलें, यह धर्म की आवश्यकता है। दुनिया में ऐसे भी लोग हैं, जो दुष्ट हैं, उनसे घबराना नहीं है। हमारी किसी से दुश्मनी नहीं है। सभी को साथ लेकर चलें। संत समाज ने भी पंथ को अलग किया है, लेकिन धर्म में कोई भी भेद नहीं कर सकता है। पहले सनातन संस्कृति और धर्म की स्थापना हुई, उसके बाद ही पंथ और सम्प्रदाय बने। सम्प्रदाय का अर्थ देना है और धर्म सभी को जोड़कर चलने की शिक्षा देता है।

सभी मतदाताओं के सहयोग से लोकतंत्र बनेगा मजबूत - डीएम

त्रिगुट संवाददाता

गोण्डा। 27 अक्टूबर से शुरू हुये निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के तहत मतदाता पंजीकरण कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी नेहा शर्मा (ष्ठरू ह्द्धद्ध स्द्धड्डह्द्धड्ड) ने एलबीएस डिग्री कालेज से किया। उन्होंने अभियान का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप जलाकर किया। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी व्यस्क छात्र एवं छात्राएं अपना नाम निर्वाचक नामावली में अवश्य जुड़वाएं एवं शत प्रतिशत मतदान करें। आप सभी के एक-एक वोट की कीमत लोकतंत्र में अमूल्य है। सभी मतदाताओं के सहयोग से ही लोकतंत्र मजबूत होगा। जिलाधिकारी ने कहा कि हम सभी को दो चरणों में इस अभियान को सफल बनाना होगा। पहले चरण में मतदाता बनना होगा और दूसरे चरण में मतदान करना होगा। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी सुरेश कुमार सोनी व एलबीएस के प्रधानाचार्य, सदर एसडीएम, निर्वाचन कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारीगण व सभी शिक्षक व छात्र छात्राएं मौजूद रही।

जिलाधिकारी ने छात्रों को दी प्रपत्रों की जानकारी

मतदाता पंजीकरण कार्यक्रम के शुभारंभ के अवसर पर डीएम ने सभी छात्र छात्राओं से कहा कि इस पूरे कार्यक्रम में ऐसे मतदाता जिनकी आयु 1 जनवरी 2024 को 18 साल पूरी हो चुकी है अथवा 18 साल से अधिक हो गई है, वह अपना नाम मतदाता सूची में सम्मिलित कराने के लिए प्रपत्र 6 में आवेदन कर सकते हैं। मृत, स्थानांतरित एवं दोहरी प्रविष्टि वाले मतदाता का नाम मतदाता सूची में सम्मिलित है तो उनके लिए प्रपत्र 7 में आवेदन कर उस मतदाता का नाम विलोपित करवा सकते हैं। इसके साथ नाम पते में त्रुटि सुधार के लिए प्रपत्र 8 में आवेदन कर सकते हैं।

प्रपत्र 8 क से मतदाता अपने नाम को एक भाग से दूसरे भाग में स्थानांतरित करने के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए क्षेत्र के मतदान केंद्र पर बूथ लेवल अधिकारी के पास जाकर अथवा ऑनलाइन अपने मोबाइल नंबर से रजिस्ट्रेशन कराते हुए आवेदन किया जा सकता है।

गोण्डा। मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के अवसर पर अमृत कलश यात्रा की बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए आयुक्त , जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी , जिला अध्यक्ष अमर किशोर कश्यप सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

आयुक्त ने हरी झंडी दिखाकर रवाना की अमृत कलश यात्रा की बस

त्रिगुट संवाददाता

.गोण्डा। गोण्डा से मेरी माटी मेरा देश अमृत कलश यात्रा लखनऊ के लिए रवाना की गई। मण्डलायुक्त योगेश्वर राम मिश्र और डीएम गोण्डा नेहा शर्मा ने अम्बेडकर चौराहा से बस को हरी झंडी दिखाकर लखनऊ रवाना किया। इस कलश यात्रा में जिले के सभी ब्लाकों एवं नगर निकायों से वालंटियर भी भेजे गए हैं। बस के द्वारा सभी ब्लाकों व नगर निकायों से 26 कलश लखनऊ पहुंचाये गये है।

जिसमें ग्राम पंचायतों एवं नगर निकायों से आई मिट्टी को रखा गया है। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी, जिला अध्यक्ष भाजपा अमर किशोर कश्यप सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

डीएम ने निर्माणाधीन इंजीनियरिंग कॉलेज का औचक निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्था को दिए आवश्यक निर्देश

गोण्डा। जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने निर्माणाधीन इंजीनियरिंग कॉलेज का औचक निरीक्षण कर कार्य प्रगति का लिये जायजा। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने निर्माणाधीन इंजीनियरिंग कॉलेज में पहुंचकर प्राचार्य आवास, प्रशासनिक भवन, महिला छात्रावास, पुरुष छात्रावास एवं अन्य सभी तैयार हो रहे सभी बिल्डिंग भवनों में जाकर कार्य प्रगति एवं गुणवत्ता की जानकारी ली। साथ ही संबंधित कार्यदाई संस्था एवं अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा है कि निर्माणाधीन इंजीनियरिंग कॉलेज के निर्माण में और तेजी लाएं ताकि सत्र प्रारंभ से पहले पूरी गुणवत्ता के साथ तैयार हो सके।

निरीक्षण के दौरान कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए जिलाधिकारी ने कार्यदाई संस्था एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि निर्माणाधीन इंजीनियरिंग कॉलेज में बचे हुए कार्यों को पूरी गुणवत्ता के साथ जल्द से जल्द तैयार करना सुनिश्चित करें इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस अवसर पर प्राचार्य इंजीनियरिंग कॉलेज, एई सीएनडीएस सहित सभी संबंधित अधिकारी एवं कार्यदायी संस्था के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी के आदेश पर जनपद के कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्रों की हुई जांच

० कौशल विकास प्रशिक्षण का सच: केन्द्रों की गुणवत्ता खराब, प्लेसमेंट भी शून्य ० डीएम की जांच में हुआ खुलासा, कार्यवाही के लिए मिशन निदेशक को लिखा पत्र

निज संवाददाता

गोण्डा। जिलाधिकारी नेहा शर्मा के आदेश पर जनपद में शुरू हुई जांच ने कौशल विकास केन्द्रों में प्रशिक्षण कार्यक्रमों की गुणवत्ता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। केन्द्रों पर प्रशिक्षण के लिए मानकों के अनुरूप पर्याप्त संसाधन ही उपलब्ध नहीं है। लैब और कार्यशाला में उपकरण नहीं हैं। प्रशिक्षणार्थियों की उपस्थिति बेहद कम है। सभी प्रशिक्षणार्थियों को समय पर वर्दी व पाठ्य सामग्री तक उपलब्ध नहीं कराई जा रही है। हालात यह हैं कि 50 प्रतिशत से ज्यादा केन्द्रों पर प्लेसमेंट शून्य या बेहद कम पाया गया है। जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने सभी केन्द्रों की जांच रिपोर्ट मिशन निदेशक उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन को भेजकर प्रशिक्षण प्रदाताओं के विरुद्ध अग्रिम कार्यवाही करने की संस्तुति कर दी है।

बता दें, बीते 10 अक्टूबर को जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने वजीरगंज के हथिनाग स्थित कौशल विकास मिशन के प्रशिक्षण केन्द्र का औचक निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान भारी गड़बड़ियां सामने आई। जिसके बाद, जिलाधिकारी के आदेश पर खण्ड विकास अधिकारी एवं खण्ड शिक्षा अधिकारी की संयुक्त टीम द्वारा जनपद में संचालित सभी प्रशिक्षण केन्द्रों की जांच कराई गई। जांच में केन्द्रों पर भारी गड़बड़ियां पाई गई हैं। जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने बताया कि केन्द्रों पर पाई गई अनियमितताओं के संबंध में मिशन निदेशक उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन को कार्यवाही के लिए पत्र भेज दिया गया है।

यह कमियां आई सामनें

1. फ्रांट लाइन ग्लोबल सर्विसेज – खण्ड विकास अधिकारी पण्डरी कृपाल व खण्ड शिक्षा अधिकारी पण्डरी कृपाल की संयुक्त टीम ने सदर स्थित इस केन्द्र की जांच की। जांच आख्या से स्पष्ट होता है कि निरीक्षण के दौरान केन्द्र पर प्रशिक्षणार्थियों की उपस्थिति नहीं मिले। बिना डीपीएमयू कार्यालय के अनुमति के प्रशिक्षण प्रदाता द्वारा दिनांक 10.10.2023 को ई-मेल करते हुए स्वयं के निर्णय से केन्द्र को बन्द कर दिया गया है। कम्प्यूटर लैब में मानक के सापेक्ष 03 कम्प्यूटर व हेल्थकेयर के लैब में सामग्री की अनुपलब्धता भी पायी गयी। केन्द्र बन्द हो जाने के कारण प्रशिक्षण की गुणवत्ता का परीक्षण नहीं किया जा सका। प्लेसमेन्ट की प्रगति शून्य है।

2. टेक्नो हॉरिजोन -पंडरी कृपाल ब्लॉक में बीएफपी इंटर कॉलेज के परिसर में इसका संचालन किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान केन्द्र पर जांच के दौरान केन्द्र पर एक भी प्रशिक्षणार्थी उपस्थित नहीं था। इस सम्बन्ध में संस्था के संचालक द्वारा बताया गया कि जिला समन्वयक को इस विषय में अवगत कराया जा चुका है। वर्दी व पाठ्य सामग्री वितरित की गयी, फोटो संलग्न है परन्तु प्रशिक्षणार्थियों की अनपुस्थिति के कारण भौतिक सत्यापन नहीं किया जा सका। केन्द्र पर स्थापित कम्प्यूटर लैब व कार्यशाला के लैब में उपकरण कम पाये गये। प्लेसमेन्ट की प्रगति शून्य है।

3. कम्प्यूटर हाउस -बलरामपुर रोड पर संचालित इस प्रशिक्षण केन्द्र के निरीक्षण के दौरान पंजीकृत 108 प्रशिक्षणार्थियों के सापेक्ष 68 प्रशिक्षणार्थी मिले। केन्द्र पर प्रशिक्षणार्थियों वर्दी व पाठ्य सामग्री का वितरण नहीं किया गया है। लैब में मानक के सापेक्ष उपकरण कम पाये गए। प्लेसमेन्ट की प्रगति शून्य है।

4. टेक्नो हॉरिजोन -बभनजोत ब्लॉक के इस प्रशिक्षण केन्द्र पर पंजीकृत प्रशिक्षणार्थियों को वर्दी व पाठ्य सामग्री का वितरण नहीं किया गया है। प्रशिक्षण केन्द्र पर स्थापित जी0डी0ए0 लैब में उपकरण मानक के अनुरूप कम पाये गये। उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों से वार्ता करने पर गुणवत्ता संतोषजनक प्रतीत नहीं हुई।

5. मैक्स प्रो डिजिटल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड- जांच में सामने आया कि प्रशिक्षण प्रदाता मैक्स प्रो डिजिटल इण्डिया प्रा0लि0 ग्राम सिसहनी बभनान गोण्डा कौशल विकास प्रशिक्षण केन्द्र के पास संस्था संचालन के लिए आधारभूत संसाधन नहीं हैं। संस्था के व्यवस्थापक/प्रबंधक द्वारा कार्य करने में असक्षमता व्यक्त की गयी है।

6. श्री देव बिल्डर्स एंड कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड -परसपुर में संचालित प्रशिक्षण केन्द्र पर पंजीकृत प्रशिक्षणार्थियों को वर्दी व पाठ्य सामग्री वितरित नहीं किया गया है। कम्प्यूटर लैब में 15 कम्प्यूटर के सापेक्ष 01 कम्प्यूटर पाया गया।

7. कम्प्यूटर हाउस -निरीक्षण के दौरान पंजीकृत 27 प्रशिक्षणार्थियों के सापेक्ष 16 प्रशिक्षण प्राप्त करते हुए पाये गये। प्रशिक्षण की गुणवत्ता असंतोषजनक पाई गई।

8. ट्राइब्स कम्यूनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड -सदर तहसील के रुपईडीह ब्लॉक में संचालित केन्द्र पर पंजीकृत 108 प्रशिक्षणार्थियों के सापेक्ष 73 प्रशिक्षण प्राप्त करते हुए पाये गये। प्रशिक्षणार्थियों वर्दी व पाठ्य सामग्री का वितरण नहीं किया गया है।

9. लॉरस एज्युटेक प्राइवेट लिमिटेड - निरीक्षण के दौरान केन्द्र पर पंजीकृत 108 प्रशिक्षणार्थियों के सापेक्ष 52 प्रशिक्षण प्राप्त करते हुए पाये गये। प्रशिक्षणार्थियों वर्दी व पाठ्य सामग्री का वितरण नहीं किया गया है।

10. पीपुल्स जनरल एसोसिएशन- वजीरगंज ब्लॉक में संचालित इस केन्द्र पर निरीक्षण के दौरान छात्रावास बन्द पाया गया एवं एवं 10 प्रशिक्षणार्थी केन्द पर उपस्थित थे व कोई टी0ओ0टी0 प्रशिक्षक उपस्थित नहीं था। केन्द्र पर 15 कम्प्यूटर के सापेक्ष 10 सक्रीय व 03 निष्क्रीय पाये गये। उपस्थित 10 प्रशिक्षणार्थियों से वार्ता करने पर गुणवत्ता अच्छी प्रतीत नहीं हुई।महिला पुरूष डाक्टर का मौके पर अनुबंध पत्र नहीं है। आर0ओ0 नहीं है इण्डिया मार्का हेण्ड पम्प लगा हुआ है।

11. टेक्नो हॉरिजोन = संस्था द्वारा झंझरी ब्लॉक में बाबू राम इंटर कॉलेज में केन्द्र का संचालन किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान पंजीकृत 120 प्रशिक्षणार्थियों के सापेक्ष 49 प्रशिक्षण प्राप्त करते हुए पाये गये।

12. ब्लूमिंग लाइफ मल्टी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड =निरीक्षण के दौरान केन्द्र पर पंजीकृत 140 प्रशिक्षणार्थियों के सापेक्ष 53 प्रशिक्षण प्राप्त करते हुए पाये गये। प्रशिक्षणार्थियों वर्दी व पाठ्य सामग्री का वितरण नहीं किया गया है।

अंग्रेजों के बनाए कानूनों को बदलेगी मोदी सरकार

हैदराबाद(ईएमएस)। केंद्र की मोदी सरकार जल्द ही अंग्रेजों द्वारा बनाए गए भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), सीआरपीसी और भारतीय साक्ष्य अधिनियम बदलने जा रही है। भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह लेने वाले तीन नए विधेयक जल्द ही संसद द्वारा पारित किए जाएंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने यह बात शुक्रवार को हैदराबाद में भारतीय पुलिस सेवा प्रोबेशनर्स के 75वें बैच की पासिंग आउट परेड में शामिल हुए। बता दें कि केंद्र सरकार ने इसके लिए कदम भी बढ़ा दिए है मानसून सत्र के आखिरी दिन सरकार ने यह बिल लोकसभा में पेश भी कर दिया था, जिसके बाद इसे स्क्रूटनी कमेटी के पास भेज दिया गया।

हैदराबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी में शुक्रवार को आईपीएस कैडेटों की पासिंग आउट परेड में केंद्रीय गृहमंत्री शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत ब्रिटिश शासन के दौरान बनाए गए कानूनों को खत्म कर रहा है और नए आत्मविश्वास और नई आशाओं के साथ एक नए युग में प्रवेश कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश महिला नेतृत्व वाले विकास में आगे बढ़ रहा है।

स्थायी समिति के पास है बिल

गौरतलब है कि ये तीन विधेयक संसद के मानसून सत्र में पेश किए गए थे। गृह मंत्री अमित शाह ने इन विधेयकों को व्यापक परामर्श और चर्चा के लिए स्थायी समिति के पास भेजने का आग्रह किया था।

संक्षिप्त समाचार

नए पैरा विश्व और एशियन रिकॉर्ड के साथ सुमित आंतिल ने जीता सोना

सोनीपत। चीन के हांगझोऊ में आयोजित हो रहे पैरा एशियन गेम्स में बुधवार को गांव खेवड़ा के लाडले सुमित आंतिल ने नए विश्व व एशियन रिकॉर्ड के साथ शानदार प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक जीता है। उन्होंने एक बार फिर से देश व प्रदेश का मान बढ़ाते हुए 73.29 मीटर भाला फेंककर अपने ही विश्व रिकॉर्ड में सुधार किया है। सुमित ने अपने तीसरे प्रयास में इस उपलब्धि को प्राप्त किया है। सुमित आंतिल ने एफ-64 भाला फेंक स्पर्धा में 73.29 मीटर भाला फेंककर अपने पुराने रिकॉर्ड 70.83 मीटर में सुधार कर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया है। इससे पहले उन्होंने पेरिस में विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 70.83 मीटर भाला फेंक अपने पुराने रिकॉर्ड 70.17 मीटर में सुधार किया था। उनकी इस उपलब्धि पर खेल प्रेमियों में खुशी की लहर है। गांव पहुंचने पर लाडले का स्वागत किया जाएगा। वह पहले ही 2024 पेरिस पैरालंपिक के लिए कोटा हासिल कर चुके हैं। खेवड़ा का यह लाडला टोक्यो पैरालंपिक में भी देश का नाम स्वर्ण अक्षरों में लिख चुका है। उन्होंने तब भी रिकार्ड 68.55 मीटर भाला फेंका था।

संत समागम ~ श्रद्धालुओं के लिए 50 बसें चलाएगा रोडवेज, तैयारी पूरी

सोनीपत। भोड़वाल माजरी में आयोजित होने वाले संत समागम में श्रद्धालुओं को रोडवेज बेहतर परिवहन सुविधा उपलब्ध करवाएगा। इसके लिए लगभग तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। रोडवेज समागम में अपनी 50 विशेष बसें भेजेगा। यह बसें यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाएंगी। बसों का परिचालन 30 अक्तूबर से शुरू किया जाएगा। भोड़वाल माजरी में 28 अक्तूबर से शुरू हो रहे तीन दिवसीय 76वें संत निरंकारी समागम को लेकर तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। सुदीक्षा जी महाराज के प्रवचन सुनने के लिए देशभर से लाखों श्रद्धालु समागम में पहुंचते हैं। सोनीपत जिले से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रवचन सुनने जाते हैं। श्रद्धालुओं को समागम के दौरान गंतव्य तक जाने में किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए रोडवेज ने विशेष बसें चलाने का निर्णय लिया है।

शव लेकर पहुंची एंबुलेंस को रोका, किया हंगामा

सोनभद्र। थाना क्षेत्र के नधिरा गांव निवासी युवक की कर्नाटक में काम के दौरान हुए हादसे में मौत हो गई। पोस्टमार्टम के बाद मंगलवार की रात उसका शव गांव पहुंचा तो आक्रोशित परिजनों ने एंबुलेंस को रोक लिया। मुआवजा व कंपनी पर कार्रवाई की मांग करते हुए हंगामा करने लगे। मौके पर पहुंची पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद लोगों को शांत कराया। नधिरा गांव निवासी शिवकुमार (24) कर्नाटक में मशीन ऑपरेटर का काम करता था। वहां गत 23 अक्तूबर की रात काम के दौरान किसी वाहन की चपेट में आने से शिवकुमार की मौत हो गई। साथियों ने शव का पोस्टमार्टम कराकर एंबुलेंस से मंगलवार की रात घर भेजा। परिजनों ने आक्रोशित होकर शव लेने से इन्कार कर दिया। शव लेकर पहुंची एंबुलेंस को रोक लिया। परिजन कंपनी पर कार्रवाई व मुआवजा की मांग कर रहे थे। सूचना पर पहुंचे एसआई वीरबहादुर सिंह ने परिजनों को मुआवजा देने के आश्वासन देकर शांत कराया। शिवकुमार दो भाइयों में छोटा था। बड़ा भाई पैर से अशक्त है। एसआई वीरबहादुर सिंह ने बताया कि मृतक को तीन महीने की मजदूरी नहीं मिली थी। काम करने वालों से बात होने पर पैसा भेजने की बात कही गई, इस पर परिजन तैयार हुए। शव का कर्नाटक में पोस्टमार्टम भी कराया गया है।

संदिग्ध परिस्थितियों में अधेड़ की मौत

सोनभद्र। रामपुर बरकोनिया थाना क्षेत्र के पल्हारी गांव निवासी एक अधेड़ की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पल्हारी गांव निवासी बचऊ (50) रोजाना की तरह रविवार की शाम घर पर खाना खाने के बाद खेत पर बने घर पर सोने के लिए चला गया। अगले दिन सोमवार की सुबह वो घर पर नहीं लौटा तो परिजनों ने सोचा कि कहीं गया होगा। देर शाम तक न लौटने पर परिजन खेत पर गए तो वहां बचऊ मृत हाल में पड़ा था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। मंगलवार को पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया।

पांच निलंबित शिक्षकों की ऑनलाइन हुई तैनाती

सोनभद्र। जिले में निलंबित शिक्षकों की बहाली ऑनलाइन पोर्टल से करने की प्रक्रिया लागू हो गई है। पहली बार जिले के पांच शिक्षकों को ऑनलाइन बहाल किया गया है। जिले में कुल 2061 परिषदीय विद्यालय संचालित हैं। इनमें 4600 के करीब शिक्षक-शिक्षिकाओं की तैनाती है। ऐसे में हर साल बड़ी संख्या में शिक्षक अलग-अलग कारणों से निलंबित किए गए हैं। विभिन्न आरोपों में निलंबित होने वाले परिषदीय शिक्षकों की बहाली अब उनके मूल विद्यालय में आसानी या जुगाड़ से नहीं हो पाएगी। सिर्फ जांच में दोषमुक्त होने वाले शिक्षक ही मूल विद्यालय में तैनात होंगे। बाकी दंड सहित बहाल होने वाले शिक्षकों को ऑनलाइन प्रक्रिया से विद्यालय आवंटित किया जाएगा। शासन से इसके दिशा निर्देश जारी होने के बाद अब निलंबन से बहाल होने वाले शिक्षकों की ऑनलाइन तैनाती प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। अपने यहां इस व्यवस्था को लागू करने वाले 29 जिलों की सूची में जनपद शामिल है। यहां करीब पांच शिक्षकों को निलंबन के बाद आनलाइन स्कूल आवंटित किए गए हैं, जबकि दस के करीब अन्य शिक्षकों को भी विद्यालय ऑनलाइन ही आवंटित होंगे। करीब पांच से छह शिक्षकों को ऑनलाइन प्रक्रिया से विद्यालय आवंटित किया गया है। अन्य निलंबित शिक्षकों को भी बहाल होने पर इसी प्रक्रिया का पालन किया जाएगा। - नवीन कुमार पाठक, बीएसए।

फंदा लगाकर युवक समेत दो ने दी जान

सोनभद्र। जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में बीते 24 घंटे के अंदर एक युवक सहित दो लोगों ने फंदे से झूलकर अपन जान दे दी। पहली घटना अनपरा क्षेत्र की है तो दूसरी घटना हाथीनाला थाना क्षेत्र की बताई जा रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों ने दोनों का अंतिम संस्कार कर दिया। अनपरा थाना क्षेत्र के कुलडोमरी गांव के डोड़ियानार टोला निवासी हरिदास (50) अपने परिवार के साथ घर ही रहते थे। किसी बात से नाराज हरिदास ने मंगलवार की रात में घर के पीछे खेत में अमरूद के पेड़ से नायलॉन की रस्सी के सहारे फंदे से झूलकर अपनी इहलीला समाप्त कर ली। बुधवार की सुबह घरवाले जब खेत में गए तो हरिदास का शव फंदे से लटकता देख सन्न रह गए। घटना की सूचना ग्राम प्रधान व पुलिस को दी गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए दुद्धी भेज दिया। हरिदास को तीन लड़के और दो लड़कियां हैं। एक लड़की की शादी हो चुकी है। दूसरी घटना हाथीनाला थाना क्षेत्र के हथवानी गांव के साऊडीह की है। यहां एक युवक ने जंगल में फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया। देवलाल (38) रोजाना की तरह सोमवार को भी जंगल में पशुओं को चराने गया था, देर शाम तक घर नहीं लौटा। खोजबीन करने पर उसका शव एक पेड़ से लटका मिला। ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घरवालों ने शव का अंतिम संस्कार कर दिया।

व्यक्तिगत डायरेक्टर पद पर अनार्वती, आसिफ और आशीष जीते

सोनभद्र। दुद्धी सहकारी क्रय विक्रय समिति के व्यक्तिगत डायरेक्टर पद के तीन सीटों पर बुधवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतदान हुआ। देर शाम हुई मतगणना में तीनों पदों पर अनार्वती देवी, आसिफ आलम और आशीष कुमार निर्वाचित हुए। परिणाम की घोषणा के बाद समर्थकों ने उन्हें फूल मालाओं से लादकर खुशियां मनाई। मतदान सुबह दस बजे शुरू हुआ। पहचान पत्र दिखाने वालों को ही मतदान के लिए परिसर में प्रवेश दिया गया। सुरक्षा व्यवस्था की कमान खुद एएसपी त्रिभुवन नाथ त्रिपाठी, सीओ प्रदीप सिंह चंदेल, प्रभारी निरीक्षक नागेश सिंह और कस्बा चौकी इंचार्ज आशीष पटेल संभाल रहे थे। व्यक्तिगत में तीन डायरेक्टर पद के लिए कुल 2989 में से 1164 मत पड़े। इसमें अनार्वती देवी 804, आसिफ आलम 788, आशीष कुमार 799 मत पाकर विजेता बने। इनके अलावा इंदू देवी को 299, पंकज कुमार को 334, रामसुरेश को 277 मत प्राप्त हुआ। अन्य 40 मत निरस्त रहे। निर्वाचन अधिकारी रमेश कुमार ने परिणाम की घोषणा की। साथ ही बताया कि परिणाम उच्च न्यायालय में दायर एक रिट याचिका के अधीन है। इसकी नोटिस भी चस्पा की गई।

जिला अस्पताल के पंप आपरेटर ने फंदा लगाकर दी जान

औरैया। चिचौली स्थित 100 शैया जिला अस्पताल के आवासीय भवनों के पीछे बुधवार दोपहर पंप आपरेटर का शव पेड़ पर फंदे पर लटका मिला। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर निर्माणाधीन अस्पताल परिसर के इंजीनियर से पूछताछ की। घरेलू कलह के चलते आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। अपर पुलिस अधीक्षक दिगंबर कुशवाहा ने बताया कि मोहम्मदपुर राय निवासी गोविंद चौधरी (45) पुत्र जगदीश चौधरी निर्माणाधीन बिल्डिंग में पंप आपरेटर का काम करता था। बुधवार दोपहर कुछ कर्मचारियों ने शव चादर के फंदे से लटका पाया गया। पुलिस ने शव को फंदे से उतारा। इंजीनियर ने पूछताछ में बताया कि घरेलू कलह के चलते गोविंद ने यह कदम उठाया है। घरेलू मामलों को लेकर वह अक्सर परेशान रहता था।

तस्वीरों में नाटी इमली का भरत मिलाप

काशी बनी अयोध्या, तीन मिनट की लीला के लिए उमड़ी साढ़े तीन लाख की भीड़

वाराणसी। नाटी इमली का भरत मिलाप मैदान...। बुधवार की शाम घड़ी की सूइयों ने जैसे ही 4~40 बजाया, पूरा मैदान शांत। साढ़े तीन लाख की भीड़ लेकिन कहीं कोई शोर नहीं। यदुकुल के कंधे पर पुष्पक विमान में विराजमान रघुनायक, माता जानकी और लक्ष्मण। दूसरी ओर काशी बनी अयोध्या में भरत और शत्रुघ्न। हर आंख इस नयनाभिराम पल को अपने हृदय में सहेजने को बेताब। तीन मिनट की इस लीला को देखने के लिए साढ़े तीन लाख की भीड़ मौजूद थी। चित्रकूट रामलीला समिति का भरत मिलाप देखने के लिए पूरा मैदान श्रद्धालुओं से खचाखच भरा हुआ था। मानस की चौपाइयों के पाठ के बीच यदुवंशियों ने जैसे ही पुष्पक विमान को जमीन पर रखा, राम और लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न की ओर दौड़ पड़े। चारों भाइयों के मिलन का यह पल हर कोई दम साधे देख रहा था। वहीं, पश्चिम में भगवान भास्कर भी अपनी सुनहरी किरणों के साथ कुछ पल के लिए थम से गए। राम ने चरणों में गिरे हुए भरत को हृदय से लगाया तो दोनों की अश्रुधाराएं बह निकलीं। चारों भाइयों का मनमोहक मिलाप देखकर नाटी इमली भरत मिलाप मैदान में खड़े लीला प्रेमियों की आंखें भी मानों नम हो गईं। काशी राज परिवार के अनंत नारायण सिंह ने भगवान के स्वरूपों को प्रणाम किया और पं. अभिनव उपाध्याय को सोने की गिन्नी प्रदान की। संकट मोचन मंदिर के महंत प्रो. विश्वंभर नाथ मिश्र ने विमान की आरती उतारी। इस दौरान सुबोध अग्रवाल, मोहन कृष्ण अग्रवाल, सत्येंद्र कुमार राय, अशोक सिंह आदि मौजूद रहे।

दोपहर से ही पहुंचने लगे थे श्रद्धालु

काशी के लक्खा मेले में शुमार श्रीचित्रकूट रामलीला समिति के ऐतिहासिक भरत मिलाप को देखने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ दोपहर 12~00 बजे से ही मैदान में उमड़ने लगी थी। चार बजते-बजते नाटी इमली मैदान श्रद्धालुओं से खचाखच भर गया।

480 साल पुरानी है लीला

चित्रकूट रामलीला समिति के अध्यक्ष और भरत मिलाप आयोजन के व्यवस्थापक बाल मुकुंद उपाध्याय ने बताया कि मेघा भगत के स्वप्न में भगवान श्रीराम ने आकर दर्शन दिए थे और यहां भरत मिलाप कराने का निर्देश दिया था। मान्यता है कि नाटी इमली के भरत मिलाप में स्वयं भगवान श्रीराम उपस्थित होते हैं।

वंदेभारत से रामलला के दर्शन करने जाएंगे काशी के साधु-संत

सोनभद्र। अयोध्या में भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर के लोकार्पण से पहले वाराणसी-अयोध्या के बीच नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की सौगात मिलेगी। इस ट्रेन से ही काशी के साधु-संत श्रीरामलला के दर्शन करने आयोध्या जाएंगे। वाराणसी, प्रयागराज, अयोध्या और लखनऊ के बीच वंदे भारत ट्रेन का परिचालन होगा। रेलवे बोर्ड इन रूटों का सर्वे अपने स्तर से करा रहा है। दिसंबर में इस नई ट्रेन का ट्रायल रन हो सकता है। जनवरी में श्रीराम मंदिर का लोकार्पण होगा। इससे पहले ही वंदे भारत के जरिये काशी, संगम नगरी प्रयागराज और अयोध्या की कनेक्टिविटी बेहतर बनाने की दिशा में काम शुरू हो गया है। उत्तर रेल अधिकारियों के अनुसार वाराणसी-प्रयागराज तक तो कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन प्रयागराज, लखनऊ और अयोध्या के बीच सर्वे में कई जगहों पर तकनीकी दिक्कतें आ रही हैं। वहीं, रूट को लेकर अभी अंतिम मंथन चल रहा है।आईआईए पर्यटन की राष्ट्रीय समिति के चेयरमैन राहुल मेहता ने बताया कि काशी-अयोध्या के बीच लंबे समय से नई ट्रेन की मांग की जा रही है। यदि इस रूट पर वंदे भारत का संचालन होता है तो धार्मिक पर्यटन को और भी बढ़ावा मिलेगा।

नकली घी की असली ब्रांडिंग- स्वाद और खुशबू के साथ ऐसे हो रहा था लोगों की सेहत से खिलवाड़

आगरा। शुद्ध देशी घी का लोगो नकली घी बनाने वाले पैकेट पर लगाया गया था। इतना ही नहीं पता और लाइसेंस भी फर्जी था। 150 रुपये में तैयार करने के बाद 640 रुपये में 50 फीसदी कमीशन पर दुकानदारों को नकली घी बेचा जाता था। आगरा की विजय नगर के अवनीश गर्ग ने लोगों को चकमा देने के लिए नकली घी की जबरदस्त ब्रांडिंग की थी। आकर्षक पैकेट के साथ स्वाद और सेहत का हवाला देते हुए शुद्ध देशी घी का लोगो छाप रखा था। भ्रमित करने के लिए फर्जी खाद्य सुरक्षा मानक दर्ज थे। आरडीएफआई ग्रुप का स्वदेशी डेयरी मिल्क ब्रांड से नकली घी तैयार होता था। पैकेट पर निर्माण इकाई का पता खसरा नंबर 175/2 इंडस्ट्रीज एरिया फाउंड्री नगर नुनिहाई लिखा था, जबकि विजय नगर में नकली घी बनते हुए पकड़ा गया। एफएसएसएआई लाइसेंस संख्या भी फर्जी लिखा था। पैकेट पर न्यूट्रीशनल इनफार्मेशन भी लिखा था। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) के जिला अभिहित अधिकारी अमित कुमार सिंह ने बताया कि पैकेट देखकर कोई भी भ्रमित हो जाएगा। इस पर खाद्य सुरक्षा के सभी नियम और मानक दर्ज थे।

50 फीसदी कमीशन पर थोक दुकानदार को करता था बिक्री

एफएसडीए के जिला अभिहित अधिकारी के अनुसार पूछताछ में अवनीश गर्ग ने बताया कि नकली घी बनाने के लिए वनस्पति और रिफाइंड सोयाबीन तेल को गर्म कर उसमें घी की खुशबू के लिए एसेंस मिलाता था। एक लीटर पैकेट तैयार करने में 130-150 रुपये की लागत आती थी। 50 फीसदी कमीशन पर इसे दुकानदारों को बेचता था। मोटे मुनाफे के लिए दुकानदार लोगों को एमआरपी 640 रुपये पर बिक्री करते थे।

नमूने की रिपोर्ट आते ही

मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी राजेश गुप्ता ने बताया कि नकली घी बनाने की फैक्टरी से 6 नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे हैं। इसमें रिफाइंड सोयाबीन, वनस्पति, एसेंस के अलावा तीन नमूने पैकेट और भगोने में मिले नकली घी के सैंपल शामिल हैं। रिपोर्ट आने के बाद धाराएं बढ़ाई जाएंगी। कोर्ट में आरोपी को सजा दिलाने में भी सहायक साबित होंगी।

खो-खो व कबड्डी में विद्यार्थियों ने दिखाया दम

सुल्तानपुर। विकासखंड कुड़वार की बेला न्याय पंचायत में मंगलवार को प्राथमिक विद्यालय व उच्च प्राथमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं हुईं। इसमें बालक व बालिका वर्ग में दौड़, कबड्डी व खो-खो की स्पर्धा हुई। स्पर्धा में 17 प्राथमिक विद्यालयों व छह जूनियर विद्यालयों के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। प्राइमरी विद्यालय स्तर पर हुई कबड्डी बालक वर्ग में बेला पहले व राजापुर दूसरे स्थान पर रहा। वहीं बालिका वर्ग में बेला पहले व पूरे रिखी की टीम दूसरे स्थान पर रही। प्राइमरी स्तर की 50 मीटर दौड़ में इश्का राजापुर विजेता बनीं। 100 व 200 मीटर दौड़ में जुबेदा प्रथम स्थान पर रहीं। खो-खो के बालक व बालिका वर्ग में बेला की टीम विजेता व कोटिया की टीम उपविजेता रही। जूनियर विद्यालय स्तर की 100 मीटर दौड़ बालक वर्ग में मयंक पूरे फैजू प्रथम व चांदबाबू पूरे ऋषि द्वितीय स्थान पर रहे। 200 मीटर दौड़ में प्रिंस विनायकपुर प्रथम व हितेश डोमानपुर दूसरे स्थान पर रहे। 400 मीटर में सुधाकर मिश्रा राजापुर प्रथम व नितेश विनायकपुर द्वितीय स्थान पर रहे। जूनियर विद्यालय बालिका वर्ग की 100 मीटर दौड़ में महक पाल प्रथम व खुशी दूसरे स्थान पर रहीं। 200 मीटर दौड़ में अंशिका प्रथम व अंशिका राजापुर द्वितीय स्थान पर रहीं।

आश्चे बोछोर आबर होबे- सिंदूर खेला के साथ दी गई मां को विदाई, ढोल-नगाड़ों पर थिरकीं महिलाएं

वाराणसी।सनातन परंपरा की विशेषता है कि कोई भी शुभकार्य समाप्त नहीं होता, पुनः होने की उम्मीद के साथ संपन्न होता है। दुर्गा पूजा, छठ, गणपति उत्सव एक बार संपन्न होते ही अगले वर्ष के लिए मन तैयार हो जाता है। मान्यता है कि मां दुर्गा नवरात्र के दौरान मायके आती हैं और 10 दिन रुकने के बाद फिर वापस ससुराल जाती हैं। मां के रुकने के उपलक्ष्य में दुर्गा पूजा का उत्सव मनाया जाता है।

आश्चे बोछोर आबर होबे... अर्थात ससुराल को विदाई देते हुए दोबारा जल्दी आना का उद्घोष बंगाली समुदाय के पंडालों में गूंज उठा। मंगलवार को भेलूपुर से लेकर दशाश्वमेध तक बंगाली समुदाय ने मां जगदंबा को भीगी पलकों के साथ विदाई दी। बैंड बाजे की धुन पर थिरकती हुए महिलाओं ने सिंदूर खेला की रस्म भी निभाई और जब विदाई का मौका आया तो आंखें भी छलक उठीं। दशमी तिथि पर शाम ढलते ही बंगाली पंडालों की रौनक देखते ही बन रही थी। महिलाएं कतारबद्ध होकर माता को सिंदूर अर्पित कर रहीं थीं और एक दूसरे को सिंदूर लगा रही थीं। कई पंडालों में तो सिंदूर की होली ऐसी खेली गई कि हर चेहरे पर माता के सिंदूर की लालिता बिखरी नजर आ रही थी। सिंदूर खेला की समाप्ति के बाद मां को विदाई दी गई। मां का विसर्जन कर उनसे जल्दी दोबारा वापस आने की प्रार्थना की गई। मंगलवार को दोपहर के बाद से ही पंडालों में विदाई की रस्में शुरू हो गईं। पहले सुहागिन महिलाओं ने मां दुर्गा को पान के पत्ते से सिंदूर चढ़ाया और मिठाई खिलाई। इसके बाद सभी महिलाओं ने एक-दूसरे को सिंदूर लगाना शुरू किया। पूरा पंडाल सिंदूरी रंगत में रंगा नजर आ रहा था। इसके बाद धुनुची नृत्य के साथ माता को विदाई दी गई और बोरन की प्रथा भी निभाई गई।

सनातन परंपरा की विशेषता है कि कोई भी शुभकार्य समाप्त नहीं होता, पुनः होने की उम्मीद के साथ संपन्न होता है। दुर्गा पूजा, छठ, गणपति उत्सव एक बार संपन्न होते ही अगले वर्ष के लिए मन तैयार हो जाता है। मान्यता है कि मां दुर्गा नवरात्र के दौरान मायके आती हैं और 10 दिन रुकने के बाद फिर वापस ससुराल जाती हैं। मां के रुकने के उपलक्ष्य में दुर्गा पूजा का उत्सव मनाया जाता है।

अगले साल मां जल्दी आएं

जिस तरह से बेटी अपने मायके से विदा होती है, उसी तरह से आज मां दुर्गा की हमलोग विदाई कर रहे हैं। एक तरफ जहां मां के जाने का गम है, वहीं अगले वर्ष मां दुर्गा जल्दी आए, इसके लिए हमें खुशी भी है। - लता दास, श्रद्धालु

विश्व शांति की कामना से हुआ माता का पूजन

मां दुर्गा से प्रार्थना की है कि आज विश्व में कई देश एक दूसरे से लड़ रहे हैं। पूरे विश्व में शांति आए और लोगों के मन से भय का वातावरण खत्म हो, इसी उद्देश्य के साथ हम लोगों ने पूजा अर्चना की है। - सुदीपा सरकार बोस, श्रद्धालु

नौ पुलिस अधिकारियों व कर्मियों पर गिरी गाज

सोनीपत। एफआईआर दर्ज होने के एक साल के अधिक समय के बाद भी मुकदमे को नहीं निपटा पाने पर गृह मंत्री ने सोनीपत के नौ पुलिस अधिकारियों व कर्मियों निलंबित करने के आदेश दिए हैं। उनके आदेश के बाद एडीजीपी (अपराध) की तरफ से संबंधित जिलों में आदेश जारी कर लिए है। अब एडीजीपी क्राइम ने संबंधित जिलों के उच्च अधिकारियों को उन जांच अधिकारियों की लिस्ट भेजकर निलंबित करने के आदेश जारी किए है। जिसमें सोनीपत सिटी थाना के मामले में एसआई शमशेर, सेक्टर-27 के मामले में एएसआई दलजीत, सदर सोनीपत के तीन मामलों में एएसआई रमेश, सिटी गोहाना के मामले में एचसी विनय, बहालगढ़ के मामले में एएसआई अनिल, गन्नौर के एक मामले में जांच अधिकारी, कुंडली के मामले में सीआईए-2 का जांच अधिकारी, कुंडली के दो मामलों में एचएसएनसीबी करनाल के जांच अधिकारी व राई के मामले में एएसआई अरुण के नाम शामिल है। सभी मामले वर्ष 2019 से 2022 के बीच के हैं।

चालक-परिचालक व सवारी को पीटकर 22 सौ रुपये लूटे, निजी बस के शीशे तोड़े

सोनीपत। कुंडली-गाजियाबाद-पलवल (केजीपी) पेरिफेरल-वे पर टोल प्लाजा के पास सवारियां बैठाने की रंजिश में निजी बस को रोककर चालक-परिचालक व सवारी को पीटकर 22 सौ रुपये लूट लिए गए। इस दौरान दूसरी निजी बस व दो कारों में सवार होकर आए हमलावरों ने पहले बस को रोका और फिर हमला कर दिया। इतना ही नहीं बस के शीशे भी तोड़ डाले। बाद में मौके पर हाईवे पेट्रोलिंग की गाड़ी आने पर हमलावर भाग गए। पुलिस ने मारपीट, लूट और नुकसान पहुंचाने का मुकदमा दर्ज कर लिया है। उत्तर प्रदेश के जिला मेरठ के गांव ललियाना निवासी साजिद ने कुंडली थाना पुलिस को बताया कि वह गांव के ही शाहनवाज की निजी बस पर चालक हैं। वह बस को दिल्ली के टीकरी बॉर्डर से उत्तर प्रदेश के हरदोई के बीच चलाते हैं। वह मंगलवार रात करीब आठ बजे टीकरी बॉर्डर से हरदोई के लिए सवारियां लेकर चले थे। बस रात को करीब साढ़े नौ बजे केजीपी टोल प्लाजा से आगे कुंडली थाना की सीमा में पहुंची तभी दूसरी निजी बस का चालक यूपी के जिला मेरठ के गांव राघना निवासी अगाज आया और अपनी बस को उनकी बस के आगे लगाकर रास्ता रोक लिया। इस दौरान उनके साथ दो कारें भी आकर रुकीं। उनमें से अगाज के गांव बड्डा निवासी देवा, स्थाना निवासी ललित त्यागी व जाहिद, सरुरपुर निवासी इमरान, नोएडा निवासी पंकज, गांव अजराडा निवासी इमरान तथा 10-15 युवक उतरे। उन्होंने लाठी-डंडे से बस के शीशे तोड़ दिए और उनके व परिचालक यूपी के जिला हापुड़ के गांव अठसेनी निवासी शाह आलम व सवारी यूपी के शाहजहांपुर के गांव सेरा मऊ निवासी टिंकू से मारपीट की। टिंकू से 22 सौ रुपये लूट लिए। परिचालक शाह आलम दूसरी तरफ भाग गए। हाईवे पेट्रोलिंग की गाड़ी मौके पर पहुंचने पर आरोपी भाग गए। कुंडली थाना प्रभारी ऋषिकांत ने बताया कि बस चालक के बयान पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले में गहनता से जांच कर ठोस कार्रवाई की जाएगी।

चारों भाइयों के मिलन को देख छलके नयन

सोनीपत। शहर में विभिन्न धार्मिक एवं रामलीला आयोजन समितियों की तरफ से विजयदशमी पर रावण वध के बाद एकादशी को भरत मिलाप समारोह का आयोजन किया गया। श्री पंचायती ठाकुर द्वारा मंदिर में श्रीराम के लंका से वापस आने पर भरत मिलाप किया गया। इस दौरान चारों भाइयों के मिलन को देखकर दर्शकों के नयन छलक उठे। इसके बाद शहर में शोभायात्रा निकाली और गुड़ मंडी में जाकर भगवान श्रीराम का राज्याभिषेक किया गया। इसके मुख्य अतिथि मास्टर जयपाल खत्री जी ने भगवान श्रीराम का पूजन किया। श्री रामलीला सभा की तरफ से बुधवार को आयोजित समारोह में भगवान श्रीराम के 14 वर्ष का वनवास पूरा करने के बाद अयोध्या लौटने पर अयोध्या का हर व्यक्ति प्रसन्न था। भगवान राम ने जब भरत को गले लगाया तो वहां मौजूद लोगों की आंखों में आंसू आ गए। भगवान श्रीराम के राज्याभिषेक व उनका संपूर्ण दरबार अलौकिक लग रहा था। इस दौरान प्रधान महेंद्र मंगला, विजय गौतम, राजकुमार गोयल, अमित कुच्छल, अमित शौनक, तरुण गोयल, गौरव कृष्ण शास्त्री, गजेंद्र मंगला ने शोभा यात्रा का संचालन किया। लंका पर विजय प्राप्त करने के बाद अयोध्या लौटे राम का नगर वासियों ने जगह-जगह स्वागत किया। पुष्प वर्षा कर लोगों ने उनका मुंह मीठा कराया। कई लोग उन्हें अपने घर ले जाकर आरती उतारी। सभी झांकी के साथ भक्तिमय गीतों पर झूमे उठे। गुड़ मंडी में जाने के बाद वहां बनाई अयोध्या में राज सिंहासन पर रखी खड़ाऊ को उठाया गया। गुरु वशिष्ठ ने भगवान राम को तिलक किया। इस दौरान अयोध्या नगरी में जगह-जगह शगुन गीत गाए जा रहे थे। भगवान राम को राज सिंहासन पर बिठा दिया गया। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के राज्याभिषेक से हर कोई उत्साहित दिख रहा था। उधर सेक्टर-12 में शिव ड्रामेटिक क्लब राई की तरफ से आयोजित राम राज्याभिषेक समारोह में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भगवान राम की जयकार की।

धू-धू कर जल उठा अहंकारी रावण

सुल्तानपुर। बुराई पर अच्छाई की जीत का पर्व विजयदशमी मंगलवार को जिले भर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। राम-रावण युद्ध के मंचन के साथ रावण का वध कर उसके पुतले का दहन किया गया। अहंकारी का पुतला धू-धू कर जल उठा। यह देखने के लिए शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में भारी भीड़ उमड़ी। शहर के रामलीला मैदान से झांकी निकाली गई। आगे-आगे राम व लक्ष्मण का रथ व पीछे-पीछे सैकड़ों लोग चल रहे थे। लखनऊ नाका स्थित ओवरब्रिज पर राम व रावण के युद्ध का लोगों ने रोमांच देखा। इसके बाद करीब छह बजे ओवरब्रिज के ऊपर बनाए गए रावण के पुतले को राम ने बाण चलाकर वेध दिया। देखते ही देखते रावण धू-धू कर जलने लगा। इस पल को देखने के लिए ओवरब्रिज के सामने व दाएं-बाएं बने वैकल्पिक मार्ग पर भारी भीड़ जुटी रही। इस मौके पर जिलाधिकारी कृतिका ज्योत्सना, पुलिस अधीक्षक सोमेन बर्मा, केंद्रीय दुर्गा पूजा व्यवस्था समिति के अध्यक्ष ओमप्रकाश पांडेय बजरंगी, कोषाध्यक्ष प्रवीन कुमार अग्रवाल समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

एमडीआर टीबी की दवाओं का तीन माह से टोटा, मरीज परेशान

सोनीपत। नागरिक अस्पताल में मल्टी ड्रग रेजिस्टेंट (एमडीआर) टीबी की दवाओं का टोटा बना हुआ है। तीन माह से एमडीआर टीबी के मरीजों को दवाएं पूरी नहीं मिल रही हैं। अस्पताल के चक्कर काटने के बावजूद मरीज निराश होकर लौटने के लिए मजबूर हैं।

ऐसे में केंद्र सरकार का वर्ष 2025 में टीबी मुक्त भारत बनाने का सपना कैसे पूरा होगा। जिले में एमडीआर टीबी के 112 मरीज हैं, जिनका स्वास्थ्य अधिकारियों की निगरानी में उपचार चल रहा है। केंद्र सरकार ने 2025 तक टीबी को समाप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया है, लेकिन स्वास्थ्य अधिकारी सरकार के लक्ष्य को पलीता लगाने में लगे हुए हैं। अस्पताल में तीन महीने से रोगियों को पूरी दवाएं नहीं मिल रही। ऐसी स्थिति में कैसे हारेगा टीबी, यह प्रश्न एमडीआर टीबी रोगी स्वास्थ्य अधिकारियों से पूछने लगे हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों की ओर से एक ही जवाब दिया जा रहा है कि विभाग की ओर से सरकार को दवाओं की पूर्ति के लिए डिमांड भेज दी गई है। दवाएं उपलब्ध होने के बाद मरीजों को दी जाएंगी। टीबी की सबसे गंभीर स्थिति तब होती है, जब उस पर कई प्रकार की दवाएं बेअसर हो जाएं। इस समय एमडीआर टीबी के मरीजों के लिए साइक्लोसीरिन, लेवोफ्लॉक्सासिन और पाइरोडोक्सिन नामक दवाएं सरकारी आपूर्ति में नहीं आ रही हैं। जिले में यह दवाएं 14 अक्तूबर से पूरी तरह से खत्म हैं। तीन माह से इन दवाओं का संकट हुआ है। नियमानुसार एमडीआर के मरीजों को बीमारी से मुक्ति के लिए लगातार दो साल तक दवा खानी होती है।

मरीज बोले

-एमडीआर टीबी के रोगी को प्रतिदिन दवा लेनी होती है। एक भी दिन छूटने पर नए सिरे से दवा शुरू करनी पड़ती है। अस्पताल में दवाएं पूरी नहीं मिल रही। मेडिकल स्टोर से महंगे दामों पर नाममात्र की दवाएं मिल रही हैं।

काम करके घर जा रहे श्रमिक से लूटी बाइक

उन्नाव। काम करके बाइक से घर जा रहे श्रमिक से अटवा गांव स्थित एक ढाबा के पास लुटेरों ने मारपीट कर बाइक लूट ली। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की है। कोतवाली क्षेत्र के जमालनगर गैर एहतेमाली के मजरा रामपुर निवासी कैलाश पाल (49) मौजूदा समय में उन्नाव में सपरिवार रहकर मजदूरी करता है। मंगलवार को वह फतेहपुर चौरासी थानाक्षेत्र के सर्वोदय विद्यालय में हो रहे निर्माण में मजदूरी करने गया था। देर शाम वहीं से घर लौट रहा था। उन्नाव-हरदोई मार्ग से वह कुछ दूर ही चला होगा कि उसने पुलिस को बाइक लूट की सूचना दी। लूट की सूचना पर कोतवाल फोर्स के साथ पहुंचे और जांच की।

पीड़ित कैलाश ने बताया कि अटवा गांव समीप दो बाइक से तीन लोग पीछे से आए और रुकवाने के बाद गुमराह किया और बाइक लूटकर भाग निकले। कोतवाल श्यामनारायण सिंह ने बताया कि पीड़ित ने बाइक लूटने की शिकायत दर्ज कराई है। रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

मेडिकल स्टोर पर बेच रहे सर्जिकल ग्लव्स-यूरो बैग, मास्क व सिरिंज, चोरों का गिरोह सक्रिय

वाराणसी। बीएचयू अस्पताल की इमरजेंसी, ओपीडी और वार्डों में बिचौलियों की सक्रियता से चोरी की घटनाएं बढ़ी हैं। प्रॉक्टोरियल बोर्ड ने कुछ आरोपियों को चिन्ह्त किया। तस्वीर भी जारी की, लेकिन घटनाओं पर अंकुश नहीं लगा सका। प्रॉक्टोरियल बोर्ड की टीम ने सुपरस्पेशियलिटी ब्लॉक स्थित गैस्ट्रोलॉजी वार्ड से मंगलवार को सर्जिकल ग्लब्स सहित अन्य सामानों को चोरी करने वाले एक व्यक्ति को पकड़ा। बीएचयू अस्पताल में मेडिकल उपकरण चुराने का गिरोह सक्रिय है। इसके सदस्य अस्पताल के वार्डों में घुसकर ऑक्सीजन में लगने वाले उपकरण, ईसीजी जेल, सर्जिकल ग्लव्स और यूरोबैग चुराकर लंका क्षेत्र के निजी मेडिकल स्टोर पर बेचते हैं। गिरोह का एक सदस्य पकड़ा भी गया है। वह कपड़े में छुपाकर हजारों रुपये का मेडिकल उपकरण बेचने जा रहा था। सुरक्षाकर्मियों की मौजूदगी में आरोपी ने एक-एक करके मेडिकल उपकरण कपड़े से बाहर निकाले। पूछताछ में सदस्य ने बड़े गिरोह के सक्रिय होने की जानकारी दी। अब सीसी कैमरे के साथ ही सुरक्षाकर्मियों ने निगरानी बढ़ाई है। मामले की सूचना लंका थाने की पुलिस को भी दी गई है।

बीएचयू अस्पताल की इमरजेंसी, ओपीडी और वार्डों में बिचौलियों की सक्रियता से चोरी की घटनाएं बढ़ी हैं। प्रॉक्टोरियल बोर्ड ने कुछ आरोपियों को चिन्ह्त किया। तस्वीर भी जारी की, लेकिन घटनाओं पर अंकुश नहीं लगा सका। प्रॉक्टोरियल बोर्ड की टीम ने सुपरस्पेशियलिटी ब्लॉक स्थित गैस्ट्रोलॉजी वार्ड से मंगलवार को सर्जिकल ग्लब्स सहित अन्य सामानों को चोरी करने वाले एक व्यक्ति को पकड़ा। पूछताछ में व्यक्ति ने अपना नाम संतोष तिवारी बताया। वह मूल रूप से बिहार के रोहतास का रहने वाला है। उसने बताया कि वह बरेका के पास रहता है। लंका स्थित मेडिकल स्टोर पर सामान बेचने जा रहा था। इससे पहले चोरी करके सामान बेच चुका है। मेडिकल स्टोर संचालक सस्ते में मेडिकल उपकरण खरीदते हैं, फिर महंगे दाम पर बेचते हैं। इस संबंध में लंका इंस्पेक्टर अश्विनी पांडेय ने बताया कि बीएचयू प्रशासन ने सूचना दी है। आरोपी से पूछताछ करके जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

शरीर के हर हिस्से से निकला सामान

प्रॉक्टोरियल बोर्ड के सुरक्षाकर्मियों ने संतोष तिवारी नाम के जिस व्यक्ति को पकड़ा, उसके पास से कई सामान बरामद किए गए। पहले तो संतोष ने चोरी न करने की बात कही, जब सुरक्षाकर्मियों ने कड़ाई की तो बताया कि कपड़ों में रखकर चोरी का सामान बाहर आते हैं। उसने न केवल गैस्ट्रोलॉजी के वार्ड से सामान चुराने की बात कबूली बल्कि सुरक्षाकर्मियों के सामने एक-एक कर उसने शरीर में अलग-अलग जगह पर छिपाकर रखे ईसीजी जेल, यूरो बैग, मास्क, सीरिंज सहित अन्य सामानों को निकालना शुरू किया तो हर कोई चौंक गया। उसने यह भी बताया कि यहां से निकलकर वह सीधे लंका स्थित मेडिकल स्टोर पर जाकर उन सामानों को बेच देता है।

व्यवस्था पर सवाल

सुपरस्पेशियलिटी ब्लॉक के वार्डों से जिस तरह सामान चोरी करके मेडिकल स्टोर पर बेचे जा रहे हैं, उससे व्यवस्था पर सवाल खड़ा हो रहा है। सामान स्वास्थ्यकर्मियों की निगरानी में रहते हैं। इसका प्रयोग डॉक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ करते हैं।--

चोरी के सामान के साथ आरोपी युवक को दबोचा गया है। इसकी सूचना लंका थाने की पुलिस को दी गई है। निगरानी बढ़ाने की जिम्मेदारी सुरक्षाकर्मियों को दी गई है। - प्रो. शिव प्रकाश सिंह, चीफ प्रॉक्टर, बीएचयू

प्रधान पति पर जानलेवा हमले की रिपोर्ट दर्ज

उन्नाव। जमीन के विवाद में ममेरे भाई ने प्रधान के पति पर हॉकी से हमला करने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़ित के अनुसार जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। इस पर पहले उस पर तमंचे से फायर किया, फायर मिस होने से वह बच गया तो हॉकी से पीटा। पीड़िता की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है। कोतवाली क्षेत्र के तूरी राजासाहब मोहल्ला निवासी जयचंद्र कुशवाहा ने बताया कि ग्राम प्रधान गुड़िया के पति राजेश कुशवाहा से उसका जमीन का विवाद चल रहा है। जयचंद्र के मुताबिक बुधवार सुबह करीब छह बजे वह गांव के बाहर गया था।

तभी गांव के पास ही प्रधान गुड़िया के पति राजेश कुशवाहा ने हत्या करने के उद्देश्य से तमंचे से फायर कर दिया। फायर मिस होने पर उसने हॉकी से हमलाकर घायल कर दिया। परिजनों को आता देख मरणासन्न अवस्था में छोड़कर भाग गया। परिजन उसे सीएचसी लेकर आए। वहां से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। कोतवाल सुरेश सिंह ने बताया प्रधान का पति अपने ननिहाल में रहता है। इससे ममेरे भाइयों से विवाद चला करता है। तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

अद्भुत है काशी का ये मंदिर

साल में एक बार ही मिलते हैं काले हनुमान जी के दर्शन, इस दिन खुलेंगे मंदिर के कपाट

वाराणसी। मंदिर में केवल हनुमानजी की मूर्ति ही खास नहीं है बल्कि इसकी लोकमान्यताएं भी अचरज में डालती हैं। कहा जाता है कि रामनगर किले के दक्षिणी छोर पर विराजमान श्यामवर्ण हनुमान जी की प्रतिमा पूरे विश्व में अनूठी है। रामनगर दुर्ग में दक्षिण दिशा की ओर स्थित श्यामवर्ण दक्षिणमुखी हनुमान जी के मंदिर का पट आम श्रद्धालुओं के लिए वर्ष में एक बार ही खोला जाता है। इस बार 27 अक्तूबर को मंदिर आम श्रद्धालुओं के लिए खोला जाएगा। साल में एक बार भोर की आरती वाले दिन श्यामवर्ण हनुमान जी के दर्शन का पुण्य लाभ मिलता है। मंदिर में केवल हनुमानजी की मूर्ति ही खास नहीं है बल्कि इसकी लोकमान्यताएं भी अचरज में डालती हैं। कहा जाता है कि रामनगर किले के दक्षिणी छोर पर विराजमान श्यामवर्ण हनुमान जी की प्रतिमा पूरे विश्व में अनूठी है। मान्यता है कि किले के भीतर खोदाई के दौरान मिली इस प्रतिमा को सैकड़ों साल पहले काशीराज परिवार ने किले के ही दक्षिणी छोर में मंदिर निर्माण करके प्रतिस्थापित कराया था। मान्यता है कि इस प्रतिमा का संबंध त्रेतायुग में श्रीराम रावण युद्धकाल से है। रामेश्वरम में लंका जाने के लिए जब भगवान राम समुद्र से रास्ता मांग रहे थे उस समय समुद्र ने पहले तो उन्हें रास्ता नहीं दिया। इस पर कुपित होकर श्रीराम ने बाण से समुद्र को सुखा देने की चेतावनी दी। इससे भयभीत होकर प्रकट हुए समुद्र ने श्रीराम से माफी मांगी और अनुनय विनय किया। इसके बाद श्रीराम ने प्रत्यंचा पर चढ़ चुके उस बाण को पश्चिम दिशा की ओर छोड़ दिया। इसी समय बाण के तेज से धरतीवासियों पर कोई मुसीबत न आए, इसके लिए हनुमान जी घुटने के बल बैठ गए, जिससे धरती को डोलने से रोका जा सके।

श्रीराम के बाण के कारण हनुमान जी की पूरी देह झुलस गई, जिसके कारण उनका रंग काला पड़ गया। इस मंदिर में प्रतिस्थापित हनुमान जी की प्रतिमा भी श्यामवर्ण में ही है। यह मूर्ति रामनगर किले में जमीन के अंदर कैसे आई, ये किसी को ज्ञात नहीं है।

भोर की आरती कल

रामलीला में बृहस्पतिवार को राज्याभिषेक प्रसंग की झांकी सजेगी। इसके अगले दिन 27 अक्तूबर की भोर राज्याभिषेक की आरती की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

कलश संग्रहण समारोह में दिलायी गयी पंचप्रण की शपथ

बहराइच। आजादी का अमृत महोत्सव अन्तर्गत ''मेरी माटी मेरा देश-अमृत कलश यात्रा'' के अन्तर्गत इन्दिरा गांधी स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित कलश संग्रहण समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि सांसद बहराइच अक्षयवर लाल गोंड ने एमएलसी डॉ. प्रज्ञा त्रिपाठी, विधायक सदर श्रीमती अनुपमा जायसवाल, बलहा की श्रीमती सरोज सोनकर, नानपारा के राम निवास वर्मा, भाजपा जिला अध्यक्ष बृजेश पाण्डेय, पूर्व भाजपा अध्यक्ष श्यामकरन टेकड़ीवाल, जिलाधिकारी मोनिका रानी, पुलिस अधीक्षक प्रशांत वर्मा, मुख्य विकास अधिकारी रम्या आर. व अन्य अतिथियों के साथ मौजूद लोगों को पंचप्रण की शपथ दिलायी तथा स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी आश्रितों को पुष्पगुच्छ व अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। समारोह के अन्त में बास्केटबाल कोर्ट के निकट पौधरोपण भी किया गया।

नवोदय विद्यालय में प्रवेश हेतु आमंत्रित किये गये आनलाइन आवेदन

बहराइच । जवाहर नवोदय विद्यालय कीर्तनपुर, बहराइच के प्रधानाचार्य मनोज कुमार पाण्डेय ने बताया कि में शिक्षण सत्र 2024-25 में कक्षा 09 व 11 में रिक्त स्थानों को भरने हेतु पात्र इच्छुक छात्र-छात्राएं निर्धारित वेबसाइट पर निःशुल्क आनलाइन आवेदन प्रारम्भ है। आनलाइन आवेदन की अन्तिम तिथि 31 अक्टूबर 2023 निर्धारित हैं। प्रधानाचार्य ने बताया कि आनलाइन आवेदन करने में किसी प्रकार की असुविधा होने पर सर्वेश कुमार के मो.न. 8299892286, राजा राम सिंह यादव के मो.न. 9415659778 अथवा सिपाही लाल के मो.न. 7905588930 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

प्रधानाचार्य श्री पाण्डेय ने बताया कि कक्षा 09 में प्रवेश हेतु जिले के ऐसे मूल निवासी छात्र-छात्राएं जो शिक्षण सत्र 2023-24 में किसी सरकारी विद्यालय/मान्यता प्राप्त विद्यालय में कक्षा 08 में अध्ययनरत हैं वेबसाइटhttps://cbseitms.nic.inw®wx/nvsi& पर आवेदन कर सकते हैं। छात्र-छात्राओं की जन्म तिथि 01 मई 2009 से 31 जुलाई 2011 तक होनी चाहिए। इसी प्रकार कक्षा 11 में प्रवेश हेतु जिले के ऐसे मूल निवासी छात्र-छात्राएं जो शिक्षण सत्र 2023-24 में किसी सरकारी विद्यालय/मान्यता प्राप्त विद्यालय में कक्षा 10 में अध्ययनरत हैं वेबसाइटhttps://cbseitms.nic.inw®wx/nvsi& पर आवेदन कर सकते हैं। छात्र-छात्राओं की जन्म तिथि 01 जून 2007 से 31 जुलाई 2009 तक होनी चाहिए। श्री पाण्डेय ने बताया कि आयु का प्रतिबन्ध एस.सी./एस.टी./ओ.बी.सी. श्रेणियों सहित सभी श्रेणियों के उम्मीदवारों पर लागू होगा।

बालिका से दुष्कर्म करने के दोषी को 20 साल की कैद

सोनीपत। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुरुचि अतरेजा सिंह की अदालत ने बालिका से दुष्कर्म के दोषी को 20 साल कैद की सजा सुनाई है। साथ ही 80 हजार रुपये जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना राशि में से 50 हजार रुपये पीड़िता को देने के आदेश किए गए हैं। मूलरूप से बिहार व घटना के समय गन्नौर निवासी एक व्यक्ति ने 31 मार्च, 2022 को गन्नौर थाना पुलिस को बताया था कि वह अपने परिवार सहित गन्नौर में झुग्गी बनाकर रह रहे हैं। उन्होंने बताया था कि एक माह पहले उनकी 13 वर्षीय साली बिहार से उनके पास आई थी। वह उनके साथ रह रही थी। 30 मार्च, 2022 की रात को सभी खाना खाकर सो गए थे। सुबह उठे तो उनकी साली लापता मिली थी। अपने स्तर पर पता करने पर जानकारी मिली थी कि मूलरूप से बिहार के जिला दरभंगा के गांव फरीदा व घटना के समय गन्नौर में एक पेट्रोल पंप के पास रहने वाला अजय मुखिया उनकी साली को बहकाकर ले गया है। इस पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया था। मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने बालिका को बरामद कर लिया था। पुलिस ने उसके कोर्ट में बयान दर्ज कराने के बाद मामले में दुष्कर्म की धारा जोड़ दी गई थी। तत्कालीन थाना प्रभारी इंस्पेक्टर धीरज कुमार व तत्कालीन जांच अधिकारी एसआई राजेश की टीम ने आरोपी अजय मुखिया को गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस ने आरोपी को साथ ले जाकर दुष्कर्म करने स्थान की निशानदेही करा ली थी। अब मामले में सुनवाई के बाद एएसजे सुरुचि अतरेजा सिंह की अदालत ने आरोपी अजय मुखिया को दोषी करार दिया। अदालत ने दोषी को दुष्कर्म में 20 साल कैद व 50 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। जुर्माना राशि में से 50 हजार पीड़िता को देने के आदेश दिए हैं। साथ ही जुर्माना न देने पर ढाई साल अतिरिक्त कैद की सजा भुगतनी होगी।

23 वर्ष पूर्व हुए फैसले का पालन कराने से कोर्ट का इंकार

सुल्तानपुर। 26 वर्ष से किरायेदारी को लेकर चल रहे विवाद में 23 वर्ष पूर्व किरायेदार के पक्ष में हुई डिक्री का पालन कराने से कोर्ट ने इंकार कर दिया है। सिविल जज सीनियर डिवीजन बटेश्वर कुमार ने मकान मालिक की अर्जी स्वीकार कर किरायेदार की आपत्ति निस्तारित कर दी है। कोर्ट के आदेश से किरायेदार को झटका लगा है जबकि मकान मालिक को राहत मिल गई है। अधिवक्ता मो. अनीस खां के मुताबिक कोतवाली नगर के मेजरगंज मोहल्ले के निवासी मो. तकी के मकान में किराये पर कमरा लेकर रामजी बरनवाल ने गोदाम बनाया था। किरायेदारी को लेकर विवाद होने पर रामजी बरनवाल ने वर्ष 1997 में मो. तकी के खिलाफ कोर्ट में केस दायर किया था। 21 सितंबर 2000 को कोर्ट ने आदेश दिया था कि किरायेदार रामजी बरनवाल को न तो मकान से बेदखल किया जाए और न ही कोई तोड़-फोड़ की जाए। इसी आदेश का पालन कराने के लिए रामजी ने वर्ष 2019 में कोर्ट में अर्जी (इजराय) दाखिल की थी। इसका विरोध करते हुए मो. जफर उर्फ शाह फैसल ने कहा कि उनके दादा मो. तकी के जीवनकाल से रामजी बरनवाल बतौर किरायेदार रहे हैं। उनके अधिवक्ता मो. अनीस खां ने बताया कि सुनवाई के दौरान मो. तकी की मौत हो गई। मो. तकी के पुत्र मो. जुबेर से उनके हिस्से के मकान का रामजी बरनवाल ने बैनामा लिखवा लिखवा है। बैनामा लिखाने की जानकारी कोर्ट को नहीं दी गई। कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि इजराय वाद में बैनामा का जिक्र न करके इस तात्विक तथ्य को छिपाये रखा गया। इससे स्पष्ट है कि डिक्रीदार स्वच्छ हाथों से कोर्ट नहीं आया है। कोर्ट ने डिक्रीशुदा संपत्ति को निष्पादन के योग्य न मानते हुए आदेश का पालन कराने से इंकार कर दिया।

अपहरण के दोषी मां-बेटे को सात वर्ष की सजा

सुल्तानपुर। टीवी पर सीरियल दिखाने के बहाने आठ वर्षीय बालिका को घर ले जाकर गेहूं के ड्रम में बंद कर देने और रात होने पर बेचने के लिए ले जाने के दौरान पकड़े गए आरोपी मां-बेटे को बुधवार को कोर्ट ने दोषी करार दिया है। फास्ट ट्रैक कोर्ट प्रथम के न्यायाधीश अंकुर शर्मा ने दोनों आरोपियों को सात वर्ष के कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने आरोपियों पर 27 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है और इसमें से 25 हजार रुपये पीड़िता को देने का आदेश दिया है। धम्मौर थाने के नौगिरवा गांव निवासी मंशाराम गुप्ता की आठ वर्षीय पुत्री 29 जून 2011 को घर से लापता हो गई थी। परिजन दिनभर उसकी खोजबीन करते रहे लेकिन कोई पता नहीं चला। अंधेरा होने पर रात करीब आठ बजे गांव के करीब स्थित नहर के पास बालिका के चिल्लाने की आवाज पर परिजन व अन्य ग्रामीण पहुंचे तो गांव की ही मालती व उसका पुत्र इंद्रजीत के साथ बालिका मिल गई। बालिका को आरोपियों के कब्जे से मुक्त कराने के बाद ग्रामीणों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। पीड़ित बालिका ने बताया कि टीवी पर सीरियल दिखाने के बहाने उसे आरोपी मालती अपने घर ले गई थी। वहां पर दोनों आरोपियों ने उसे गेहूं के ड्रम में बंद कर दिया था। रात होने पर दोनों आरोपी बालिका को बेचने के लिए ले जा रहे थे। आरोपी मालती व उसके बेटे इंद्रजीत के खिलाफ अपहरण का केस दर्ज किया गया था।

फंदे पर लटकने से हुई थी मिंटू और हजरुन की मौत

अमरोहा। कोतवाली क्षेत्र के गांव रुखालू में मजदूर मिंटू और उसकी पत्नी हजरुन की मौत फंदे पर लटकाने से हुई थी। इसकी पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हुई है। दोनों शवों का पोस्टमार्टम डॉ. सुदीप गुप्ता, डॉ. रमाशंकर और डॉ. इमरान की तीन सदस्य टीम ने किया। इस दौरान पूरे पोस्टमार्टम की वीडियोग्राफी भी कराई गई। मिंटू हिंदू वर्ग से ताल्लुक रखता है, जबकि जहरुन मुस्लिम है। पोस्टमार्टम करने के बाद पुलिस ने मिंटू का हिंदू और हजरुन का मुस्लिम रीति रिवाज से अंतिम संस्कार कराया। तीन महीने पहले प्रेम विवाह करने वाले मिंटू और हजरुन ने आत्महत्या क्यों की पुलिस इसकी जांच में जुटी है। ये घटना मंगलवार को हुई थी। गांव में किसान खानचन्द के परिवार में पत्नी नन्ही के अलावा तीन बेटे हैं। नन्ही और उनके बेटे हरियाणा में मजदूरी करते थे। जबकि खानचन्द गांव में रहकर खेती बाड़ी करते हैं। हरियाणा में उनके बेटे मिंटू की मुलाकात महाराजगंज जनपद के चटिया टोला गांव निवासी हजरुन से हुई थी। जिसके बाद करीब तीन महीने पहले मिंटू हजरुन को शादी करके अपने गांव ले आया। दोनों ने प्रेम विवाह किया था। मंगलवार की सुबह खानचंद खेत पर गए थे। मिंटू और उसकी पत्नी हजरुन घर पर थे। शाम करीब पांच बजे खानचंद खेत से लौटे तो मिंटू और उसकी पत्नी के शव घर के कमरे में फंदे पर लटके हुए थे। मिंटू के मुंह से झाग आ रहे थे। हजरुन सामान्य अवस्था में थी। दंपती को फंदे पर लटकता देखकर खानचंद के होश उड़ गए।

वीर शहीदों के नमन व वीरों के वन्दन के बीच अमृत कलशों का हुआ स्वागत

सांसद बहराइच ने जिला स्तरीय कार्यक्रम का किया शुभारम्भ

त्रिगुट संवाददाता

बहराइच। आजादी का अमृत महोत्सव अन्तर्गत 'मेरी माटी मेरा देश' के तहत विकास खण्डों एवं नगर निकायों से अमृत कलश यात्रा जिला मुख्यालय पर पहुँचने के अवसर पर इन्दिरा गांधी स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित जिला स्तरीय भव्य कार्यक्रम का मुख्य अतिथि सांसद बहराइच अक्षयवर लाल गोंड ने एमएलसी डॉ. प्रज्ञा त्रिपाठी, विधायक सदर श्रीमती अनुपमा जायसवाल, बलहा की श्रीमती सरोज सोनकर, नानपारा के राम निवास वर्मा, भाजपा जिला अध्यक्ष बृजेश पाण्डेय, पूर्व भाजपा अध्यक्ष श्यामकरन टेकड़ीवाल, जिलाधिकारी मोनिका रानी, पुलिस अधीक्षक प्रशांत वर्मा, मुख्य विकास अधिकारी रम्या आर. व अन्य अतिथियों के साथ दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारम्भ किया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि सांसद श्री गोंड, विधायक बलहा श्रीमती सोनकर, विधायक नानपारा श्री वर्मा, पुलिस अधीक्षक श्री वर्मा व अन्य वक्ताओं ने देश के ज्ञात-अज्ञात अमर शहीदों को नमन व वीरों का वन्दन करते हुए कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव भारत की आजादी के 75 साल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित एक पुनीत माटी-वन्दनोत्सव है, जिसमें हम सभी के लिए अपनी विराट सांस्कृतिक विरासत से प्रगाढ़ रूप से रूबरू होने, उसकी भव्यता पर गर्व करने और ऐसे गर्वजनित रस में डूबकर उत्सवमय आनन्द लेने का स्वर्णिम अवसर प्रदान किया। हम सभी के लिए अपनी विराट सांस्कृतिक विरासत से प्रगाढ़ रूप से रूबरू होने, उसकी भव्यता पर गर्व करने और ऐसे गर्वजनित रस में डूबकर उत्सवमय आनन्द लेने का स्वर्णिम अवसर मिलना हम सभी के लिए सौभाग्य का क्षण है। समारोह के दौरान संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश की ओर से नामित सांस्कृतिक दलो जसबीर एण्ड ग्रुप व राजकुमारी एण्ड पार्टी तथा विकास खण्ड चित्तौरा, रिसिया, कैसरगंज एवं तेजवापुर की कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय की छात्राओं द्वारा राष्ट्रभक्तिपूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति एवं माटी गीतों ने मौजूद लोगों में देश प्रेम की भावना को जागृत करने में सफल रहा। इससे पूर्व जिलाधिकारी मोनिका रानी ने मेरी माटी मेरा देश के अन्तर्गत जनपद में संचालित की गई गतिविधियों की जानकारी प्रदान करते हेतु मौजूद अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर मौजूद अतिथियों एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले कलाकारों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अन्त में मुख्य विकास अधिकारी रम्या आर. ने सभी अतिथियों के प्रति आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक कवि संतोष सिंह ने किया। इस अवसर पर मुख्य राजस्व अधिकारी अवधेश कुमार मिश्र, नगर मजिस्ट्रेट शालिनी प्रभाकर, उप जिलाधिकारी मिहींपुरवा संजय कुमार, डीडीओ महेन्द्र कुमार पाण्डेय, डीपीआरओ राघवेन्द्र द्विवेदी, डीएसओ नरेन्द्र तिवारी, डीआईओएस नरेन्द्र देव, क्रीड़ाधिकारी गिरजा मिश्रा, जिला प्रोबेशन अधिकारी विनय कुमार सिंह, जिला पर्यटन सूचना अधिकारी मनीष श्रीवास्तव, पार्टी पदाधिकारी रणविजय सिंह, नन्हे लाल लोधी, मंजू शुक्ला सहित सहित अन्य पार्टी पदाधिकारी, नगर निकायों व क्षेत्र पंचायतों के प्रमुखगण, अन्य जनप्रतिनिधि, गणमान्य व संभ्रान्तजन, अधिकारी व कर्मचारी, समाजसेवी, मीडिया प्रतिनिधि, शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं तथा बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

जनपद में उपलब्ध हैं पर्याप्त मात्रा में गुणवत्ता युक्त बीज- जिला कृषि अधिकारी

रबी में अच्छे उत्पादन के लिए समय से बुआई करें किसान

बहराइच। जिला कृषि अधिकारी सतीश कुमार पाण्डेय द्वारा जानकारी दी गयी है कि रबी 2023-24 में बुआई के लिए जनपद में पर्याप्त मात्रा में गुणवत्ता युक्त बीजों की व्यवस्था करायी जा रही है। श्री पाण्डेय ने बताया कि कृषि विभाग के पास अब तक गेहूँ (एच.डी.-3226, 3086, डी.बी.डब्लू. 187, डब्लू.बी. 02, डी.बी.डब्लू.-222 व 303 प्रजाति का बीज 5717.00 कु., मसूर पीएल-99 व केएलएस 09 व 03 प्रजाति का बीज 50.34 कु., मटर आईपीएफडी-09-02 प्रजाति बीज 12.40 कु., राई/सरसो पी.पी.एस.-1 मात्रा 18.00 कु. व तोरिया (तपेश्वरी) का 29.40 कु. बीज कृषकों में बिक्री हेतु जनपद के राजकीय कृषि बीज भण्डारों पर उपलब्ध है। जिला कृषि अधिकारी श्री पाण्डेय ने बताया कि रबी 2023-24 के लिए गेहूँ प्रमाणित बीज के लिए रू. 4090=00 व आधारीय बीज के लिए रू. 4320=00, चना प्रमाणित बीज के लिए रू. 9108=00 व आधारीय बीज के लिए रू. 9670=00, मटर प्रमाणित बीज के लिए रू. 8415=00 व आधारीय बीज के लिए रू. 8740=00, मसूर प्रमाणित बीज के लिए रू. 10989=00 व आधारीय बीज के लिए रू. 11430=00, राई/सरसों प्रमाणित बीज के लिए रू. 12870=00 व आधारीय बीज के लिए रू. 13170=00 व तोरिया प्रमाणित बीज के लिए रू. 11440=00 व आधारीय बीज के लिए रू. 11740=00 प्रति कण्टल बिक्री दर निर्धारित की गयी है। उक्त बीज़ों की बिक्री पर अधिकतम 50 प्रतिशत का अनुदान अनुमन्य है। जिला कृषि अधिकारी द्वारा किसानों को सलाह दी गयी है कि अधिक पैदावार प्राप्त करने हेतु राजकीय कृषि बीज भण्डारों से गुणवत्तायुक्त बीज क्रय कर खेतों की बुआई करें। बुआई से पूर्व 5 ग्राम ट्राइकोडर्मा या 2 ग्राम कार्बन्डाजिम प्रति किग्रा. बीज के साथ मिलाकर बीज शोधन अवश्य करें। उन्होंने किसानों को यह भी सुझाव दिया है कि डीएपी के स्थान पर सिंगल सुपर फास्फेट व नैनो डीएसपी तथा यूरिया के स्थान पर सुपर गोल्ड(सल्फर कोटेड) यूरिया या नैनो यूरिया का प्रयोग करें ताकि मृदा स्वास्थ और उत्पादन पर कोई प्रभाव न पड़े। श्री पाण्डेय ने किसानों को सुझाव दिया है कि अच्छा उत्पादन प्राप्त करने के लिए गेहूँ की बुआई माह नम्बर में अवश्य कर दें।

31 अक्टूबर तक शत प्रतिशत ईकेवाईसी सुनिश्चित करायें कृषि विभाग-डीएम

त्रिगुट संवाददाता

बहराइच। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में जनपद के शत प्रतिशत पात्र कृषकों को ईकेवाईसी से आच्छादित कराये जाने के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट सभागार में कृषि विभाग के जनपदीय अधिकारियों एवं कृषि विभाग के न्याय पंचायत स्तर पर कार्यरत समस्त कर्मचारियों व बैंक प्रतिनिधियों के साथ आयोजित बैठक के दौरान जिलाधिकारी मोनिका रानी ने ईकेवाईसी तथा एनपीसीआई कार्यो की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। बैठक के दौरान उप निदेशक कृषि ने जिलाधिकारी को अवगत कराया कि जनपद में 01 लाख 40 हजार 320 किसानों का ईकेवाईसी, एनपीसीआई एवं लैण्ड सीडिंग का कार्य पेन्डिग था जिसमें से कुल ईकेवाईसी की संख्या 72 हजार 948 के सापेक्ष 31 हजार 718 ईकेवाईसी का कार्य सम्पादित कर लिया गया है।

जिलाधिकारी ने न्याय पंचायतवार तथा कर्मचारीवार ईकेवाईसी की समीक्षा करते हुए कम प्रगति करने वाले कार्मिकों को बिलम्बतम 31 अक्टूबर का समय देते हुए शत प्रतिशत ईकेवाईसी कराने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने बैठक में कठोर निर्देश देते हुए चेतावनी दी कि 31 अक्टूबर के बाद कम प्रगति वाले कर्मचारियों के विरुद्ध निलम्बन तथा बर्खाश्तगी की कार्रवाई सुनिश्चित करायी जायेगी। उन्होंनें ऐसे सभी कर्मचारी जिनका ईकेवाईसी 100 से अधिक लम्बित पाया गया है उनको कठोर चेतावनी निर्गत करने का निर्देश उप निदेशक कृषि टी.पी. शाही को दिया। जिलाधिकारी ने उपस्थित कर्मचारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि 31 अक्टूबर के बाद अर्थात 02 नवम्बर को पीएम किसान योजना में अच्छे कार्य करने वाले 20 कर्मचारियों को प्रशस्त्रि पत्र देकर सम्मानित किया जायेगा। वहीं दूसरी ओर खराब प्रगति वाले 20 कर्मचारियों को प्रतिकूल प्रविष्टि, नोटिस, निलम्बन आदि की कार्रवाई की जायेगी। कृषि विभाग के जनपद स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे प्रतिदिन खराब प्रगति वाले काार्मिको के ग्राम पंचायतों में जाकर शत प्रतिशत ईकेवाईसी कराने में अपेक्षित सहयोग देना सुनिश्चित करें। उप सम्भागीय कृषि प्रसार अधिकारियों को अपने-अपने उप सम्भागों में विशेष रूप से निगरानी करने के निर्देश दिये। उन्होंने कृषि विभाग के प्राविधिक सहायक ग्रुप-बी को निर्देश दिया कि 31 अक्टूबर 2023 तक अपने-अपने विकास खण्डों का ईकेवाईसी, आधार सीडींग, एनपीसीआई, कराना सुनिश्चित करें अन्यथा आपको पूर्ण रूप से जिम्मेदार मानते हुए कड़ी कार्रवाई की जायेगी।

जिलाधिकारी ने उप निदेशक कृषि को जनपद के अन्य विकास खण्डों सहित विशेष रूप से पयागपुर, विशेश्वरगंज में पीएम किसान योजना का निरीक्षण करने के निर्देश दिये।

जिलाधिकारी ने एलडीएम बहराइच को निर्देश दिया कि बैंकवार उपलब्ध कराये गये एनपीसीआई डाटा के सापेक्ष सभी बैंकों के माध्यम से शत प्रतिशत उपलब्धी सुनिश्चित करें तथा बैंक शाखाओं में खोले गये खातों को आधार से 31 अक्टूबर तक लिंक कराने की कार्यवाही कराना सुनिश्चित करें। प्रतिदिन बैंकवार मानीटरिंग करें। किसी भी दशा में किसी भी बैंक स्तर से कृषक हित के विरुद्ध की गयी लापरवाही को गम्भीरता से लिया जायेगा। बैठक के अन्त में उज्जवला योजना में लाभार्थियों के खातों में आधार लिंक की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी द्वारा डीएसओ, लीड बैंक प्रबन्धक व गैस एजेन्सियों के जिला प्रतिनिधियों को निर्देश दिये गये कि आधार लिंक कार्य की प्रतिदिन समीक्षा कर शत प्रतिशत लाभार्थियों का आधार फीडिंग सुनिश्चित कराये।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी रम्या आर. जिला कृषि अधिकारी सतीश कुमार पाण्डेय, जिला पूर्ति अधिकारी नरेन्द्र तिवारी, जिला कृषि रक्षा अधिकारी प्रियानन्दा, भूमि संरक्षण अधिकारी सौरभ वर्मा, उप सम्भागीय कृषि प्रसार अधिकारी उदयशंकर सिंह, शिविर कुमार वर्मा, सुधीर कुमार सहित पीएनबी, एसबीआई, एस बैंक, आर्यावर्त बैंक, यूसीबी बैंक व अन्य जनपद स्तरीय बैकों के अधिकारी एवं कृषि विभाग के समस्त क्षेत्रीय कर्मचारी अधिकारी उपस्थित रहे।

वाहन की टक्कर से दो युवकों की मौत, एक गंभीर

सुल्तानपुर। हलियापुर-कूरेभार मार्ग पर बाइक पर सवार तीन युवकों को किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। दो की मौके पर ही मौत हो गई जबकि गंभीर रूप से घायल एक युवक को कुमारगंज स्थित सौ शय्या अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसा बुधवार रात करीब दस बजे हुआ। हलियापुर राम निहाल मौर्य की बाइक से 20-22 साल के तीन युवक हलियापुर की ओर आ रहे थे। बल्दीराय थाना क्षेत्र के हंसुई मुकुंदपुर गांव के मोड़ के पास किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी जिससे वे बाइक समेत दूर जा गिरे। हादसे में दो युवकों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने घायलों को कुमारगंज स्थित सौ शय्या अस्पताल भेजा। इधर, मृतक युवकों की पहचान नहीं हो पाई। हालांकि बाइक नंबर से पता चला कि यह बाइक हलियापुर थाना क्षेत्र के हलियापुर गांव निवासी राम निहाल मौर्य पुत्र बच्चूलाल की है। थानाध्यक्ष अमरेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि रामनिहाल का 20 वर्षीय बेटा अखिलेश हलियापुर थाना क्षेत्र में डीह गांव के अपने दो रिश्तेदारों करम और रवि के साथ बाइक पर निकला था।

कम प्लेटलेट्स के कारण एक दिन में 20 मरीज भर्ती

सुल्तानपुर। वायरल बुखार का प्रकोप थमता नजर नहीं आ रहा है। मेडिकल कॉलेज में बेड खाली नहीं हैं, रोज 70-80 नए मरीज भर्ती किए जा रहे हैं। तीन दिन के सार्वजनिक अवकाश के बाद बुधवार को इमरजेंसी से वार्ड तक सभी बेड करीब-करीब भरे दिखे। वायरल बुखार के चलते शरीर में प्लेटलेट्स में कमी आ रही है। बुधवार को 1400 मरीजों ने पंजीयन करवाया। बीते 24 घंटे में 20 से अधिक मरीज तो ऐसे सामने आए हैं जिनका बुखार की वजह से प्लेटलेट्स काउंट बहुत नीचे पहुंच गया। इन सभी को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। हालांकि प्लेटलेट्स की मांग में पहले से कमी आई है लेकिन अभी भी 40-45 यूनिट प्लेटलेट्स की डिमांड रोजाना ब्लड बैंक में आ रही है। बुधवार को भी सुबह आठ बजे से ही पंजीकरण के लिए लोगों की लंबी कतारें लग गईं। पैथालॉजी काउंटर पर भी जांच रिपोर्ट के लिए लंबी लाइनें लग गई थीं। सीएमएस डॉ. एसके गोयल ने बताया कि मरीजों की संख्या फिलहाल कम नहीं हो रही है। भर्ती होने वालों की संख्या ज्यादा है। फिर भी बेड आदि के इंतजाम किसी तरह पूरे किए जा रहे हैं।

जांच के दबाव का असर अब पैथालॉजी में भी नजर आने लगा है। अस्पताल में भर्ती एक मरीज का ब्लड सैंपल लिया गया तो उस पर दूसरे मरीज का नाम लिख दिया गया। इस बात से नाराज बरौंसा कादीपुर निवासी मरीज इंद्रजीत सिंह और डॉक्टर में काफी नोकझोंक हो गई। इंद्रजीत का कहना था कि उनके ब्लड सैंपल में किसी दूसरे मरीज का नाम लिखा था। इससे सही रिपोर्ट कैसे आ सकती है? हालांकि डॉक्टर ने बताया कि इसमें उनका कोई रोल नहीं है। तब जाकर मरीज शांत हुआ। इस बारे में सीएमएस डॉ. एसके गोयल ने बताया कि उन्हें इस घटना की जानकारी नहीं मिली है। फिर भी वे चेक कराएंगे कि कहीं इस तरह की गलती न हो।

सीवर समस्या खत्म करने की तैयारी, 4.90 करोड़ होंगे खर्च

सोनीपत। शहर के पूर्वी क्षेत्र में वार्ड नंबर 1 से 14 तक सीवर व्यवस्था को दोबारा निजी हाथों में सौंपा जा रहा है। नगर निगम ने इसके लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है। 3 नवंबर तक ऑनलाइन टेंडर डाला जा सकेगा। इसके बाद टेंडर संबंधित एजेंसी को आवंटित कर दिया जाएगा, जिसके बाद एजेंसी के कर्मचारी सीवर व्यवस्था की देखरेख करेंगे। सीवर व्यवस्था की देखरेख करने वाली एजेंसी की जिम्मेदारी तय करने के लिए जुर्माना का भी प्रावधान किया गया है। सीवर समस्या का समाधान न होने पर जुर्माना लगाया जाएगा। शहर के पूर्वी क्षेत्र की कॉलोनियों में सीवर लाइन की सफाई के लिए 2.45-2.45 करोड़ रुपये के दो टेंडर लगाए हैं। एक टेंडर वार्ड नंबर 1 से 7 और दूसरा टेंडर वार्ड नंबर 8 से 14 में सीवर व्यवस्था संभालने के लिए लगाया गया है। ठेकेदार को एक साल तक निश्चित समय सीमा के अंतर्गत सीवरों की सफाई का कार्य करना होगा। 3 नवंबर तक एजेंसियां ऑनलाइन टेंडर डाल सकेंगी।

टेंडर आवंटित होने के बाद एजेंसी के कर्मचारी काम संभाल लेंगे।

ये है स्थिति -

- शहर में करीब 350 किलोमीटर की सीवर लाइन है।
- निगम के पास एक सुपर सकर मशीन है।
- हर दिन 15-20 शिकायत निगम में सीवर ओवरफ्लो की पहुंच रही हैं।
- 35 एमएलडी क्षमता का ट्रीटमेंट प्लांट राठधाना में और 25 एमएलडी का ककरोई रोड पर है।
- शहर 35 से 40 एमएलडी तक पानी बहा रहा है।

लापरवाही मिलने पर एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई

टेंडर में शर्त रखी गई है कि अगर तय समय में सीवर की सफाई का कार्य नहीं किया जाता है तो नगर निगम एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए स्वतंत्र होगी। ठेकेदार को हर समस्या का 24 घंटे में निपटान करना होगा। काम जितनी देरी से होगा उसके हिसाब से जुर्माना तय किया जाएगा। एजेंसी को इसके लिए आधुनिक मशीनों का प्रयोग करना होगा।

भाजपा जिला मंत्री पर फायरिंग के मामले में केस दर्ज

सुल्तानपुर। थाना क्षेत्र अखंडनगर के राहुलनगर बाजार में सोमवार रात भाजपा के जिला मंत्री पर हुई फायरिंग के मामले में पुलिस ने एक डिग्री कॉलेज के प्रबंधक पिता व उसके पुत्र समेत अज्ञात बाइक सवार के खिलाफ जानलेवा हमले का केस दर्ज किया है। हालांकि अभी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। अखंडनगर थाना क्षेत्र के कुंदाभैरोपुर गांव निवासी राजेश कुमार सिंह भाजपा के जिला मंत्री हैं। उनकी राहुलनगर बाजार में किराने की दुकान है। आरोप है कि सोमवार शाम जब वह दुकान पर थे। उसी समय उन पर कुछ लोगों ने उन पर गोली चला दी थी। घटना में वह बाल-बाल गच गए थे। उनकी तहरीर पर मंगलवार को अखंडनगर थाने में रतनपुर गांव निवासी राणा अजीत प्रताप सिंह, उनके बेटे अभिजीत सिंह व एक अन्य अज्ञात बाइक सवार के खिलाफ जानलेवा हमले का केस दर्ज किया है। राजेश कुमार सिंह की पत्नी कुंदाभैरोपुर गांव की प्रधान हैं। उनका आरोप है कि राणा अजीत प्रताप सिंह का उनके गांव में डिग्री व इंटर कॉलेज संचालित है। 12 अक्तूबर को राजेश एक मामले में अखंडनगर थाने पर गए थे। वहां राणा अजीत प्रताप सिंह व उनके बेटे ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी थी।

प्रभारी निरीक्षक रवि कुमार सिंह ने बताया कि जानलेवा हमले का केस दर्ज कर लिया गया है।

अर्जेंट वाद पर 30 अक्तूबर को सुनवाई

उन्नाव। शिवलिंग जैसी आकृति को आदि विश्वेश्वर बताते हुए उसके दर्शन-पूजन को लेकर दाखिल अर्जेंट वाद को स्थानांतरित किए जाने के आवेदन पर अब जिला जज डॉ. अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत में 30 अक्तूबर को सुनवाई होगी। ज्ञानवापी परिसर स्थित शिवलिंग जैसी आकृति को आदि विश्वेश्वर बताते हुए उसके दर्शन-पूजन को लेकर दाखिल अर्जेंट वाद को स्थानांतरित किए जाने के आवेदन पर अब जिला जज डॉ. अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत में 30 अक्तूबर को सुनवाई होगी। यह वाद शैलेंद्र योगीराज की तरफ से अधिवक्ता डॉ. एसके द्विवेदी बच्चा और भूपेंद्र सिंह ने दाखिल किया है। वाद में कहा गया है कि ज्ञानवापी में अधिवक्ता आयुक्त के सर्वे के दौरान मिले आदि विश्वेश्वर की पूजा-अर्चना और राग-भोग का अधिकार दिया जाए।

शोक गोष्ठी आयोजित

करनैलगंज (गोंडा)। साहित्यिक संस्था बज़्मे शामे ग़ज़ल की एक शोक गोष्ठी अल्लामा अकबाल लाइब्रेरी बालूगंज में आयोजित हुई जिसकी अध्यक्षता हाजी रमज़ान राईनी ने की। संचालन करते हुए याक़ूब सिद्दीकी ने शोक प्रस्ताव प्रस्तुत किया। महामंत्री मुजीब सिद्दीकी ने प्रख्यात समालोचक डॉक्टर प्रोफेसर शारिब रूदौलवी के निधन को उर्दू साहित्य की अपूर्णीय क्षति बताया। साथ ही हज़रत बाबा शहीद मर्द के सज्जादा नशीन मौलाना मोहम्मद असदुल बक़ा बक़ाई छन्नू मियाँ कफ़ीली, देंवा शरीफ के सज्जादा नशीन खाकी शाह वारसी, मरसियागो शायर राजा साहब महमूदाबाद अमीर मोहम्मद खाँ व जामिया अशरफिया मुबारकपुर के उस्ताद रहे मौलाना मक़बूल अहमद मिस्बाही के निधन पर भी श्रद्धा सुमन अर्पित किया। इन के अलावा सेवानिवृत्त कैप्टन जटाशंकर मिश्रा, सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक रियासत अली व राधेश्याम त्रिवेदी और शायर अनीस ख़ाँ आरफी के खालाजाद भाई युवा सद्दाम हुसैन खाँ के निधन पर भी संस्था की ओर से गहरा शोक व्यक्त किया गया। गोष्ठी में रफीउल्लाह अंसारी, गणेश तिवारी नेश, हाजी शब्बीर सबनम, हाजी जहीर वारसी, नियाज अहमद कमर, डॉक्टर असलम हाशमी, क़य्यूम सिद्दीकी, हरीश शुक्ला, कारी मासूम रजा, सूफ़ी शब्बीर अहमद शाद, इसरारुल हक़ शाह लल्लू मियाँ, मेराजुल हक़ गुड्डू मियाँ, साबिर अली गुड्डू, निजामुद्दीन बक़ाई, आफाक सिद्दीकी, अल्ताफ हुसैन राईनी, रौनक अली कफ़ीली, गुलाम हुसैन कफीली, मौलाना उवैस कादरी, मुबीन मंसूरी, सगीर सिद्दीक़ी, यासीन राजू अंसारी, अहमद रज़ा रज्म, इमरान मसऊदी व फर्रुख सिद्दीकी आदि मौजूद रहे और शोक संवेदना व्यक्त किया।

श्री अन्न मिलेट्स के प्रचार-प्रसार हेतु रोड शो कार्यक्रम का हुआ आयोजन

सांसद बहराइच ने जनप्रतिनिधियों के साथ प्रचार वाहन तथा रोड शो को किया रवाना

बहराइच। जनपद में श्री अन्न मिलेट्स के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार के अतिरिक्त उ.प्र. सरकार द्वारा विभिन्न माध्यमों से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। इस कड़ी में कृषि विभाग बहराइच की ओर से श्री अन्न मिलेट्स का व्यापक प्रचार-प्रसार कराने के दृष्टिगत इन्दिरा स्टेडियम बहराइच से मा. सांसद अक्षयबर लाल गोड ने एमएलसी डॉ प्रज्ञा त्रिपाठी, सदर विधायक अनुपमा जायसवाल, विधायक नानपारा राम निवास वर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष बृजेश पाण्डेय, जिलाधिकारी मोनिका रानी, सीडीओ रम्या आर., उप निदेशक कृषि टी.पी. शाही, जिला कृषि अधिकारी सतीश कुमार पाण्डेय, भूमि संरक्षण अधिकारी सौरभ वर्मा, उप सम्भागीय कृषि प्रसार अधिकारी उदयशंकर सिंह, शिविर कुमार वर्मा, सुधीर कुमार मिश्रा द्वारा हरी झण्डी दिखाकर श्री अन्न मिलेट्स प्रचार वाहन तथा रोड शो कार्यक्रम को रवाना किया गया। इस अवसर पर मीडिया कर्मियों से वार्ता करते हुए मा. सांसद महोदय द्वारा कहा गया कि श्री अन्न को अपनाने तथा इसका उत्पादन जनपद के किसानों के माध्यम से अधिक से अधिक क्षेत्रफल आच्छादित कराने में उप निदेशक कृषि टी.पी. शाही की सराहना की। उप निदेशक कृषि ने रोड शो के दौरान मीडिया कर्मियों को बताया कि जनपद में श्री अन्न के उत्पादन को बढ़ावा देने के अन्तर्गत जनपद के किसानों में कोदो, सांवा, ज्वार, बाजरा के बीज मिनी किट्स जनपद के प्रगतिशील किसानों तथा कृषक उत्पादक संगठनों के माध्यम से वितरित कराये गये है। जिसका उत्पादन अच्छा होगा। जनपद के सभी कृषि विभाग के क्षेत्रीय कर्मचारियों, अधिकारियों द्वारा रोड शो में प्रतिभाग करते हुए लोगों को श्री अन्न के फायदे तथा इससे मानव स्वास्थ्य पर पड़ रहे अनुकूल प्रभाव की जानकारी लोगों को दी। रोड शो में शामिल प्रगतिशील कृषक लालता प्रसाद गुप्ता द्वारा 50 महिला किसानों के साथ रोड शो में प्रतिभाग करते हुए जिले के किसानों को श्री अन्न अपनाने की सलाह दी।

त्रिगुट
शनिवार 28 अक्टूबर 2023

कांग्रेस और भाजपा में अपनों की बगावत का भय

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। टिकट वितरण के साथ ही भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस की चिंता बढ़ाना शुरू हो गई है। इस बार परायों से कम अपनों से ज्यादा डर लग रहा है। यह डर इतना बढ़ गया है, कि उन्हें सूझ ही नहीं रहा है, कि क्या किया जाए। दोनों राजनीतिक दलों में टिकट वितरण के बाद घमासान मचा हुआ है। 25 से 30 सीटों पर अपनों की बगावत का सामना कांग्रेस और भाजपा दोनों को करना पड़ रहा है। राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना में इस बार सबसे ज्यादा परेशानी भारतीय जनता पार्टी को होती हुई नजर आ रही है। केडर बेस पार्टी होने के कारण अभी तक भारतीय जनता पार्टी को बगावत का सामना नहीं करना पड़ता था। इस बार भारतीय जनता पार्टी में ही बड़ी बगावत होती हुई दिखी है। इससे भाजपा की चिंताएं बढ़ गई है। दोनों ही राजनीतिक दलों के पार्टी कार्यालयों में लगातार विरोध के स्वर काफी उग्र होते हुए दिख रहे हैं। जिसके कारण वरिष्ठ नेताओं के माथे पर चिंता की सलवटे देखने को मिल रही है। दूसरों से तो लड़ा जा सकता है, लेकिन अपनों से ही किस तरीके से लड़ा जाए, यह समझ पाना वरिष्ठ नेताओं के लिए मुश्किल होता जा रहा है। दोनों ही राजनीतिक दलों के टिकटार्थी अभी नहीं तो कभी नहीं की तर्ज पर मानने के लिए तैयार नहीं है। टिकट नहीं मिलने पर अन्य राजनीतिक दल का टिकट लेकर या निर्दलीय के रुप में खड़े होकर सीधे-सीधे चुनौती देते हुए नजर आ रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी ने इस बार विधानसभा के चुनाव में सांसदों को भी मैदान में उतारा हैं। जिन उम्मीदवारों को पिछले चुनाव में टिकट नहीं दी थी। जो नेता उम्र दराज हो गए थे। उन्हें भी इस बार टिकट देनी पड़ी। इसके बाद भी भाजपा चिंता कम होने के स्थान पर बढ़ती ही जा रही है। जिस परिवारवाद को लेकर भारतीय जनता पार्टी, कांग्रेस को घेर रही थी। भाजपा को भी अब परिवार में टिकट देने मजबूर होना पड़ा। डैमेज कंट्रोल करने के लिए बड़े-बड़े नेताओं की सेवाएं ली गई, लेकिन उसके बाद भी डैमेज कंट्रोल होने के स्थान पर बगावत और बढ़ती जा रही है। जो चिंता का कारण है। सबसे बड़े आश्चर्य की बात यह है कि भारतीय जनता पार्टी में अब संघ के प्रचारकों का भी वह प्रभाव देखने को नहीं मिल रहा है, जो पहले कभी होता था। संघ के पदाधिकारी बगावत को रोकने के लिए सक्रिय हैं। लेकिन बगावत रुकने का नाम ही नहीं ले रही है। इस बार अपने विरोधी से लड़ने से ज्यादा महत्वपूर्ण अपनों का मुकाबला किस तरह से किया जाए। घर की लड़ाई में बाहर वाले को फायदा होता हुआ दिख रहा है। इसके बाद भी इसको रोक पाना दोनों ही राजनीतिक दलों के लिए संभव नहीं हो पा रहा है। जिसके कारण चिंता बड़ती ही जा रही है। कांग्रेस को अपने पार्टी के बगावती उम्मीदवारों से परेशानी हो रही है। वहीं सपा, आम आदमी पार्टी और जदयू से भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कांग्रेस के पक्ष में अच्छी हवा चलती हुई दिख रही थी। लेकिन जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहे हैं। कांग्रेस ने मध्य प्रदेश में सहयोगी दलों के साथ मात्र 11 सीटों का समझौता नहीं करके, मध्य प्रदेश की लगभग 50 से 60 सीटों में अपने लिए गड्ढा खोदने का काम किया है। बहरहाल पहली बार कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी दोनों को ही अपनों से लड़ना पड़ रहा है। अपनों से लड़कर जीत जाएंगे, तो परायों से जीतना संभव होगा। विशेष रूप से अनुशासन वाली पार्टी भारतीय जनता पार्टी की जो स्थिति है। उसने संघ को भी चिंता में डाल दिया है। भाजपा के एक राष्ट्रीय महासचिव पहले ही कह चुके हैं भाजपा ही भाजपा को ही हरा सकती है। यह स्थिति अब स्पष्ट नजर आ रही है।

क्यों कहते हैं विष्णु भगवान को नारायण

भगवान विष्णु के हजारों नाम हैं। इनमें एक प्रमुख नाम है नारायण। फिल्मों, टीवी सीरियल या रामलीला में आपने देखा होगा कि नारद मुनि भगवान विष्णु को नारायण नाम से पुकारते हैं। इस नाम का धार्मिक रूप से बड़ा महत्व है। इस एक नाम में सृष्टि का संपूर्ण सार छिपा हुआ है। इसलिए शास्त्रों में अधिकांश स्थानों पर विष्णु भगवान को नारायण नाम से संबोधित किया गया है। हिन्दू धर्म में अठारह पुराणों का वर्णन मिलता है। इन अठारह पुराणों में विष्णु पुराण एक है। इस पुराण में सृष्टि की रचना का वर्णन किया गया है। इसी प्रम में बताया गया है किस प्रकार विष्णु भगवान ने वाराह रूप धारण करके पृथ्वी को रसातल यानी पाताल लोक से उठाकर जल के मध्य में स्थित किया। इसके बाद ब्रह्मा जी ने सत्व, रज और तम गुणों से असुर, देव, राक्षस, यक्ष, मनुष्य, सर्प एवं अन्य जीव-जन्तुओं की रचना की। विष्णु पुराण में बताया गया है कि सृष्टि के समाप्ति के समय सब कुछ जल में समा जाता है और संपूर्ण ब्रह्माण्ड अंधकारमय हो जाता है। भगवान विष्णु चिर निद्रा में जल में शयन करते हैं। देवताओं का दिन आरंभ होने पर भगवान विष्णु फिर से सृष्टि की रचना करते हैं और ब्रह्मा एवं शिव की उत्पत्ति उन्हीं से होती है। भगवान विष्णु प्रथम नर रूप में व्यक्त होते हैं। इसलिए शापा में इन्हें आदिपुरूष कहा गया है। आदि पुरूष विष्णु का निवास यानी आयन नार यानी जल है इसलिए भगवान विष्णु को नारायण नाम से संबोधित किया जाता हैं।

मिशन शक्ति अभियान के जरिये उत्तर प्रदेश में महिलाओं के सशक्तिकरण में जुटी है योगी सरकार

मृत्युंजय दीक्षित

केंद्र सरकार की अति महत्वाकांक्षी योजना हर घर नल से जल योजना का लाभ गरीब महिलाओं का मिल रहा है जिन्हें काफी दूर से जल लाना पड़ता था। आज प्रदेश में तीन तलाक पीड़ित मुस्लिम महिलाओं को भी उनके भरण पोषण के लिए पेंशन दी जा रही है। नारी सुरक्षा तथा नारी सम्मान को बढ़ावा देने एवं स्त्रियों को आत्मनिर्भर व सशक्त बनाने के उद्देश्य से प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में नवरात्रि के पावन अवसर पर विगत तीन वर्षों से मिशन शक्ति का आयोजन किया जाता रहा है। इस नवरात्रि पर योगी सरकार ने मिशन शक्ति अभियान के चतुर्थ चरण का श्रीगणेश किया। प्रत्येक की भांति प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी नवरात्रि में नौ दिनों का व्रत रखते हैं और गोरखनाथ पीठ में परम्परानुसार कन्या पूजन करते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ न केवल कन्या पूजन करते हैं वरन प्रदेश की बेटियों का जीवन सुरक्षित, समृद्ध और सशक्त बनाने के लिए भी वह संकल्पवान हैं। योगी जी की इच्छा है कि मां दुर्गा के नौ रूपों के अनुरूप ही प्रदेश की बेटियां का जीवन भी हो और उन्हें पर्याप्त आदर व सम्मान मिले।

योगी सरकार के मिशन शक्ति अभियान और उनके द्वारा की जा रही कन्या पूजन के कारण प्रदेश का विपक्ष भी दबाव का अनुभव कर रहा है और इसी दबाव को कम करने के लिए कांग्रेस पार्टी ने भी नरम हिंदुत्व का नकली चोला ओढ़कर कन्या पूजन करवाने का फैसला लिया है। भारतीय जनता पार्टी की सरकार द्वारा महिलाओं व बेटियां के लिए चलाये जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों की सफलता से प्रेरित होकर कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने पिछले चुनावों में 卐मैं लड़की हूं लड़ सकती हूं卐 का नारा भी दिया था किंतु कथनी और करनी के विरोधाभासों के चलते यह नारा बुरी तरह विफल रहा। संसद व विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने वाले नारी शक्ति वंदन अधिनियम-2023 के पारित हो जाने के बाद अब भाजपा ने हर विधानसभा क्षेत्र में बड़ा सम्मेलन करने की योजना बनाई है वही मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं व बेटियों के लिए केंद्र व प्रदेश सरकार की ओर से चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का प्रसार करने का अभियान भी चलाया जा रहा है। योगी सरकार आने के बाद प्रदेश में महिलाओं व बेटियों की सुरक्षा के लिए विविध योजनायें प्रारम्भ की गई हैं और उनका सुचारु संचालन भी किया जा रहा है। सरकार की विभिन्न योजनाओं का परिणाम है कि आज प्रदेश में महिलाओं की आय पहले से अधिक हो गई है। विगत वित्त वर्ष में जुलाई से सितंबर के मध्य ग्रामीण महिलाओं की आय 8,936 रुपये थी जा अप्रैल से जून 23 के बीच 20 हजार से अधिक हो गई है। केंद्र सरकार के पीरियोडिक लेबर फोर्स सर्वे में उत्तर प्रदेश में महिलाओं की आय में लगातार वृद्धि हो रही है। ग्रामीण महिला श्रम बल भागीदारी दर के अनुसार वर्ष 2018-19 में यह दर लगभग 20 प्रतिशत थी जो बढ़कर 2022-23 में यह दर 56 फीसदी तक पहुंच गई है।

मिशन शक्ति के चतुर्थ चरण में सरकार ग्रामीण और शहरी महिलाओं को विभिन्न योजनाओं के माध्यम से आजीविका गतिविधियों से जोड़ने पर ध्यान केन्द्रित कर रही है। मिशन के चतुर्थ चरण को महिला स्वास्थ के प्रति समर्पित किया गया है। इसमें महिलाओं को उनके स्वास्थ्य से सम्बंधित योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। 30 वर्ष से ऊपर की महिलाओं को मधुमेह, उच्च रक्तचाप, स्तन व सर्वाइकल कैंसर का निःशुल्क परामर्श दिया जा रहा है। प्रदेश की कुपोषित बालिकाओं के लिए विशिष्ट पोषण पुनर्वास केंद्र बनाने का भी फैसला लिया गया हे। योगी जी प्रदेश की बेटियों की सुरक्षा को लेकर बहुत ही सचेत तथा कठोर हैं। वे कई अवसरों पर स्पष्ट संदेश दे चुके हैं कि प्रदेश की सीमा के अंदर अगर कोई भी व्यक्ति हमारी बहिन बेटियो की सुरक्षा में किसी भी प्रकार से सेंध लगाने का प्रयास करेगा तो ऐसे तत्वों को अगले चौराहे पर यमराज प्रतीक्षा करता मिलेगा। योगी जी की चेतावनी का असर भी दिखाई पड़ा है। सरजू एक्सप्रेस में महिला पुलिसकर्मी से अभद्रता व छेड़छाड़ करने वाले बदमाशों का एनकाउंटर किया गया। बेटियों की सुरक्षा के लिए योगी सरकार ने पहली बार ही अपनी पहली ही बैठक में एंटी रोमियो स्कवायड का गठन किया था जिसकी तत्परता से अब तक सैंकड़ों शोहदों को दबोचा जा चुका है। एंटी रोमियो स्क्वायड शोहदों पर कहर बनकर टूटा है। लव जिहाद की शिकार बेटियां को बचाने के लिए भी पुलिस अब तत्परता से कार्यवाही कर रही है। योगी सरकार की ओर से प्रदेश की बेटियों महिलाओं और बुजुर्गों की सुरक्षित यात्रा के लिए परिवहन विभाग की सिटी बसों में सीसीटीवी कैमरे के संग पैनिक बटन भी लगाये जा रहे हैं। मिशन शक्ति अभियान का श्रीगणेश करते समय मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि मिशन शक्ति के कारण अपराधियों पर लगाम लगाने व उनको सजा दिलाने में सफलता मिली है। महिला आरक्षी दल को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 2020 में नारी सम्मान, सुरक्षा व स्वावलंबन को लेकर मिशन शक्ति अभियान की शुरुआत की गई थी। इसके तहत प्रदेश पुलिस में 20 प्रतिशत महिला कर्मियों की भर्ती को सुनिश्चित किया गया था। 1947 से लेकर 2017 तक यूपी पुलिस में महिला कार्मिक दस हजार के आसपास थीं जो अब बढ़कर 40 हजार हो गई हैं। योगी ने कहा कि अब महिला बीट गांव-गांव जाकर महिलाओं को जागरूक करने का भी काम करेंगी।

मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत प्रदेश भर में महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरुक करने का अभियान चलाया जा रहा है। बाल अधिकार सप्ताह, शक्ति संवाद, स्वावलंबन कैंप और मिशन कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है। प्रदेश में निराश्रित व विधवा महिलाओं को दी जा रही पेंशन का भी व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। प्रदेश में गरीब परिवारों की बेटियां का विवाह करवाया जा रहा है। वहीं प्रदेश की बेटियों को स्नातक तक की पढ़ाई के लिए 15 हजार रुपये की धनराशि सरकार की ओर से दी जा रही है। बेटियां की सुरक्षा के लिए जगह-जगह पिंक बूथ बनाये गये हैं। मुख्यमंत्री कन्या सुमंगलम योजना के लिए करोड़ों रुपये की व्यवस्था की जाती है। महिलाओं व बेटियों को ध्यान में रखते हुए रष्ट्रीय पोषण अभियान कार्यक्रम भी चलाया जा रहा है। स्कूल-कॉलेजों में बेटियों को स्वतः सुरक्षा के गुर भी सिखाये जा रहे हैं जैसे जूडो-कराटे आदि। कालेजों में बेटियां को सुरक्षित रहने के लिए उनके कानूनी अधिकारों के बारे में भी बताया जा रहा है। केंद्र सरकार की अति महत्वाकांक्षी योजना हर घर नल से जल योजना का लाभ गरीब महिलाओं का मिल रहा है जिन्हें काफी दूर से जल लाना पड़ता था। आज प्रदेश में तीन तलाक पीड़ित मुस्लिम महिलाओं को भी उनके भरण पोषण के लिए पेंशन दी जा रही है।

योगी जी के नेतृत्व में नए भारत का नया उत्तर प्रदेश सफलता की नई कहानी कह रहा है। प्रदेश की महिलाओं को अब सरकार की हर योजना का लाभ शत प्रतिशत पारदर्शी रूप से मिल रहा है। केंद्र की 卐बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत यूपी में 1.90 करोड़ बेटियों को जागरूक किया गया। मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत 8.99 करोड़ महिलाओं को जागरुक किया जा चुका है। प्रदेश में 1,89,014 आंगनबाड़ी केंद्र संचालित हैं और अब इन सभी केंद्रों में कुपोषण मिटाने के लिए निःशुल्क पका भोजन भी प्राप्त होने जा रहा है। प्रदेश में महिला कल्याण के लिए अब तक 10 लाख स्वयं सहायता समूह बनाये गये हैं और उनमें एक करोड़ महिलाओं को जोड़ा गया है। पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत दो लाख से अधिक महिलाएं लाभान्वित हो चुकी हैं। योगी सरकार आने के बाद प्रदेश में सरकारी नौकरियों में अब तक डेढ़ लाख से अधिक महिलाओं को नौकरी प्राप्त हो चुकी है। आज प्रदेश की बेटियां जीवन के हर क्षेत्र में सफलता की नई कहानियां गढ़ रही हैं। अभी एशियाई खेलों में भी प्रदेश की बेटी पारुल चौधरी ने स्वर्ण पदक जीतकर कीर्तिमान रचा। वहीं भारत के चंद्रयान की सफलता में लखनऊ की डॉ. रितु ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हमारे ग्रंथों में कहा गया है कि यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता卐 अर्थात जहां नारियों का सम्मान होता है वहां देवताओं का निवास होता है और आज यही कार्य प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कर रहे हैं। उप्र सरकार ने मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की आराधना के साथ मिशन शक्ति के रूप में सामाजिक संदेश का जो माध्यम चुना है उसका सकारात्मक प्रभाव दिख रहा है। आज प्रदेश की सभी महिलाएं व बेटियां अपने आपको सुरक्षित महसूस कर रही हैं और कह रही हैं कि यूपी में योगी जी है तो डर काहे का।

कांग्रेस आलाकमान पर हावी होती जा रही है कमलनाथ-दिग्विजय सिंह की जोड़ी

संतोष पाठक

विपक्षी गठबंधन में शामिल कई ऐसे दल हैं जिनके साथ कांग्रेस के रिश्ते कभी खट्टे कभी मीठे रहे हैं लेकिन भाजपा को हराने के नाम पर कांग्रेस ने इन सब दलों के साथ बैठना और सीटों को लेकर समझौता तक करना स्वीकार कर लिया है। अखिलेश यादव के प्रकरण ने एक बार फिर से यह साबित कर दिया है की मध्य प्रदेश के दो पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और दिग्विजय सिंह की जोड़ी कांग्रेस आलाकमान पर भारी पड़ती हुई नजर आ रही है। आगे बढ़ने से पहले आपको याद दिलाते हैं कि कमलनाथ और दिग्विजय सिंह की इसी जोड़ी के कारण राहुल गांधी के सबसे करीबी बल्कि बिना किसी अपॉइंटमेंट के राहुल गांधी से सीधे मिलने वाले ज्योतिरादित्य सिंधिया को भी कांग्रेस छोड़कर अपने समर्थक विधायकों के साथ भाजपा में जाने के लिए मजबूर होना पड़ा था। उस समय भी यही कहा गया था कि दिल्ली में राहुल गांधी जो कहते हैं या जो वादा करते हैं मध्य प्रदेश में उस समय के मुख्यमंत्री कमलनाथ और उनके जोड़ीदार दिग्विजय सिंह उसे अपने हिसाब से तोड़ मरोड़ कर अंजाम देते हैं।

अखिलेश यादव प्रकरण में भी कुछ-कुछ ऐसा ही होता नजर आ रहा है। 2024 के लोकसभा चुनाव में किसी भी कीमत पर नरेंद्र मोदी को हराकर प्रधानमंत्री पद से हटाने के लिए बेचैन कांग्रेस ने या यूं कहें कि कांग्रेस आलाकमान ने अपने तमाम मतभेदों को किनारे रखकर कई विपक्षी दलों के साथ बैठना स्वीकार किया। हालांकि कांग्रेस ने भाजपा को हराने के लिए विपक्षी एकता की शुरुआत इंडिया गठबंधन बनने से काफी पहले महाराष्ट्र में उस समय ही शुरू कर दी थी जब गांधी परिवार ने शरद पवार के कहने पर उस शिवसेना के सुप्रीमो उद्धव ठाकरे को मुख्यमंत्री बनाना स्वीकार कर लिया था जो शिवसेना कांग्रेस से ज्यादा सीधे कांग्रेस आलाकमान यानी गांधी परिवार पर हमला बोला करती थी। बाद में जब कांग्रेस के कहने पर नीतीश कुमार ने विपक्षी दलों को एकजुट करना शुरू किया तो अपने राज्य के नेताओं की मांगों, यहां तक कि लोकसभा में अपने नेता अधीर रंजन चौधरी की मांग को नजरअंदाज कर कांग्रेस आलाकमान ने बड़ा दिल दिखाते हुए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ बैठना भी मंजूर कर लिया जिन पर पश्चिम बंगाल के कांग्रेस के अपने नेता यह आरोप लगाते रहते हैं कि उनकी सरकार बंगाल में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की हत्या तक करवा रही है। गांधी परिवार ने आम आदमी पार्टी के उन मुखिया अरविंद केजरीवाल तक के साथ बैठना स्वीकार कर लिया जो केजरीवाल साहब अन्ना आंदोलन के समय गांधी परिवार को पानी पी-पीकर कोसा करते थे और जिनकी पार्टी ने पंजाब में न केवल कांग्रेस का सुपड़ा साफ कर उसे सत्ता से बाहर कर दिया, दिल्ली में कांग्रेस के अस्तित्व पर ही संकट खड़ा कर दिया बल्कि गुजरात में चुनाव लड़कर कांग्रेस को सबसे बड़ी हार के कगार पर पहुंचा दिया। केजरीवाल अब यहीं तक नहीं रुक रहे हैं बल्कि आने वाले पांच राज्यों के विधान सभा चुनाव में भी पूरे दम-खम के साथ चुनाव लड़ रहे हैं।

विपक्षी गठबंधन में शामिल कई ऐसे दल हैं जिनके साथ कांग्रेस के रिश्ते कभी खट्टे कभी मीठे रहे हैं लेकिन भाजपा को हराने के नाम पर कांग्रेस ने इन सब दलों के साथ बैठना और सीटों को लेकर समझौता तक करना स्वीकार कर लिया है। लेकिन कांग्रेस के दो पूर्व मुख्यमंत्रियों की जोड़ी ने समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव को नाराज कर विपक्षी गठबंधन के भविष्य पर एक बड़ा प्रश्न चिन्ह खड़ा कर दिया है। अखिलेश यादव दावा कर रहे हैं कि मध्य प्रदेश प्रदेश विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने सपा को 6 सीटें देने का वादा किया था लेकिन बाद में मुकर गई। इस बारे में जब कमलनाथ से सवाल पूछा गया तो वह बहुत ही हल्के अंदाज में यह कहते नजर आए की अरे भई, छोड़ो अखिलेश-वखिलेश। अब आप खुद सोचिए की एक ऐसी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जो जिनकी पार्टी सबसे ज्यादा ताकतवर उत्तर प्रदेश में है जहां से लोकसभा में 80 सांसद चुनकर आते हैं और जिनके साथ कांग्रेस एक बार गठबंधन करके चुनाव लड़ चुकी है। उस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के बारे में इस तरह की भाषा का इस्तेमाल करने का मतलब सीधा एक ही होता है कि आप अपने ही पार्टी के राष्ट्रीय आलाकमान की मेहनत पर पानी फेरते हुए नजर आ रहे हैं क्योंकि यहां इस बात को ध्यान रखना जरूरी है कि शुरुआत में अखिलेश यादव इस गठबंधन में शामिल नहीं होना चाहते थे लेकिन कांग्रेस के कहने पर नीतीश कुमार ने बार-बार अखिलेश यादव से संपर्क साधा और बहुत मुश्किल से अखिलेश यादव इस गठबंधन में शामिल होने के लिए तैयार हुए थे और ऐसे में मध्य प्रदेश में 6 या हो सकता है तीन या चार सीट देकर ही सपा को मनाया जा सकता था लेकिन जिस तरह का व्यवहार किया गया और उसके बाद जिस तरह की टिप्पणी की गई उसने दोनों दलों के बीच एक खटास पैदा कर दी है और अब सपा ने मध्य प्रदेश में 22 विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उम्मीदवार खड़े करके अपना तेवर दिखा दिया है और इसके साथ-साथ अखिलेश यादव ने यह भी कह दिया है कि कांग्रेस जिस तरह का व्यवहार सपा के साथ मध्य प्रदेश में कर रही है उसी तरह का व्यवहार सपा उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के साथ करेगी और जब लोकसभा चुनाव के समय उत्तर प्रदेश में सीटों के बंटवारे की बात होगी उस समय समाजवादी पार्टी सोचेगी कि उसे क्या करना है मतलब अखिलेश ने सीधे-सीधे कांग्रेस को धमकी दे दी है।

दिग्विजय सिंह कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव रह चुके हैं और उत्तर प्रदेश के प्रभारी भी रह चुके हैं। दिग्विजय सिंह को इस बात का बखूबी अहसास है की लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश के 80 लोकसभा सीटों की क्या भूमिका होती है और चुनाव हारने के बावजूद उत्तर प्रदेश में सपा का अपना एक वजूद है और सपा को नकार कर, उत्तर प्रदेश में मोदी सरकार के खिलाफ एक मजबूत विपक्षी गठबंधन खड़ा नहीं किया जा सकता है लेकिन आलाकमान की तमाम मेहनत पर उन्होंने कमलनाथ के साथ मिलकर एक तरह से पानी फेर दिया है और अब अगर अखिलेश इंडिया गठबंधन के साथ मिलकर अगले साल लोकसभा का चुनाव लड़ते भी है तो कई सवाल उनसे भी पूछे जाएंगे क्योंकि जैसा अखिलेश खुद कह चुके हैं कि भाजपा एक ऑर्गेनाइज्ड पार्टी है तो भाजपा ने यूपी कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार कमलनाथ और अखिलेश यादव के आपसी तकरार वाले बयानों को सोशल मीडिया पर घुमाना और फैलाना शुरू कर दिया है।

नेतृत्व की भूमिका में महिलाएं

विजय गर्ग

धार्मिक-आध्यात्मिक रूप से नवरात्र स्त्रीत्व की गरिमा, गौरव और शक्ति के आगे नतमस्तक होने का पर्व है। मातृ शक्ति की उपासना वाले भारतीय समाज में स्त्रयां सदा से ही शक्तिस्वरूपा कही जाती हैं। हमारे देश में महिलाओं के मन-जीवन से जुड़ी परिस्थितियाँ में बदलाव की गति भले धीमी हो, पर परिवर्तन सकारात्मक दिशा में ही हो रहा है। वस्तुतः महिला सशक्तीकरण की नीति भारत के संविधान में ही समाहित है। अनुच्छेद 14 महिलाओं के लिए समानता का अधिकार सुनिश्चित करता है। सुखद है कि सामुदायिक स्तर पर सशक्त महिलाओं के बढ़ते आंकड़े आधी आबादी के बढ़ती शक्ति और स्वीकार्यता पाते सामर्थ्य की पुष्टि भी करते हैं। हमारे देश में महिलाओं की कुल जनसंख्या लगभग 66.3 करोड़ है। इनमें से करीब 45 करोड़ महिलाओं की उम्र 15 से 64 वर्ष के बीच है। इनमें देश की श्रमशक्ति में प्रमुख भागीदारी रखने वाली युवतियां भी हैं और परीक्षाओं में अव्वल आने वाली बेटियां भी । राष्ट्रीय- अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतिस्पर्धाओं में मेडल बटोरने वाली लाड़लियां भी हैं और सैन्य मोर्चे पर डटी बेटियां भी ।

निश्चित रूप से महिलाओं की नेतृत्वकारी भूमिका को बल देने वाली विकास योजनाएं और नीतियां भी इस बदलाव की नींव को मजबूत बना रही हैं। वर्ष 1951 में देश की महिलाओं की साक्षरता दर नौ प्रतिशत के आसपास थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2021 में महिलाओं की साक्षरता दर 70.30 प्रतिशत रही। हाल के वर्षों में तो तकनीकी और विज्ञान के क्षेत्र में डिग्रियां लेने वाली बेटियों के आंकड़े भी तेजी से बढ़े हैं। हाईस्कूल और उसके बाद तक पढ़ने वाली लड़कियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। भारत में आज विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित में लड़कियों का नामांकन दर 43 प्रतिशत है। यह आंकड़ा अमेरिका, ब्रिटेन और जर्मनी जैसे विकसित देशों से भी अधिक है। दुनिया के दूसरे देशों में केवल पांच प्रतिशत पायलट ही महिलाएं हैं, वहीं हमारे यहां 15 प्रतिशत से अधिक पायलट महिलाएं हैं।

मृत्यु तक की झूठी ख़बर फैलाना अक्षम्य अपराध

डॉ श्रीगोपाल नारसन

उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरीश रावत की कार दशहरे की रात डिवाइडर से टकरा गई थी,जिसमे उन्हें,उनके गनर व चालक को मामूली चोटे आई,उन्होंने घटना के थोड़ी ही देर बाद अपने सकुशल होने के जानकारी भी दी लेकिन राजस्थान के एक समाचार चैनल ने बिना सच जाने उनकी मृत्यु की झूठी खबर प्रसारित कर न सिर्फ हरीश रावत व उनके परिवार को आहत किया बल्कि हरीश रावत को चाहने वालो को भी बुरी तरह आहत किया।यह पहला अवसर नही है जब किसी व्यक्ति की मौत की झूठी अफवाह फैलाई गई हो।स्वर कोकिला लता मंगेशकर जब जीवित थी और बीमार थी,तब उनकी मृत्यु की झूठी ख़बर कई चैनलों व प्रिंट मीडिया तक ने फैला दी थी।एक बार बिग बी अमिताभ बच्चन को लेकर भी मौत की झूठी ख़बर सुर्खियां बना दी गई थी।झूठी खबरों को फैलाकर हित साधने वाले आज से नही महाभारत काल से सक्रिय है।महाभारत में पांडवों को पता था कि युद्ध जीतने के लिए गुरु द्रोणाचार्य को मारना जरूरी है, इसलिए उन्होंने उनके बेटे अश्वत्थामा की मौत की झूठी खबर फैला दी थी।

द्रोणाचार्य ने जब युधिष्ठिर से अश्वत्थामा की मौत का सच पूछा, तो युधिष्ठिर ने कहा, अश्वत्थामा हतो नरो वा कुंजरो यानी अश्वत्थामा की मौत हुई, नर या हाथी पता नहीं।ये सुनकर द्रोणाचार्य ने हथियार त्याग दिए थे। जब युधिष्ठिर नरो वा कुंजरो बोल रहे थे, कृष्ण ने जानबूझकर शंख फूंका, ताकि द्रोणाचार्य तक आधी खबर पहुंचे।विंस्टन चर्चिल ने एक बार कहा था, युद्ध के समय सच इतना कीमती होता है कि उसे झूठ की चादर में छिपाना जरूरी है।दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान मित्र राष्ट्रों की सेनाओं ने ऑपरेशन मिंसमीट की योजना बनाई, जिसके तहत नाजियों को ये सोचने पर मजबूर किया गया कि सिसली की बजाय सार्डिनिया और ग्रीस पर हमला होगा।एक शव को सेना के अफसर की पोशाक पहनाकर उसके हाथों में फर्जी दस्तावेज थमाकर उसे स्पेन के नजदीक समंदर के किनारे फेंक दिया गया।उम्मीद थी ये गुप्त दस्तावेज जर्मनी के खुफिया विभाग तक पहुंचेंगे। सिसली को जीतने में इस ऑपरेशन की अहम भूमिका रही।इसी तरह दो युवाओं को पीट-पीटकर मारे जाने का एक फर्जी और भड़काऊ वीडियो सामने आने के बाद उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में दंगे भड़क गए थे।सन 2013 में मुजफ्फरनगर में हुए सांप्रदायिक दंगों के दौरान 50 लोगों की मौत हो गई थी और लगभग 50हजार लोगों को घर छोड़ पर जाना पड़ा था।वही सितंबर सन 1995 में दिल्ली में खबर फैली कि भगवान गणेश की मूर्ति दूध पीने लगी है।देखते ही देखते दिल्ली की लगभग 20 फीसदी जनता मूर्ति को दूध पिलाने के लिए सड़क पर थी।सन2001 में दिल्ली के कुछ इलाकों में मंकी मैन के लोगों पर हमला करने की खबरें आने लगीं थी, जिससे डर फैल गया था।पुलिस ने इस कथित मंकी मैन का स्केच तकबजारी कर दिया था, जिससे अफवाह को मजबूती मिलने लगी थी,लोगों ने कॉलोनियों में पहरा देना तक शुरू कर दिया।वहां के पुलिस सुपरिटेंडेंट राजीव रंजन ने उस अफवाह पर विराम लगाते हुए कहा, जांच में पता चला कि कोई मंकी मैन था ही नहीं,एक व्यक्ति की गिरफ्तारी के बाद अफवाह पर रोक लग गई थी।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब नोटबंदी की घोषणा की थी, उसके बाद से ही वॉट्सऐप पर झूठी खबरें आने लगीं, एक खबर के अनुसार 2,000 रुपये के नए नोटों में नैनो जीपीएस चिप लगे होने की बात कही गई थी।एक टीवी चैनल ने तो इस पर एक कार्यक्रम तक बना दिया और कहा, जीपीएस चिप की मदद से 2,000 रुपये का नोट जमीन के नीचे भी छिपाया गया हो, तो इसका पता चल जाएगा।एक बार उत्तर प्रदेश के अमरोहा में वॉट्सऐप पर नमक की कमी से संबंधित खबरें आने लगीं थी,अमरोहा के तत्कालीन अतिरिक्त पुलिस सुपरिटेंडेंट नरेंद्र प्रताप सिंह बताते हैं, चारों तरफ लोग परेशान थे. वो नमक खरीद कर जमा करने लगे थे। यह झूठी खबर रुहेलखंड, संभल और मुरादाबाद से फैलनी शुरू हो गई थी।

वो कहते हैं, हमने इस सिलसिले में एक शिकायत भी दर्ज की थी, लेकिन ये पता नहीं चल पाया कि इस खबर की शुरुआत किसने की थी।इसी प्रकार देश के प्रथम मतदाता श्याम शरण नेगी की मृत्यु की झूठी खबर सोशल मीडिया में काफी वायरल हुई थी।

China के फेंके हुए कर्ज के जाल में फँस कर इस बार Nepal हो गया कंगाल

नीरज कुमार दुबे

चीन नेपाल को अपने कर्ज के बोझ तले दबा चुका है और उसके कुछ क्षेत्रों को एक तरह से अपने कब्जे में भी ले चुका है। यही नहीं, चीन ने पोखरा एअरपोर्ट के जरिये नेपाल को करोड़ों डॉलर होने की आमदनी का ऐसा सपना दिखाया कि भारत का यह पड़ोसी देश उसके चंगुल में बुरी तरह फँस गया। चीन जब किसी को फँसाने की योजना बना ले तो उससे बच पाना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन होता है। चीन विभिन्न देशों को सब्जबाग दिखाने से पहले ऐसा मंत्रमुग्ध करता है कि उन्हें होश ही नहीं रहता कि वह ड्रैगन की चाल में फँसने जा रहे हैं। उदाहरण के लिए चीन वर्षों से पाकिस्तान को मदद देने के नाम पर उसकी जमीन और संसाधन लूट रहा है। हालत यह हो गयी है कि चीन का ब्याज चुकाते चुकाते पाकिस्तान कंगाल होने की कगार पर पहुँच गया है। यही हाल दक्षिण एशिया के कुछ और देशों का भी है। इनमें मालदीव, श्रीलंका और नेपाल प्रमुख हैं। मालदीव और श्रीलंका को तो भारत ने फिर भी किसी तरह बचा रखा है लेकिन नेपाल ने भारत की नहीं सुनने की ठान ली थी जिसका परिणाम वह अब भुगत रहा है।

हम आपको बता दें कि चीन नेपाल को अपने कर्ज के बोझ तले दबा चुका है और उसके कुछ क्षेत्रों को एक तरह से अपने कब्जे में भी ले चुका है। यही नहीं, चीन ने पोखरा एअरपोर्ट के जरिये नेपाल को करोड़ों डॉलर की आमदनी होने का ऐसा सपना दिखाया कि भारत का यह पड़ोसी देश उसके चंगुल में बुरी तरह फँस गया। हम आपको बता दें कि चीन ने अपनी कंपनियों को ठेका देकर नेपाल में पोखरा एअरपोर्ट का निर्माण करवाया और नेपाल को झांसा दिया कि इससे उनके देश में पर्यटन बढ़ेगा। चीन ने दावा किया था कि नेपाल के इस हवाई अड्डे पर 2025 तक करीब तीन लाख अंतरराष्ट्रीय यात्री आने लगेंगे। लेकिन हो गया इसका उल्टा। एक तो इस एअरपोर्ट को बनाने के लिए नेपाल ने चीन से 21 करोड़ 50 लाख डॉलर का जो कर्ज लिया था उसका ब्याज देना ही इस समय काठमांडू को भारी पड़ रहा है। दूसरा पोखरा एअरपोर्ट का जबसे उद्घाटन हुआ है तबसे यहां सिर्फ नेपाल के प्रधानमंत्री प्रचंड का ही विमान उतरा है। इसके अलावा इस साल के शुरू में इस हवाई अड्डे के पास एक विमान हादसे में कई लोगों के मारे जाने के बाद इसे भूतिया एअरपोर्ट कहा जाने लगा है। यही नहीं, चीन ने कहा था कि यहां लाखों अंतरराष्ट्रीय यात्री आयेंगे

लेकिन सच यह है कि यहां एक भी अंतरराष्ट्रीय एअरलाइन नहीं आती। ऐसे में यह एअरपोर्ट वीरान पड़ा हुआ है।

देखा जाये तो पोखरा एअरपोर्ट बनाकर नेपाल का भी ठीक वही हाल हो गया है जो पाकिस्तान का हुआ। हम आपको बता दें कि पाकिस्तान में ग्वादर के विकास के नाम पर चीन ने इस्लामाबाद पर अरबों डॉलर का कर्ज लाद दिया है। इस समय की हकीकत यह है कि चीन बीआरआई परियोजना के नाम पर पाकिस्तान को अपना आर्थिक गुलाम बना चुका है। दरअसल चीन पाकिस्तान के ग्वादर से लेकर अपने शिंजियांग प्रांत तक सीपीईसी कॉरिडोर बना रहा है। इस परियोजना में जो पैसा लगा है वह चीन ने पाकिस्तान को कर्ज के तौर पर दिया है। देखा जाये तो चीन ने भारत के पड़ोसी देशों को कर्ज बांटना इसलिए शुरू किया ताकि वह उन्हें अपने प्रभाव में लाकर इस इलाके में अपना प्रभुत्व कायम कर सके। शुरू में चीन से पैसा मिलने पर पाकिस्तान, नेपाल, श्रीलंका और मालदीव खुश तो बहुत हुए लेकिन चीन के उद्देश्य का पता चलते ही उनकी सारी खुशी गायब हो गयी। अब नेपाल गहरी चिंता में है क्योंकि चीन ने उसे सारा लोन वापस करने के लिए 2026 तक का समय दिया है लेकिन नेपाल के लिए जब अपना सामान्य खर्च चलाना ही मुश्किल हो रहा है तो वह ऐसे में महंगे कर्ज का ब्याज कहां से चुकायेगा? इसके अलावा चीन ने नेपाल के पोखरा एअरपोर्ट को भी अपने बीआरआई का हिस्सा बता कर नेपाल के होश उड़ा दिये हैं। देखना होगा कि भारत के पड़ोसी देशों के सर पर से चीन के कर्ज का भूत कब तक और कैसे उतर पाता है?

जाति के जंजाल से आखिर क्यों बाहर नहीं निकलना चाहता भारतीय समाज

बिहार के नेता बीपी मंडल ने इन तीनों गृह मंत्रियों को जातियों की गणना कराने की मांग करते हुए पत्र लिखे थे, पर किसी ने पटेल के निर्णय को पलटना उचित नहीं समझा। इसी संदर्भ में महात्मा गांधी के उस लेख का जिक्र किया जा सकता है, जो यंग इंडिया के 1 मई, 1930 के अंक में छपा था। इसमें गांधी जी ने लिखा है, मेरे, हमारे, अपनों के स्वराज में जाति और धर्म के आधार पर भेद का कोई स्थान नहीं हो सकता। स्वराज सबके लिए, सबके कल्याण के लिए होगा।

राकेश सैन

बापू की इस भावना का संविधान सभा ने भी ध्यान रखा। लेकिन आजादी के बाद जैसे-जैसे जातीय गोलबंदी की राजनीति तेज हुई, बापू के इन शब्दों का प्रभाव कम होने लगा। हर जाति अपने-अपने खांचे में और मजबूत होने का राजनीतिक ख्वाब देखने लगी। यह संयोग ही है कि जब देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है, तभी जातीय जनगणना के नाम पर जातिवादी राजनीति तेज हो गई है। ऐसे में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि ये जाति आखिर क्यों नहीं जाती? इसको लेकर हमारे स्वाधीनता सेनानी क्या सोचते थे। स्वाधीन भारत की पहली जनगणना 1951 में हुई। इससे पहले देश के पहले गृहमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल ने 1950 में स्पष्ट कहा था कि जातियों की गिनती नहीं होने जा रही है और भविष्य में कभी जातिगत जनगणना नहीं होगी। उनके बाद एचएम पटेल, वाईबी चव्हाण और ज्ञानी जैल सिंह केंद्रीय गृहमंत्री बने। बिहार के नेता बीपी मंडल ने इन तीनों गृह मंत्रियों को जातियों की गणना कराने की मांग करते हुए पत्र लिखे थे, पर किसी ने पटेल के निर्णय को पलटना उचित नहीं समझा। इसी संदर्भ में महात्मा गांधी के उस लेख का जिक्र किया जा सकता है, जो यंग इंडिया के 1 मई, 1930 के अंक में छपा था। इसमें गांधी जी ने लिखा है, मेरे, हमारे, अपनों के स्वराज में जाति और धर्म के आधार पर भेद का कोई स्थान नहीं हो सकता। स्वराज सबके लिए, सबके कल्याण के लिए होगा।

बापू की इस भावना का संविधान सभा ने भी ध्यान रखा। लेकिन आजादी के बाद जैसे-जैसे जातीय गोलबंदी की राजनीति तेज हुई, बापू के इन शब्दों का प्रभाव कम होने लगा। हर जाति अपने-अपने खांचे में और मजबूत होने का राजनीतिक ख्वाब देखने लगी। जातीय गोलबंदी की राजनीति को जाति आधारित जनगणना में अपनी राह दिखने लगी। आश्चर्य नहीं कि पिछड़े वर्गों की स्थिति पर 1980 में रिपोर्ट प्रस्तुत करने वाले बीपी मंडल ने भी यह मांग सामने रखी। यह बात और है कि तब के गृहमंत्री ज्ञानी जैल सिंह ने इसे नामंजूर कर दिया था। अंग्रेजों ने 1931 में जो जनगणना कराई, जिसका आधार जाति वैमनस्य फैलाना भी था। आजादी के बाद जब 1951 की जनगणना की तैयारियां हो रही थीं, तब भी जाति जनगणना की मांग उठी। लेकिन तत्कालीन गृहमंत्री सरदार पटेल ने इसे खारिज कर दिया। पटेल ने कहा था, जाति जनगणना देश के सामाजिक ताने-बाने को बिगाड़ सकती है। इसका समर्थन तत्कालीन प्रधानमंत्री नेहरू, डॉ. बीआर आंबेडकर और मौलाना आजाद ने भी किया। इसके पहले संविधान सभा की एक बहस में भी पटेल गांधी जी के विचारों के मुताबिक आगे बढ़ने की मंशा जताते हुए जाति आधारित आरक्षण की मांग को खारिज कर चुके थे। भारतीय स्वाधीनता आंदोलन सिर्फ राजनीतिक आंदोलन नहीं था। उसमें सामाजिक सुधार के भी मूल्य निहित थे। स्वतंत्रता सेनानियों ने जिस भावी भारत का सपना देखा, उसमें जातिवाद की गुंजाइश नहीं थी। संविधान और कानून के सामने सभी बराबर थे। हालांकि आजादी के बाद विशेषकर समाजवादी धारा की राजनीति जैसे-जैसे आगे बढ़ी, परोक्ष रूप से जातिवादी राजनीति को ही बढ़ावा देती रही। डॉक्टर लोहिया जाति तोड़ने की बात करते थे, लेकिन उनके अनुयायियों ने उनके नारे को सतही तौर पर स्वीकार किया। लोहिया मानते थे कि आर्थिक बराबरी होते ही जाति व्यवस्था खत्म तो होगी ही, सामाजिक बराबरी भी स्थापित हो जाएगी।

जब मंडल आयोग की सिफारिशें लागू हुईं तो जातीय राजनीति ने इसमें अपने लिए मौका देखा। हर जाति राजनीतिक अधिकार पाने के लिए अपने खोल को मजबूत करने में जुट गई। यह उलटबांसी ही है कि जिस जयप्रकाश आंदोलन से निकली गैर-कांग्रेसी सरकार ने मंडल आयोग गठित किया, उसी आंदोलन के दौरान जयप्रकाश नारायण के गांव सिताबदियारा में 1974 में हुई एक बैठक में जातिवादी व्यवस्था तोड़ने की दिशा में गंभीर प्रयास करने का प्रस्ताव पारित हुआ था। तब जयप्रकाश ने नारा दिया था, जाति छोड़ो, पवित्र धागा तोड़ो, इंसान को इंसान से जोड़ो। जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद इन प्रयासों में तेजी आनी चाहिए थी, लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। क्योंकि जाति तोड़ने की बात करने वाली राजनीति के अधिकांश अनुयायी जातियों की गोलबंदी में अपना भविष्य देख रहे थे। इसका आभास चंद्रशेखर को था, इसलिए उन्होंने जयप्रकाश से आशंका जताई थी कि आने वाले दिनों में आंदोलनकारी अपनी-अपनी जातियों के नेता के तौर पर पहचाने जाएंगे। जातीय गोलबंदी को और आक्रामक रूप बाबू कांशीराम ने दिया। उनका नारा था, जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी।

वर्तमान जातीय जनगणना की जिद्द भी इसी सोच का विस्तार है। इसके लिए तर्क दिया जाता है कि इससे सामाजिक न्याय मिलना संभव होगा। जबकि वास्तविकता यह है कि केंद्रीय सूची में पिछड़ी जातियों की कुल संख्या 2633 है। देश में जाति आधारित जनगणना होती है तो ये जातियां अपने-अपने खोल मजबूत करने में जुट जाएंगी क्योंकि इन सभी जातियों के नेताओं को अधिक से अधिक हिस्सेदारी की उम्मीद होगी। जातिगत लामबंदी के दौरान राष्ट्रीय एकता, सामाजिक समरसता, साम्प्रदायिक सौहार्द आदि आदर्श स्थिति का क्या होगा इसका अनुमान लगाना अधिक मुश्किल नहीं है। आश्चर्य की बात है कि नीतिश कुमार व लालू प्रसाद यादव जैसे लोहियावादी नेताओं के जातिवादी भोंपू में अब कांग्रेस के भी मिले-जुले स्वर सुनाई देते हैं, ये वही कांग्रेस है जिनके नेता गांधी जी, सरदार पटेल, पंडित जवाहर लाल नेहरू ने कभी जातिवादी जनगणना को खतरनाक बताया। कांग्रेस जैसे राष्ट्रीय दल की जातिवादी राजनीति देश व समाज के लिए घातक ही साबित होगी।

हर समस्या का समाधान है, बुजुर्गों के पास

डॉ राघवेंद्र शर्मा

आत्महत्या। एक डरावना, वीभत्स और घोर निराशा की पाराशकाष्ठाओं को तोड़ते हुए घटाघोप अंधकार में जीवन को मृत्यु में परिवर्तित कर देने वाला शब्द। इससे भी बढ़कर एक चिंतनीय शब्द, जो समाज के संवेदनशील व्यक्तियों को अब पहले की अपेक्षा ज्यादा, और ज्यादा विचलित करने लगा है। इसके पीछे का कारण यह है कि जैसे-जैसे दुनिया विकसित और आधुनिक हो रही है, आत्महत्या के मामले बढ़ते जा रहे हैं। यह कह पाना मुश्किल है कि आत्महत्या का शिकार किस उम्र अथवा वर्ग के लोग ज्यादा बन रहे हैं। वास्तविकता तो यह है कि अब कोई उम्र और वर्ग ऐसा बचा ही नहीं जो आत्महत्या के दंश से अछूता हो। बच्चे, किशोर, युवा अधेड़ और बुजुर्ग, हर उम्र के लोग मानो आत्महत्या के पथ पर चल पढ़ने को विवश दिखाई देते हैं। वर्ग की दृष्टि से देखें तो क्या गरीब, क्या अमीर और क्या मध्यम वर्गीय, हर श्रेणी के लोगों का नाम आत्महत्या से मरने वालों की सूची में दर्ज होता दिखाई देता है। एक प्रकार से आत्महत्या एक व्यापक और विनाशकारी महामारी का रूप अख्तियार करती जा रही है। इसके भयावह स्वरूप को इस बात से समझा जा सकता है कि अब साल की प्रत्येक 10 सितंबर को आत्महत्या विरोधी, निरोधी, रोकथाम आदि के नाम से एक दिवस निर्धारित किया जा चुका है। जिसके माध्यम से इन चिंताओं को आम लोगों के बीच जाहिर किया जाता है और उन विकल्पों की खोज होती है, जिनके माध्यम से लगातार संक्रामक रोग की तरह समाज में फैल रहे आत्महत्या के चलन को खत्म ना सही काम से कम अकुंशित तो किया ही जा सके। इन विचार विमर्शों में सबसे प्रमुख विषय होता है आत्महत्या क्यों अंतिम विकल्प के रूप में सामने आ खड़ी होती है। इसके कारण क्या हैं तथा इससे कैसे बचाव किया जा सकता है।

इन कवायदों में सबसे पहले बुजुर्गों का नाम सामने आता है। महसूस किया जाता है कि यही एक ऐसा वर्ग है जो बहुत जल्दी जिंदगी के सामने हथियार डालने हेतु विवस होता है और अंततः आत्महत्या को सारी समस्याओं का निराकरण मानकर उसे अपनाने का बेहद निष्ठुर निर्णय कर बैठता है। ऐसा क्यों होता है? आईए पहले इस पर विचार करते हैं। बुजुर्गियात दरअसल वह अवस्था है जब व्यक्ति अपने अधिपत्यों से निराश्रित होता हुआ पराभव और पराश्रित अवस्था की ओर अग्रसर होने लगता है। युवावस्था से अपने सामर्थ्य को साबित करता हुआ, अधेड़ अवस्था आते-आते व्यक्ति समाज और परिवार में एक मुखिया की भूमिका अपने लिए स्थापित कर चुका होता है अथवा आसपास का परिवेश उसे यह सम्मान स्वेच्छा से प्रदान कर चुका होता है। इसके बाद जब व्यक्ति का शरीर और हौसला थकने लगता है, तब तक वह स्थान और सम्मान भी हाथ से खिसकना शुरू हो जाता है जो उसने अपने पुरुषार्थ से कमाया होता है। उदाहरण के लिए- 60 और 70 साल की अवस्था पार करते-करते व्यक्ति अपने धंधे, रोजगार अथवा नौकरी से निवृत्ति की ओर बढ़ने लगता है। फल स्वरुप धन, संपदा और उनके साथ अधिकार भी व्यक्ति के हाथ से खिसकने शुरू हो जाते हैं। एक अवस्था ऐसी भी आती है जब बुजुर्गियत अपने को व्यक्ति के अस्तित्व पर पूरी तरह स्थापित कर चुकी होती है। सामाजिक अथवा पारिवारिक कार्यों के लिए उससे ली जाने वाली राय भी अब जरूरी चीज नहीं समझी जाती। तब व्यक्ति अवसाद ग्रस्त होकर अवसान की ओर अग्रसर हो पड़ता है। क्योंकि वह यह सहन ही नहीं कर पाता कि कल तक वह जिकी जरूरत हुआ करता था अब उसे खुद उन्ही परिजनों स्वजनों पर आश्रित होना पड़ रहा है। ऐसे में जब नई पीढ़ी की ओर से सकारात्मक सहयोग और अपनापन नहीं मिलता तब व्यक्ति शनैः शनैः ही सही, निराशा की चपेट में आने लगता है। तब बुजुर्ग हो चुके व्यक्ति को यह एहसास होने लगता है कि वह अपनी समस्त जिम्मेदारियां से निवृत हो चुका है। अब परिवार समाज को उसकी आवश्यकता नहीं है। उसके जीवित रहने अथवा मृत्यु को प्राप्त हो जाने से किसी को कोई फर्क नहीं पड़ता। बस यही वह अवस्था है जब व्यक्ति प्राकृतिक मृत्यु की प्रतीक्षा को छोड़कर आत्महत्या जैसे घातक निर्णय को अंगीकार कर लेता है। यह तब और ज्यादा होता है, जब बुजुर्ग हो चुके दंपति में से कोई एक अपने साथी का असमय साथ छोड़कर प्राकृतिक अथवा अप्राकृतिक मृत्यु को प्राप्त हो जाता है। क्योंकि वृद्धावस्था में एक पति पत्नी का रिश्ता ही ऐसा होता है जो हम उम्र होने की वजह से स्वाभाविक रूप से अथवा परिस्थिति बश साथ बना रहता है। जब यह जोड़ी टूटती है तो फिर जो बचा है वह अकेला होता है, भीड़ में अकेला। बस यही वह स्थिति है जो घातक तो है, किंतु टाली भी जा सकती है। बुजुर्गों के साथ अच्छे, सद्भाव पूर्ण और अपनेपन के व्यवहार से उक्त विषमता को हराया जा सकता है। यदि आत्महत्या जैसी विषम परिस्थितियों का समूल नाश करना है तो हम सबको बुजुर्गों का अकेलापन खत्म करना होगा। हमें उनकी सदैव आवश्यकता है, यह भाव बनाए रखना होगा। वह अभी भी हमारे मुखिया हैं, यह एहसास सर्वोत्तम साधन है आत्महत्या को अपने बुजुर्गों से दूर बनाए रखने का। यदि इन छोटी-छोटी एहतियातों से हम अपने सिर पर बुजुर्गों की स्नेहिल और संरक्षण स्वरूप छत को लंबे समय तक सुरक्षित बनाए रखने में सफल हो सकते हैं तो फिर इन्हें क्यों नहीं आजमाया जाना चाहिए!

बेसन और नींबू का छिलके से बनाएं फेस पैक

मिताली जैन

बेसन के साथ दूध और नींबू के छिलके का कॉम्बिनेशन आपकी स्किन को अधिक ब्राइटन करने में मदद करेगा। साथ ही साथ, इससे स्किन को हाइड्रेटेड रखने में भी मदद मिलेगी। इसके लिए आप एक कटोरी में ताजा कसा हुआ नींबू का छिलका या नींबू के छिलके का पाउडर, बेसन और कच्चा दूध डालकर मिक्स करें। नींबू का इस्तेमाल हम सभी अपनी किचन में करते हैं। लेकिन यह देखने में आता है कि हम इसके छिलके को यूं ही डस्टबिन में फेंक देते हैं। जबकि इसका छिलका भी बडे काम का है। अगर आप चाहें तो इसकी मदद से अपनी स्किन को पैम्पर कर सकते हैं और उसे ब्राइटन कर सकते हैं। नींबू में मौजूद विटामिन सी आपकी स्किन को ब्राइटन करने में मददगार है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि आप नींबू के छिलकों की मदद से अपनी स्किन को किस तरह ब्राइटन कर सकते हैं-

बेसन और नींबू का छिलके से बनाएं फेस पैक

बेसन के साथ दूध और नींबू के छिलके का कॉम्बिनेशन आपकी स्किन को अधिक ब्राइटन करने में मदद करेगा। साथ ही साथ, इससे स्किन को हाइड्रेटेड रखने में भी मदद मिलेगी। इसके लिए आप एक कटोरी में ताजा कसा हुआ नींबू का छिलका या नींबू के छिलके का पाउडर, बेसन और कच्चा दूध डालकर मिक्स करें। अब अपनी स्किन को क्लीन करके इस पेस्ट को अपने चेहरे पर लगाएं और 15 मिनट तक लगा रहने दें। अंत में, इसे पानी से धो लें।

नींबू के छिलके और गुलाब जल से बनाएं फेस पैक

यह एक ऐसा फेस पैक है, जो स्क्रब की तरह भी काम करता है। इसलिए, अगर आप अपनी स्किन को ब्राइटन करने के साथ-साथ डीप क्लीन करना चाहते हैं तो ऐसे में आप इस फेस पैक का इस्तेमाल करें। इसके लिए आप एक चम्मच ताजा कसा हुआ नींबू का छिलका और 2 बड़े चम्मच ओट्स लें। इससे पेस्ट बनाने के लिए इसमें गुलाब जल मिक्स करें। अब इस मिश्रण को अपने चेहरे पर लगाएं। करीबन 3-4 मिनट तक मसाज करें और फिर इसे 10 मिनट के लिए छोड़ दें। अंत में, पानी से अपने चेहरे को धो लें।

नींबू के छिलके और एलोवेरा जेल से बनाएं फेस पैक

यह एक ऐसा फेस पैक है, जो आपकी स्किन को हाइड्रेशन और नमी प्रदान करता है। इस पैक को बनाने के लिए आप एक बाउल में एक चम्मच ताजा कसा हुआ नींबू का छिलका या आधा चम्मच नींबू के छिलके का पाउडर लें। अब इसमें एक बड़ा चम्मच एलोवेरा जेल और एक चम्मच चंदन पाउडर मिलाएं। अब इस पेस्ट को अपनी स्किन पर लगाएं और 15-20 मिनट तक छोड़ दें। अंत में, गुनगुने पानी से चेहरा धो लें।

सवेंदनहीन समाज, बेरहम लोग?

नरेन्द्र भारती

आधुनिक समाज संवेदनहीन होता जा रहा है और समाज में रहने वाले लोग बेरहम होते जा रहे है। इंसानियत मर चुकी है आदमी की संवेदनाये मृतप्राय हो चुकी हैं।समाज के लोग इतने सवेदनहीन हो गए है कि सड़क हादसों में तडफते व सहायता मांगने वाले किसी घायल को बचाने के बजाए उसकी वीडियों बनाकर सोशल मीडिया व व्हाटसएप पर डालते है। प्रतिदिन दर्दनाक हादसे हो रहे है।पल भर मे ही वीडियों बन जाता है। प्रशासन को चाहिए कि ऐसे लोगों के खिलाफ कारवाई की जाए जो ऐसे अपराध कर रहे है।अगर ऐसे लोगों पर शिकंजा कसा जाए तो और लोग खुद ही सुधर जाएंगे। समझ नहीं आता कि लोग पता नहीं खुद को क्या समझते है।अगर दुघटना में उनका अपना तड़फ-तड़फ कर मर रहा होगा तब भी ऐसे लोग वीडियों बनाकर सोशल मीडिया में डालेगें। खून से लथपथ घायलों मृतकों के फोटो डालने वालो पर कारवाई की जानी चाहिए। यह प्रलय की आहट हैं। समय समय पर ऐसे मामले घटित हो रहे है कि आत्मा सिहर उठती है।अरे दुर्घटना में घायल लोगों की सहायता करो पुलिस व एम्बूलैंस को सूचित करो।मगर यह लोग तो सबसे पहले वीडियों बनाने में अपनी बहादुरी समझते है।दिल्ली में पिछले दिनों एक ऐसा ही मामला घटित हुआ था कि सड़क हादसे में घायल युवक मदद के लिए चिल्लाते रहे मगर लोग वीडियों बनाते रहे।ऐसे सवेंदनहीन लोगों को तब एहसास होगा जब उनके अपनों का ऐसा वीडियों देखेगें।बरसात के समय कुछ लोग पहाडियों के गिरने का वीडियों बनाते रहे जब एकदम उपर से पहाडी का मलवा गिरा तो बाल-बाल बच गए।अक्सर देखा गया है कि अगर दो लोग लड़ाई कर रहे है तो तीसरा वीडियों बना रहा है और एकदम वायरल कर रहा है।ऐसे लोगों के खिलाफ मानहानी का मुकदमा करना चाहिए जो ऐसे घिनौने कार्यो को अंजाम दे रहे है।समाज को ऐसे मामलो पर मंथन करना होगा ताकि भविष्य में ऐसे मामले रुक सकें। इस पर आत्ममंथन करना होगा। हर भारतीय को सवेदनशीलता के लिए तैयार करना होगा। सवेदनहीन व्यवस्था को सुधारना होगा। ताकि फिर कोई गरीब इलाज न मिलने के कारण बेमौत न मारे जा सके।समाज के बुद्धिजीवी लोगों को इन बढ़ रही संवेदनहीनता की घटनाओं पर एकजुट होकर इस पर मंथन करना होगा तभी इस पर रोक लग सकती है। इस घटना से सबक लेना चाहिए कि कल को ऐसा हादसा उनके साथ हो जाए तब क्या होगा। आज पता नहीं इंसान को क्या हो गया है कि अपनों के सिवाए उसे कोई नहीं सूझता कि किसी की सहायता करना कितना पुण्य का काम है मगर जब संवेदनाएं शून्य हो चुकी हो तो ऐसे मामले घटित होते है। ऐसे हादसों की पुनरावृति को रोकना होगा ताकि विश्व गुरु की साख को फिर कभी ऐसा बटटा न लग सके।ताकि और सवेदनहीन लोगों को सबक मिल सके।वीडियों बनाने में इतने माहिर बनते है कि कोई शूटिंग चल रही हो तडफ रहे घायल की वीडियों बनाने वालों पर शिंकजा कसना होगा।प्रशासन को ऐसे लोगों पर कारवाई करनी चाहिए जो घटनास्थल पर वीडियों बनाते है। घायलों की सहायता करनी चाहिए ताकि जीवन बच सके मानव जीवन दुर्लभ होता है। इंसानियत को जिदां रखना होगा। ताकि समाज में घटित इन हादसों पर विराम लग सके। है।इस घटनाओं से सबक लेना होगा और इंसानियत का ऐसा जनाजा नहीं निकलेगा।इंसानियत व मानवता ही सबसे बड़ा धर्म है। समाज में सुधार की गुजाइस है। अगर समाज में इंसानियत जिन्दा रहेगी तो फिर कभी ऐसे दर्दनाक प्रकरण नहीं होगें।

संक्षिप्त समाचार

कार की डिकी में डालकर व्यवसायी पुत्र के अपहरण, पुलिस ने दो आरोपियों को भेजा जेल

आगरा। यमुना एक्सप्रेसवे पर दौड़ती कार की डिकी में व्यवसायी के बेटे का अपहरण करके ले जाया जा रहा था। पुलिस को उसकी फास्टैग से लोकेशन मिली, जिसके बाद कार को पुलिस ने घेराबंद कर रोक लिया और व्यवसायी के बेटे को मुक्त कराया। आगरा के थाना खंदौली पुलिस ने फर्नीचर एवं इंटीरियर व्यवसायी आशीष अग्रवाल के बेटे ईशांत अग्रवाल (18) के अपहरण के आरोपियों को मंगलवार रात को फरीदाबाद पुलिस के सुपुर्द कर दिया। पुलिस दोनों को अपने साथ ले गई। बुधवार को उनको जेल भेज दिया। सैनिक कॉलोनी, फरीदाबाद निवासी आशीष अग्रवाल व्यवसायी हैं। उन्होंने बेटे ईशांत को कार से नोएडा भेजा था। उन्होंने गाड़ी चलाने के लिए मैनपुरी के किशनी निवासी चालक आकाश यादव को बुलाया था। उसने रास्ते में साथी आशीष यादव की मदद से ईशांत का अपहरण कर लिया। वह उसे मैनपुरी ले जा रहा था। मगर, यमुना एक्सप्रेसवे पर टोल टैक्स कटने का मोबाइल फोन पर फास्टैग मैसेज देखकर व्यवसायी ने पुलिस को फोन कर घटना की जानकारी दी। इसके बाद खंदौली टोल प्लाजा पर कार को रोक लिया गया था। ईशांत को डिकी से बरामद किया गया। आरोपी आकाश और आशीष यादव को पकड़ लिया गया। एसएचओ खंदौली नीरज कुमार ने बताया कि रात में हरियाणा पुलिस पहुंच गई थी। कानूनी प्रक्रिया के बाद दोनों आरोपी अपहर्ता उनके सुपुर्द कर दिए। दोनों आरोपियों को फरीदाबाद पुलिस ने जेल भेज दिया है।

यूपीः ऐसा चोरों का गिरोह जिसमें एक महिला भी.

आगरा। आगरा के थाना हरीपर्वत के घटिया आजम खां में सराफ के घर हुई चोरी की वारदात को जिस गिरोह ने अंजाम दिया था, उसके सदस्यों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस गिरोह में एक महिला भी शामिल है, जिनसे 650 ग्राम सोना व अन्य सामान बरामद हुआ है। आगरा के थाना हरीपर्वत पुलिस ने महिला के साथ मिलकर लूट व चोरी की घटनाओं को अंजाम देने वाले गैंग के चार बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। कुछ दिन पहले घटिया निवासी सराफ के घर से करीब 45 लाख रुपये के जेवरात चुराकर ले गए थे। पुलिस ने उनके कब्जे से 640 ग्राम पीली धातु, 320 ग्राम सफेद धातु के साथ 10 हजार रुपये नकद बरामद किए। डीसीपी सिटी सूरज राय ने बताया कि 30 सितंबर को पीड़ित सराफ ने हरीपर्वत थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की पहचान कर मंगलवार को आईएसबीटी के पास से हरीपर्वत थाना क्षेत्र के मोहल्ला नखासा निवासी रजनीकांत उर्फ चंडी, राहुल उर्फ पप्पू, खटीक पाड़ा निवासी आशू और महिला सहित चार को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी रजनीकांत ने बताया कि वह कुछ दिन पहले ही जेल से छूटकर आया था। उसके घर से एक किमी दूरी पर स्थित बंद मकान की रेकी के बाद साथियों और महिला सहित 25 सितंबर की रात चोरी की घटना को अंजाम दिया। बताया कि वह मथुरा की महिला को इसलिए साथ रखते थे कि रात के समय अगर पुलिस पकड़ ले तो महिला को अपनी सास बताकर निकल जाते थे। महिला के साथ जाने पर कॉलोनियों में भी कोई शक नहीं करता।

निवेशकों का दीवाली से पहले निकला दिवाला, तीन दिन में डूबे 800 करोड़

अलीगढ़। हमास-इजराइल युद्ध के चलते पिछले कई दिन से बाजार में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। मगर पिछले तीन दिन में जिस गति से गिरावट दर्ज की गई है और निफ्टी में जिस तरह से उच्चतम ग्यारह सौ अंक की गिरावट हुई है। उसने सभी को चौंका दिया है। लगातार नई ऊंचाई बनाने वाले भारतीय शेयर बाजार में हमास-इजराइल युद्ध के बाद लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। जिसमें 25 अक्तूबर को रिकार्ड गिरावट से अकेले अलीगढ़ में आठ सौ करोड़ के नुकसान का अनुमान शेयर बाजार में लगाया जा रहा है। जिससे निवेशक बेहद निराश हैं और सलाह देने वाले ट्रेडरों के प्रति उनकी नाराजगी लगातार देखने को मिल रही है। हालांकि ट्रेडर धैर्य की सलाह के अलावा कुछ नहीं दे पा रहे। इस युद्ध के चलते पिछले कई दिन से बाजार में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। मगर पिछले तीन दिन में जिस गति से गिरावट दर्ज की गई है और निफ्टी में जिस तरह से उच्चतम ग्यारह सौ अंक की गिरावट हुई है। उसने सभी को चौंका दिया है। बाजार पर असर के आधार पर ही अपने जिले में पिछले तीन दिन में यानि सोमवार से बुधवार तक निवेशकों के आठ सौ करोड़ रुपये डूबने का अनुमान है। इसे लेकर सलाहकारों का यही कहना है कि इन हालात में धैर्य रखा जाए। क्योंकि जिस तरह से 2008 की आर्थिक मंदी, 2020 में कोरोना, फिर रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद बाजार ने बहुत ही तेजी से वापसी की है। ऐसे लेकर भी सलाहकार धैर्य की सलाह दे रहे हैं। रिटेल निवेशक चुनिंदा शेयरों में सावधानीपूर्वक खरीदी कर सकते हैं। बाजार में धैर्य के साथ खरीद फरोख्त करना ही उचित है। पुराने इतिहास के आधार पर बाजार सुधरेगा, मगर इसमें कुछ वक्त लग सकता है।-राजीव सिंह, को फाउंडर, केश्री वेल्थ क्यूरेटर

ग्राम सचिव-कार्यालयों के नहीं लगाने पड़ेंगे चक्कर,ऑनलाइन मिलेगी परिवार रजिस्टर की नकल

अलीगढ़। परिवार रजिस्टर को ऑनलाइन करने के लिए तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। ब्लॉक स्तर से यह कार्य पूरा होगा। परिवार रजिस्टर को ऑनलाइन करने से पहले इनकी जांच होगी और कब से कब तक का डाटा ऑनलाइन करना है इसकी पूरी गाइड लाइन शासन से जारी होगी। परिवार रजिस्टर की नकल के लिए अब ग्रामीणों को ग्राम सचिव एवं सरकारी कार्यालयों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। शासन स्तर से अब खसरा, घरौनी-खतौनी के बाद परिवार रजिस्टर का भी डिजिटलाइजेशन होगा। अब जन सुविधा केंद्र से परिवार रजिस्टर की नकल मिलेगी। डिजिटलाइजेशन से पहले परिवार रजिस्टर का सत्यापन होगा, ताकि त्रुटियों को सुधारा जा सके। इसमें नाम, पता एवं उम्र के साथ जाति-धर्म, साक्षर-निरक्षर जैसे सभी 12 कॉलम में सूचनाएं दर्ज करना अनिवार्य होगा। जिनमें क्रमांक संख्या, मकान नंबर, परिवार के प्रमुख का नाम, परिवार के सदस्यों का नाम, जाति, धर्म, पिता, पति का नाम, जन्म तिथि, साक्षर-निरक्षर सहित अन्य तमाम जानकारियां होती हैं। अभी तक परिवार रजिस्टर केवल ग्राम पंचायतों में है और इसकी फोटो कॉपी सचिव द्वारा दी जाती है। डीपीआरओ धनंजय जायसवाल ने बताया कि परिवार रजिस्टर को ऑनलाइन करने के लिए तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। ब्लॉक स्तर से यह कार्य पूरा होगा। परिवार रजिस्टर को ऑनलाइन करने से पहले इनकी जांच होगी और कब से कब तक का डाटा ऑनलाइन करना है इसकी पूरी गाइड लाइन शासन से जारी होगी। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायतों में जो परिवार रजिस्टर रखे हुए हैं उन सभी को एकत्र करने के बाद उनकी त्रुटियों को दूर किया जाएगा। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायतों में इसके लिए जल्द अभियान चलाया जाएगा। ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों को आदेश जारी किए जा रहे हैं।

यूपी बोर्ड परीक्षा केंद्रों निर्धारण के लिए 289 कॉलेजों का सत्यापन

औरैया। यूपी बोर्ड की हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की परीक्षा के लिए केंद्रों की निर्धारण की प्रक्रिया के तहत सभी 289 माध्यमिक विद्यालयों का भौतिक सत्यापन का कार्य पूरा हो गया है। फीडिंग प्रक्रिया पूरी होने के बाद सत्यापन रिपोर्ट बोर्ड को भेज दी गई है। अब वहां से केंद्रों की सूची जारी होगी। हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की परीक्षा 2024 फरवरी माह में प्रस्तावित है, लेकिन परीक्षा केंद्रों के निर्धारण की प्रक्रिया तेज हो गई है। यूपी बोर्ड की 2024 में होने वाली परीक्षा के लिए हाईस्कूल के लिए 21504 परीक्षार्थियों तथा इंटरमीडिएट में 18716 परीक्षार्थियों ने पंजीकृत कराया है। परीक्षा केंद्रों के निर्धारण के लिए जिले के 15 राजकीय, 60 सहायता प्राप्त व 214 वित्त विहीन इंटर कॉलेजों का सत्यापन किया गया। इसके लिए तहसील स्तर पर एसडीएम की अध्यक्षता में चार सदस्यीय टीम बनाई गई थी। टीम में एसडीएम के अलावा तहसीलदार, पीडब्ल्यूडी के सहायक अभियंता और राजकीय इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्यों को शामिल किया गया था।

कपड़े की बिल्टी पर पंजाब से बिहार ले जा रहे थे शराब, दो तस्कर गिरफ्तार

सोनभद्र। करमा थाना क्षेत्र के करकी बाजार के पास से पुलिस ने 711 पेटी अंग्रेजी शराब के साथ दो अंतर प्रांतीय तस्करों को गिरफ्तार किया है। डीसीएम में लादकर यह शराब पंजाब से बिहार ले जाया जा रहा था। तस्करों के पास से मिली बिल्टी पर ट्रक में कपड़ा लदा होने का जिक्र था। बरामद शराब की कीमत करीब 75 लाख रुपये बताई जा रही है। पूछताछ के बाद पुलिस ने दोनों तस्करों को संबंधित धाराओं में जेल भेज दिया है। पुलिस लाइन सभागार में बुधवार को एसपी डॉ. यशवीर सिंह ने बताया कि जिले के रास्ते अवैध शराब की तस्करी की लगातार मिल रही सूचना पर टीम गठित की गई है। सीओ अमित कुमार के मार्गदर्शन में करमा एसओ देवेंद्र प्रताप सिंह के नेतृत्व वाली टीम ने मुखबिर की सूचना पर मंगलवार की रात मिर्जापुर-राबर्ट्सगंज मार्ग पर करकी बाजार के पास घेराबंदी की।

भाकियू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने किसान की आत्महत्या मामले में किया ट्वीट

औरैया। थाना क्षेत्र के गांव नराही में कर्ज में डूबे किसान आशाराम पुत्र रामशंकर ने घर के बाहर पेड़ से फंदा लगाकर आत्महत्या के मामले में भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश टिकैत ने जिला प्रशासन को आढ़े हाथ लिया है। ट्वीट करते हुए सीधे तौर पर पीड़ित परिवार पर दबाव न बनाए जाने की बात कही गई है। किसान आशाराम की मौत मामले में जिला प्रशासन की ओर से सोशल मीडिया के माध्यम से जिला सूचना कार्यालय ने मृतक किसान के नाम जमीन से लेकर 91000 रुपये खाते में होने के साथ ही कई लाभ मिलने का जिक्र किया गया। यहां तक कि मौत को शराब पीने के बाद हुई कहासुनी से जोड़दिया। किसान संगठन की ओर से पीड़ित परिवार से मिलते हुए जिला प्रशासन से परिवार को आर्थिक मदद की मांग रखी गई। वहीं बुधवार को इस मामले में भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश टिकैत ने ट्वीट किया। लिखा कि औरैया जनपद में कर्ज से डूबे किसान ने फांसी लगाकर जान दे दी। प्रशासन का कहना है कि किसान के पास जमीन और 91000 रुपये खाते में थे।

सराफ लूट केस-बाइक पर आए थे चार बदमाश, बिचपुरी रोड से भागे; पुलिस को मिले अहम सुराग

आगरा। आगरा में कारगिल-करकुंज मार्ग पर सराफ को बंधक बनाकर हुई 5.40 लाख की लूट में पुलिस के हाथ अहम सुराग लगे हैं। पुलिस ने 24 से अधिक को पूछताछ के लिए उठाया। हालांकि बदमाश पकड़ से दूर हैं। आगरा में आवास विकास कॉलोनी में कारगिल-करकुंज मार्ग पर एपी ज्वैलर्स में सराफ को बंधक बनाकर 5.40 लाख की लूट में पुलिस को अहम सुराग मिले हैं।

वारदात में चार बदमाश शामिल थे। दो बाइक पर बोदला मार्ग से आए थे। वहीं से बाइक पर भागे। इसके बाद अलग-अलग हो गए। पुलिस ने 24 से अधिक को पूछताछ के लिए उठाया। हालांकि बदमाश पकड़ से दूर हैं। सजल शर्मा की सेक्टर 13 में ब्लू लीव्स कांप्लेक्स के प्रथम तल पर एपी ज्वैलर्स के नाम से दुकान है। दशहरा पर दोपहर 2:30 बजे एक दंपती के जाने के बाद तीन बदमाश घुस आए थे। सजल शर्मा पर तमंचा लगाकर मुंह और हाथ को टेप से बांध दिया। पांच मिनट में पांच लाख के जेवरात और 40 हजार रुपये लूटकर ले गए थे। पुलिस सूत्रों ने बताया कि तीन बदमाशों ने लूट की। एक नजर रखने के लिए बाहर रहा होगा। दो बदमाश बाइक पर ईंट मंडी, सेक्टर छह से जाते हुए दिखे।

वह बिचपुरी मार्ग की तरफ गए। मगर, तीसरे का पता नहीं चला। आशंका है कि दूसरी बाइक पर वो साथी के साथ गया होगा। सदर के एक बदमाश पर पुलिस का शक है। उसकी तलाश की जा रही है। डीसीपी सिटी सूरज राय ने बताया कि सीसीटीवी कैमरों के फुटेज की मदद से बदमाशों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। हालांकि अभी कोई सुराग नहीं मिल सका है। जेल से जमानत पर बाहर आए अपराधियों का रिकॉर्ड खंगाला जा रहा है। कई से पूछताछ भी की गई है।

दिवाली पर बाजारों में सुरक्षा के निर्देश

डीसीपी सिटी ने बताया कि दिवाली पर बाजारों में भीड़ है। इसको देखते हुए विशेष सुरक्षा के निर्देश दिए गए हैं। व्यापारियों से भी संपर्क किया जा रहा है। सीसीटीवी कैमरों से भी निगरानी की जा रही है। बाजारों में बैरियर लगाकर चेकिंग भी की जा रही है।

पति कर रहा है दूसरी शादी, पत्नी मायके वालों के साथ पहुंची ससुराल..

अमरोहा। लंबे समय से मायके में रहने वाली पत्नी को पति के दूसरी शादी करने की जानकारी मिली। इसके बाद वह अपने परिजनों के साथ ससुराल पहुंची। आरोप है उसके ससुरालियों ने उन्हें मारपीट कर भगा दिया। पति की दूसरी शादी होने की जानकारी पर ससुराल पहुंची विवाहिता के साथ मारपीट की गई। मामले में पीड़िता की शिकायत पर पति समेत चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। नौगांवा सादात थानाक्षेत्र के काकरखेड़ा गांव निवासी राजेश सिंह ने अपनी बेटी सोनम की शादी वर्ष 2017 में बहादुरपुर खुर्द निवासी कुलदीप चौहान के साथ की थी। सोनम का अपने ससुराल वालों से मुकदमा चल रहा है। आरोप है कि उसके पति कुलदीप ने दूसरी शादी कर ली है। जब इसकी जानकारी सोनम को हुई तो वह 23 अक्टूबर की दोपहर अपने पिता राजेश सिंह और भाई अमित कुमार के साथ बहादुरपुर खुर्द पहुंची लेकिन यहां पहले से ही लाठी डंडे लेकर खड़े पति ने अपने परिजनों के साथ मिलकर मारपीट की। शोर मचाने पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। तभी आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए चले गए।

प्रदेश स्तरीय कार्यशाला में निपुण योजनाओं की जानकारी देंगे जिले के शिक्षक

औरैया। दिबियापुर।अलीगढ़ में आयोजित होने वाली दो दिवसीय प्रदेश स्तरीय कार्यशाला में औरैया जिले के छह शिक्षक निपुण कार्य योजनाओं के बारे में प्रस्तुतिकरण देंगे। इस आयोजन में प्रदेश के बेसिक शिक्षा मंत्री भी मौजूद रहेंगे।

मिशन शिक्षण संवाद के जिला औरैया के संयोजक ज्ञान प्रकाश ने बताया कि अलीगढ़ के कल्याण सिंह हेबिटेट सेंटर में 26 एवं 27 अक्टूबर को प्रदेश स्तरीय निपुण कार्यशाला का आयोजन शुरू हो गया है। कार्यशाला में जनपद औरैया के छह शिक्षक प्रतिभाग करेंगे। विकास खंड सहार से उच्च प्राथमिक विद्यालय शिवगंज के मनीष कुमार, अजीतमल विकास खंड से कंपोजिट विद्यालय दलेल नगर के कृष्ण गोपाल और पूर्व माध्यमिक विद्यालय बिरुहुनी के विमल कुमार शामिल होंगे।

इसके साथ ही ब्लॉक औरैया से प्राथमिक विद्यालय बरीपुरमाफी के नवीन पोरवाल, ब्लॉक भाग्यनगर से प्राथमिक विद्यालय रामपुर की मड़ैया के कृष्ण कुमार और प्राथमिक विद्यालय जैतपुर-फफूंद के ज्ञान प्रकाश अपना प्रस्तुतिकरण देंगे। मिशन शिक्षण संवाद जनपद औरैया संयोजक ज्ञान प्रकाश ने बताया कि मिशन शिक्षण संवाद द्वारा प्रत्येक वर्ष राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित की जाती है। इसमें बेसिक शिक्षा में सकारात्मक बदलाव को प्रयासरत शिक्षकों को प्रस्तुतिकरण हेतु आमंत्रित किया जाता है। इससे प्रदेश के सभी प्रतिभागी शिक्षकों को अन्य जनपदों में चल रही शिक्षा के उत्थान की विशेष योजनाओं के विषय में भी पता चल जाता है।

मिशन शिक्षण संवाद उत्कृष्ट शिक्षकों का एक राज्य स्तरीय समूह है, जो सात राज्यों में कार्य कर रहा है। मिशन शिक्षण संवाद का उद्देश्य शिक्षा के उत्थान, शिक्षक के सम्मान व मानवता के कल्याण के साथ बेसिक शिक्षा के लिए सकारात्मक तरीके से कार्य करना है। सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन के साथ, शिक्षकों, छात्रों, अभिभावकों को प्रोत्साहित करते हुए उनका सहयोग करना है।

सर्दी-बुखार का प्रकोप, डेंगू के 11 संदिग्ध मरीज मिले

अमेठी। मौसम में हो रहे बदलाव का असर सेहत पर दिख रहा है। बुधवार को 11 मरीज ऐसे मिले हैं, जिनमें डेंगू जैसे लक्षण पाए गए हैं। इनका सैंपल एलाइजा जांच के लिए भेजा गया है। उधर, जिला के 315 व सर्दी के 319 मरीज जिला अस्पताल पहुंचे। डेंगू का प्रकोप कम नहीं हो रहा है। बुधवार को डेंगू के 11 संदिग्ध मरीज मिले हैं। स्वास्थ्य विभाग ने इनकी केस हिस्ट्री तैयार करने के साथ निरोधात्मक कार्रवाई शुरू कर दी है। अक्टूबर माह में 156 मरीजों में 105 संदिग्ध व 50 कंफर्म डेंगू के मरीज निकले हैं। तीन दिन की छुट्टी के बाद बुधवार खुले संयुक्त जिला अस्पताल में उपचार कराने के लिए 1028 मरीज पहुंचे। जिसमें 315 बुखार से पीड़ित रहे।

चलाया जा रहा रोकथाम अभियान संचारी रोग के नोडल अधिकारी एसीएमओ डॉ. राम प्रसाद ने बताया कि जिले में संचारी रोग से बचाव के लिए अभियान चलाया जा रहा है। गांवों में जल निकासी के लिए बनी नालियों व जल भराव वाले स्थानों की सफाई कराकर एंटीलार्वा दवा का छिड़काव कराया जा रहा है। आशा कार्यकर्ता और एएनएम को जिम्मेदारी दी गई है। फिजीशियन डॉ. शुभम पांडेय ने कहा कि मौसम में काफी उतार-चढ़ाव हो रहा है।

डिवाइडर से टकराई बाइक, युवक की मौत

मुसाफिरखाना(अमेठी)। थानाक्षेत्र से गुजरने वाले लखनऊ-वाराणसी हाईवे पर मंगलवार की देरशाम जगदीशपुर थानाक्षेत्र के सतीश कुमार मौर्या (25) की बाइक बेकाबू होकर डिवाइडर से टकरा गई थी। दुर्घटना में सतीश कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राथमिक उपचार के बाद सीएचसी के डॉक्टरों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया था। जिला अस्पताल से बुधवार को सतीश को ट्रामा सेंटर रेफर किया गया। परिजन लखनऊ ले जा रहे थे कि रास्ते में मौत हो गई। मौत के बाद परिजन परिजन शव लेकर पैतृक गांव थौरी लेकर चले गए। परिजनों के अनुसार, दुर्घटना के समय सतीश ने हेलमेट लगाया था।

सौर ऊर्जा से रोशन होंगे 38 परिषदीय स्कूल

अमेठी। जिले के 38 परिषदीय स्कूलों में सोलर पावर प्लांट की स्थापना की जाएगी। इससे न सिर्फ बिजली बिल के झंझट से छुटकारा मिलेगा, बल्कि स्मार्ट क्लास संचालन से विद्यार्थियों को पढ़ाई करने की सुविधा मिलेगी। बेसिक शिक्षा विभाग के अधीन जिले में संचालित 1570 परिषदीय स्कूलों में कायाकल्प से सुविधा से लैस कर बच्चों को बेहतर तरीके से शिक्षित करने की कोशिश की जा रही है। बेसिक शिक्षा विभाग ने अल्पसंख्यक विभाग की प्रधानमंत्री जन विकास योजना के माध्यम से एक नई योजना तैयार की है।

अल्पसंख्यक बाहुल्य चार ब्लॉक सिंहपुर, बहादुरपुर, जगदीशपुर व बाजारशुकुल के 38 स्कूलों में 198 करोड़ रुपए से तीन किलोवाट सोलर पावर प्लांट स्थापना का निर्णय लिया गया है। ऐसे में अब इन स्कूलों स्मार्ट क्लास व कंप्यूटर लैब संचालित करने से पहले निर्बाध बिजली आपूर्ति मिलेगी।

इन स्कूलों में होगी स्थापना

जिला समन्वयक निर्माण आकाश श्रीवास्तव ने बताया कि सोलर पावर प्लांट स्थापना के लिए जगदीशपुर ब्लॉक के कंपोजिट स्कूल मधुपुर, मटियारी कला, गाएमऊ, गूंगेमऊ, सिधियावां, वारिशाबाद, सिंदुरवा, वारिशगंज, खेतारपुर, चौधरीपुर, पूरबगांव व गढ़ा चयनित है। इसी तरह बाजार शुकुल के वरसंडा, कुटी ब्रहमचारी, गयासपुर, महोना पश्चिम, आशीषपुर, नेवाजगढ़, उरेनमऊ, इक्कताजपुर, मर्दानपुर व नीमपुर सिंहपुर ब्लॉक के पेडारा, सातनपुर का पुरवा, महिया सिंदुरवा, कोटवा, मिरजागढ़, सिंहपुर, जिलौली व खारा में सोलर प्लांट की स्थापना होगी। बहादुरपुर ब्लॉक के नुवावां, बहादुरपुर, खालिसपुर, उरवा, जायस, महमदपुर व खरियाना में सोलन प्लांट स्थापित होगा।

जल्द स्थापना की उम्मीद

38 परिषदीय स्कूल में प्रधानमंत्री जनविकास योजना के तहत यूपी नेडा से ऑनग्रिड सोलर पावर प्लांट की स्थापना को मंजूरी मिली है। अल्पसंख्यक विभाग की निगरानी में तीन किलोवाट सोलर पावर प्लांट की स्थापना होगा। स्थापना के बाद बाद सौर ऊर्जा का उपभोग कर स्कूल में शिक्षण कार्य बेहतर बनाया जाएगा। संजय कुमार तिवारी-बीएसए

संतुलित व पौष्टिक आहार का सेवन करें गर्भवती

अमेठी। संग्रामपुर स्थित अन्य सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर बुधवार को हाईरिस्क प्रेग्नेंसी(एचआरपी) डे का आयोजन किया गया। इस दौरान 1348 गर्भवती के स्वास्थ्य की जांच की गई। संग्रामपुर सीएचसी प्रभारी डॉ. संतोष सिंह व महिला चिकित्सक डॉ. रूखसार की देखरेख में आयोजित स्वास्थ्य शिविर गर्भवती महिलाओं का वजन, खून की मात्रा,ब्लड प्रेशर आदि की जांच की गई। शिविर में 20 गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। सीएचसी प्रभारी ने बताया कि सभी को मौसमी फल व हरी सब्जियां खाने अधिक से अधिक उपयोग करने की सलाह दी गई। इन दिनों मां जो भी सेवन करती है, शिशु को भी उसी से आवश्यक पोषक तत्व मिलते हैं। इससे दोनों की सेहत अच्छी रहेगी। सीएमओ डॉ. अंशुमान सिंह ने बताया कि गर्भवती के स्वास्थ्य की निगरानी के लिए एएनएम व आशा कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी गई है। आकांक्षी ब्लॉकों में महिलाओं के स्वास्थ्य की निगरानी के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। अधीक्षकों को चेकलिस्ट तैयार करने को कहा गया है।

टीकाकरण सत्र स्थल का लिया जायजा एसीएमओ डॉ. संजय शर्मा व स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी वीके सरोज ने बुधवार को आधा दर्जन से अधिक सत्र स्थलों का भ्रमण करके जायजा लिया। शत प्रतिशत टीकाकरण पर जोर दिया। बताया कि मिली कमियों को निस्तारण का आदेश संबंधित अधीक्षकों को दिया गया है।

गर्भवती इनका रखें ध्यान

- जामो सीएचसी की महिला चिकित्साधिकारी डॉ. सुनीता का कहना है कि गर्भावस्था के दौरान महिलाओं को चाहिए कि भोजन न केवल पोषक हो, बल्कि सुपाच्य भी हो। गर्भावस्था के दौरान अधिसंख्य महिलाओं में कब्ज, अपच और उल्टियां होने की शिकायत रहती है।

बेहतर रहेगा कि अधिक तेल मसाले वाले भोजन या जंक फूड व फास्ट फूड के सेवन से बचें। घर का बना सादा खाना ही खाएं। थोड़ा-थोड़ा खाएं और बीच में डेढ़ या दो घंटे का अंतराल जरूर रखें। बाजार के पैक्ड जूस की जगह घर में फलों का जूस निकालकर पिएं।

आलू का बीज एक हजार रुपये हुआ सस्ता

औरैया। आलू के बीज का वर्ष 2023-24 का मूल्य निर्धारित हो गया है। गत वर्ष की अपेक्षा इस बार एक हजार रुपये प्रति क्विंटल दाम कम किए गए हैं। आलू का मूल्य 2325 रुपये प्रति क्विंटल है। जबकि गत वर्ष 3325 रुपये प्रति क्विंटल था। विभाग में चार प्रकार का आलू बीज उपलब्ध है। जिले में साढ़े आठ हजार हेक्टेयर में आलू की खेती की जाती है। अधिकतर किसान विभिन्न माध्यमों से बीज खरीद कर आलू की पैदावार करते हैं। जबकि कुछ किसान बीज की पैदावार भी करते हैं। करीब 10 फीसदी से कम किसान बीज के लिए उद्यान विभाग पर निर्भर हैं। अन्य किसान कोल्ड स्टोरेज और अन्य माध्यमों से आलू बीज खरीदते हैं।

जमीन के लिए पिता को मार डाला

सुल्तानपुर। थाना क्षेत्र दोस्तपुर के सहिनवा गांव में मंगलवार रात पुत्र ने पिता की गला दबाकर हत्या कर दी। मृतक की पुत्री का आरोप है कि पिता ने उसके सौतेले भाई के नाम खेत लिख दिया था। इसी बात से वह नाराज चल रहा था। पिता की हत्या के बाद आरोपी पुत्र मौके से फरार हो गया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। दोस्तपुर थाना क्षेत्र के सहिनवा गांव निवासी मोहम्मद हबीब (65) का मंगलवार की रात उसके छोटे बेटे मुख्तार से विवाद हो गया। बात बढ़ने पर मुख्तार ने हबीब को डंडे से मारापीटा। इस दौरान उसने पिता का गला दबा दिया। इससे हबीब बेहोश हो गया और थोड़ी ही देर में मौके पर उसकी मौत हो गई। इसके बाद आरोपी मुख्तार मौके से भाग निकला। मृतक की बेटी फातिमा का आरोप है कि मारपीट के दौरान जब वह अपने पिता को बचाने पहुंची तो उसके भाई मुख्तार ने उसे भी मारापीटा। फातिमा के जानकारी देने पर दोस्तपुर थाने की पुलिस घटनास्थल पहुंची। फातिमा ने बताया कि उसके पिता ने दो शादियां की थीं। पिता ने पहली पत्नी के पुत्र जावेद के नाम बीते वर्ष नवंबर में करीब साढ़े चार बीघा खेत लिख दिया था। उसी से नाराज मुख्तार ने मंगलवार की रात पिता की जान ले ली। मृतक की पहली पत्नी से पुत्र जावेद व पुत्री आशमा हैं। आशमां की शादी हो चुकी है जबकि दूसरी पत्नी तजमुल निशा से फातिमा व उसका भाई मुख्तार है। फातिमा ने सगे भाई के खिलाफ थाने पर तहरीर दी है। प्रभारी निरीक्षक लक्ष्मीकांत मिश्र ने बताया कि पुलिस घटना की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद स्थिति स्पष्ट होगी।

सड़क हादसों में वृद्धा समेत दो की मौत

सोनभद्र। जिले के अलग-अलग क्षेत्रों में हुए सड़क हादसों में वृद्धा समेत दो लोगों की जान चली गई। बभनी थाना क्षेत्र में चलती बाइक से गिरकर वृद्धा ने दम तोड़ दिया। वहीं दुद्धी की रजखड़ घाटी में बाइक सवार युवक बेकाबू वाहन की चपेट में आ गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बभनी थाना क्षेत्र के रंदह गांव निवासी फूलमती (60) की तबीयत बुधवार को अचानक खराब हो गई। परिजन उसे उपचार कराने के लिए अस्पताल लेकर जा रहे थे। रास्ते में ही वृद्धा बाइक से नीचे गिर गई। बाइक से नीचे गिरने से उसे गंभीर चोट आई। अस्पताल ले जाने से पहले ही वृद्धा ने दम तोड़ दिया। घरवालों ने घटना की सूचना गांव के प्रधान और क्षेत्रीय लेखपाल को दिया। बभनी थाने के एसआई सुनील कुमार ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए सीएचसी दुद्धी भेज दिया। थानाध्यक्ष सुरेश चंद्र द्विवेदी ने कहा कि घटना की सूचना मृतका के लड़के देवलाल ने दी है। सूचना के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है। उधर, हाथीनाला थाना क्षेत्र के गढ़दरवा गांव निवासी दिलीप कुमार (23) दुद्धी के जाबर गांव में स्थित पेट्रोल पंप पर कर्मचारी था। मंगलवार की देर शाम वह ड्यूटी पर जाने के लिए घर से निकला था। रजखड़ घाटी में एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। काफी देर तक वह सड़क पर ही पड़ा रहा। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को सीएचसी दुद्धी पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। हादसे में बाइक बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस ने पहुंच शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

ऑनलाइन ट्रेडिंग कंपनी का 50 हजार का माल डीसीएम से चोरी

उन्नाव। ऑनलाइन ट्रेडिंग कंपनी का माल लेकर जा रही डीसीएम का तिरपाल काट कर पचास हजार का माल चोरी हो गया। हाईवे पर दही थानाक्षेत्र में हुई घटना में सुपवाइजर ने डीसीएम नंबर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कराई है। सोहरामऊ थानाक्षेत्र स्थित एक ऑनलाइन ट्रेडिंग कंपनी में सुपर वाइजर के पद पर तैनात पुष्पेंद्र कुमार सिंह ने दही थाने में तहरीर देकर बताया कि 21 अक्तूबर को उनकी कंपनी का माल लेकर डीसीएम कानपुर के लिए निकली थी। बाद में सूचना मिली कि लखनऊ-कानपुर हाईवे पर दही थानाक्षेत्र में मुर्तजा नगर के पास डीसीएम दुर्घटनाग्रस्त हो गया। मौके पर पहुंचा तो डीसीएम खड़ी थी, लेकिन चालक कहीं पता नहीं चला। कंपनी का करीब पचास हजार का माल भी चोरी हो गया। थानाध्यक्ष अनुराग सिंह ने बताया कि तहरीर के अनुसार रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है जांच की जा रही है।

छोटे भाई के हत्यारोपी को पुलिस ने भेजा जेल

उन्नाव। जमीन के लालच में छोटे भाई की हत्या करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मृतक के भतीजे ने ताऊ के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पोस्टमार्टम में मृतक के सिर, आंख और गाल पार ईंट से वार की चार गहरी चोटें पाई गई हैं। थानाक्षेत्र के ओसिया गांव में जमीन के विवाद में बड़े भाई करन सिंह ने छोटे भाई भारत सिंह(45) की ईंट से कूचकर हत्या कर दी थी। हत्या करने के बाद आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। मंगलवार को पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। जिसमें चार चोटें मिली हैं। यह चोटें सिर के पीछे, बायीं आंख के ऊपर, नीचे और गाल पर ईंट से वार करने से हुई हैं। घटना के समय घर में मौजूद मृतक के तीसरे नंबर के भाई राजकरन सिंह के बड़े बेटे उत्तम सिंह ने आरोपी चाचा करन सिंह के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई है। आरोपी भाई को पुलिस ने जेल भेजा है। राजकोट में रहने वाले मृतक के छोटे भाई अरविंद सिंह नाडू और हैदराबाद में रहकर मजदूरी करने वाले तीसरे नंबर का भाई राजकरन सिंह उर्फ बबलू बुधवार सुबह गांव पहुंचे। चार भाइयों में एक जेल गया तो दूसरा मौत के घाट उतार दिया गया।

बड़े भाई ने थोड़े से लालच में परिवार तबाह कर दिया। भाइयों ने बताया कि अब वह घर पर रहकर अपना परिवार देखेंगे थानाध्यक्ष राजेश पाठक ने बताया कि भतीजे की तहरीर पर हत्यारोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उसे जेल भेजा गया है।

वन पथ पर राम काव्य ग्रंथ का हुआ लोकार्पण

उन्नाव। क्षेत्र के मोहकमपुर में बुधवार को विष्णुदयाल सिंह विष्णु द्वारा रचित काव्य ग्रंथ वन पथ पर राम के तीसरे सोपान का लोकार्पण किया। कार्यक्रम में पहुंचे शिक्षक विधायक राजबहादुर चंदेल ने कहा कि प्राथमिक, उच्च प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों को अपने दायित्व का बोझ कंधों पर उठाना पड़ेगा। तभी शैक्षिक वातावरण बनेगा और अच्छे समाज का निर्माण होगा। उन्होंने कहा कि मेरा सौभाग्य है कि मुझे भी शिक्षक बनने का अवसर मिला। जब तक मैं शिक्षक रहा शिक्षक धर्म को पूरी ईमानदारी से निभाया। कहा कि आज लोकतंत्र खतरे में है। विधायिका भी अपने कार्य से विरत है। वह अपने ही उत्तरदायित्व का निर्वहन करना भूल गई है। उन्होने विष्णुदयाल सिंह काव्य ग्रंथ के लिए बधाई दी।

दोस्तों ने चाकुओं से गोदकर की हत्या, शव झाड़ी में फेंका

जगदीशपुर(अमेठी)। मोहब्बतपुर गांव में शादी में शामिल होने गए किशोर की नाबालिग दोस्तों ने चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी। बाद में शव को झाड़ी में फेंक दिया। पुलिस की जांच में घटना का कारण मारपीट और गालीगलौज करना निकलकर आया है। मोहब्बतपुर निवासी गांव निवासी रियाज अहमद का 15 वर्षीय पुत्र मेराज गांव के ही दो नाबालिग दोस्तों के साथ रविवार की शाम गांव में ही वैवाहिक आयोजन में गया था। सोमवार की सुबह तक मेराज वापस नहीं आया तो परिजनों ने साथ में गए दोनों दोस्तों से जानकारी ली। उन्होंने जानकारी न होने की बात कही। इसके बाद परिजन दिनभर उसे खोजते रहे। पता न चलने पर सोमवार शाम को लापता मेराज की मां अजमतुल ने पुलिस को सूचना दी। गुमशुदगी दर्ज कर पुलिस ने मेराज की तलाश शुरू की। मंगलवार की भोर में गांव के पास झाड़ी में मेराज का शव मिला। इसके बाद परिजनों की तहरीर के आधार पर पुलिस ने मेराज के साथ गए दोस्तों से पूछताछ की तो चौंकाने वाला खुलासा हुआ। पुलिस ने दावा किया है कि पूछताछ में नाबालिग दोस्तों ने बताया कि मेराज उनके साथ मारपीट करता था, गाली-गलौज करता था। इससे नाराज होकर उसकी चाकू से गोदकर हत्या कर दी। शव को गांव के बाहर झाड़ी में फेंक दिया। इनकी निशानदेही पर पुलिस ने आलाकत्ल बरामद किया। पुलिस दोनों नाबालिगों से पूछताछ कर रही है। एसपी डॉ. इलामारन जी ने बताया कि आरोपी भी नाबालिग बताए जा रहे हैं। गांव में पुलिस बल तैनात किया गया है। हमारे लाल ने क्या बिगाड़ा था...अमेठी। हमारी तो किसी से दुश्मनी भी नहीं थी, हमारे लाल ने किसी का क्या बिगाड़ा था। यदि पता होता कि हमारा बेटा नहीं लौटेगा तो हम कभी जाने नहीं देती। यह अलफाज मृतक मेराज की मां अजमतुल का था। वह मेराज को याद करके बार-बार बेहोश हो जा रही थी। होश में आने के बाद लोगों से यहीं पूछतीं कि मेराज कहां है।

भाई-बहनों में सबसे छोटा था

मृतक मेराज दस भाई-बहनों के बीच सबसे छोटा था। माता-पिता और दो बहनों को छोड़ कर घर के बाकी सभी सदस्य बाहर रहते हैं। मेराज भी बड़े भाई के साथ अहमदाबाद में रहकर पढ़ाई कर रहा था। मोहर्रम पर घर आया था। दशहरे के बाद उसे वापस जाना था। मेराज की मौत के बाद भाई रिजवान, शहबान, आजाद, इशराक, सेबू खान व मोहसिन तथा बहन नसरूल निशा, रन्नो तथा चांदनी का रो-रोकर हाल बेहाल है।

पिता ने किया था मना

मेराज को जब बुलाने उसके दोनों नाबालिग दोस्त आए थे तो पिता रियाज ने मना किया था। बाद में पुत्र की जिद व मोह में पड़कर उसने जाने दिया। पिता रियाज का रो-रो कर बुरा हाल है कि काश मेराज उसकी बात को मान लिया होता, तो शायद आज यह दिन ना देखना पड़ता। रियाज बताते हैं कि घर से जाते समय उसने मना किया तो मेराज यह कहकर दोस्तों के साथ चला गया कि गांव में ही तो जा रहें हैं यहां भी ना जाएं तो कहा जाएं।

पराली दो, खाद लो के लिए किसानों को कर रहे जागरूक

उन्नाव। पराली को नजदीकी गोशाला में दान देकर उसके बदले में गोबर की खाद ले सकते हैं। इसके लिए कृषि विभाग ने खेतों पर जाकर किसानों को जागरूक करने का अभियान शुरू किया है। कृषि विभाग के सहायक विकास अधिकारी देवी सिंह ने बताया कि खेतों में पराली जलाने पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया गया है। किसानों को कंबाइन मशीन से धान की फसल कटाने पर पराली न जलाने की गारंटी देनी होगी। बताया कि पराली को गोशाला में दान देकर उसके बदले में गोबर की खाद लेकर खेतों की उर्वरता बढ़ाई जा सकती है। बताया कि कंबाइन मशीन उसी का खेत का धान काटेगी जिसका प्रमाणपत्र एआरटीओ द्वारा जारी किया गया होगा।फतेहपुर चौरासी। कस्बे में गोवंश के शव को कुत्ते द्वारा नोचने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। कस्बे के मोहल्ला सुभाष नगर पूर्वी में बुधवार को एक गोवंश के शव को कुत्तों द्वारा नोचने का सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो को संज्ञान में लेते हुए ईओ अरविन्द सिंह ने नगर पंचायत कर्मियों को भेजा। कर्मियों ने शव को दफन कराया। ईओ ने बताया कि मृत गोवंश पालतू थी।

किसान की लाठियों से पीट-पीटकर हत्या, घर के अंदर खींचकर किया था हमला, चार पर रिपोर्ट दर्ज

उन्नाव। थानाध्यक्ष संदीप मिश्रा ने बताया कि मृतक की पत्नी की तहरीर पर पिता पुत्र सहित चार के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज की गई है। शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। उन्नाव जिले में सफीपुर कोतवाली क्षेत्र में रंजिश में घर के अंदर खींचकर किसान की लाठी-डंडों से पीटकर हत्या कर दी गई। हत्या के बाद शव घर के बाहर फेंक दिया गया। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस और फोरेंसिक टीम ने जांच की। मृतक की पत्नी ने पिता पुत्र सहित चार के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने दो को गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू की है। आसीवन थाना क्षेत्र गांव कूरेमऊ के मजरा लोचन खेड़ा निवासी शिवराज लोधी (42) का गांव के ही मटरू लोधी से होली पर्व पर नशे की हालत में विवाद हो गया था। विवाद इतना बढ़ा था कि दोनों ने एक दूसरे को देख लेने की धमकी दी थी। तब से मटरू मौके की तलाश कर रहा था। बुधवार रात करीब दस बजे शिवराज नशे की हालत में खेत से अपने घर जा रहा था। जैसे ही वह मटरू के घर के पास से निकला सभी ने उसे मिलकर घर के अंदर खींच लिया। लाठी-डंडों से जमकर पिटाई कर दी और मरणासन्न हालत में उसे घर के बाहर फेंक दिया।

आनन फानन स्वास्थ्य केंद्र ले गई थी पत्नी

हत्यारोपियों के घर से मृतक के घर की दूरी 50 मीटर होने से मृतक की पत्नी अनीता मौके पर पहुंची और पति को आनन फानन स्वास्थ्य केंद्र ले गई। डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर रात में ही एसओ फोर्स के साथ पहुंचे और जांच की।

होली के त्योहार पर विवाद हुआ था

मृतक के चचेरे भाई लाखन ने बताया कि शिवराज ने गांव के ही बउवा का खेत बटाई पर लिया था। खेत मटरू के घर के सामने होने से वह उसी में गंदगी डालने के साथ अपने घर का गंदा पानी भी बहता था। साल 2022 में होली के त्योहार पर शिवराज व मटरू के बीच इसी बात को लेकर विवाद हुआ था।

शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा

इसमें पुलिस ने शिवराज की तहरीर पर सिर्फ मटरू के खिलाफ कार्रवाई की थी। तब से मटरू रंजिश मानता चला आ रहा था। मृतक की पत्नी अनीता की तहरीर पर मटरू उसके बेटे गोविंद के साथ भाई नन्हें और पप्पू के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज की है। शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

संक्षिप्त समाचार

विवाहिता की मौत के मामले में ससुर के खिलाफ केस दर्ज

मुसाफिरखाना (अमेठी)। कोर्ट के आदेश पर विवाहिता की मौत के मामले में अब कार्रवाई की गई है। पुलिस ने भाई की तहरीर पर दहेज उत्पीड़न एवं गैर इरादतन हत्या का केस ससुर के खिलाफ दर्ज किया है। कोतवाली क्षेत्र के पूरे दहपेल मजरे बहोरखा गांव में अप्रैल में विवाहिता पूजा की मौत हुई थी। जिसमे करंट से मौत का मामला प्रकाश में आया था। प्रकरण में मृतका के भाई पवन कुमार ओझा निवासी ओझा पुरवा मजरे गूजीपुर थाना संग्रामपुर ने न्यायालय की शरण लेते हुए मृतका के ससुर पर दहेज के रूप में रुपये की मांग करने का आरोप लगाया था। आरोप लगाया था कि उसकी बहन की सास के नाम कुछ जमीन थी, जो सास की मौत के बाद बहनोई नितिन व उसके भाई के नाम आ गई थी। इस जमीन को ससुर वापस अपने नाम कराने के लिए नितिन पर दबाव बनाते थे, लेकिन पूजा की वजह से वह सफल नहीं हो पा रहे थे। इसी बात से वे पूजा से नाराज चल रहे थे। उन्होंने अपनी बहन की हत्या करने की आशंका जताते हुए कार्रवाई की मांग की थी। न्यायालय ने पुलिस को एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया। एसएचओ विनोद सिंह ने बताया कि न्यायालय के निर्देश पर प्रार्थनापत्र के आधार पर आरोपी बालकान्त तिवारी के खिलाफ दहेज उत्पीड़न सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

राजनीतिक ताकत के बिना सामाजिक परिवर्तन संभव नहीं

अमेठी। स्थानीय ब्लॉक के गांव मुराई स्थित एक मैरिज हाल परिसर में मंगलवार को सम्राट अशोक विजय दशमी महोत्सव आयोजित हुआ। कार्यक्रम में सम्राट अशोक महान की शासन व्यवस्था और बौद्ध धम्म के प्रचार प्रसार में योगदान का का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नूरपुर बिजनौर के विधायक राम अवतार सिंह सैनी ने कहा कि राजनीतिक ताकत के बिना सामाजिक परिवर्तन संभव नहीं है। ताकत हासिल करनी है, तो राजनीति की चाभी अपने हाथ में लेनी होगी। विशिष्ट अतिथि सपा विधायक प्रतिनिधि अनुराग प्रजापति ने कहा कि सम्राट अशोक हमारी विरासत, ताकत और पहचान हैं। सपा नेता जय सिंह प्रताप यादव ने कहा कि बाबा साहब डॉ आंबेडकर का संविधान ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। डॉ मिथिलेश मौर्य ने कहा कि सामाजिक जीवन में दोहरा चरित्र नहीं प्रदर्शित होना चाहिए, बुद्ध वाद और मनुवाद दोनों एक साथ नहीं चल सकता। इंजीनियर पारसनाथ यादव ने सम्राट अशोक विजय दशमी के त्योहार को मेले और पर्व के रूप में मनाने और मृत्यु भोज न करने की सलाह दी। सभा को राजीव रत्न मौर्य, आलोक कुशवाहा, अरुण प्रजापति, अयोध्या प्रसाद मौर्य उर्फ पप्पू मौर्य ब्लाक प्रमुख मंजू मौर्य,राम जियावन मौर्य आदि ने संबोधित किया।

नकद मूल्य पर आलू व सब्जियों के बीज का वितरण शुरू

अमेठी। किसानों को बेहतर उत्पादन कर आमदनी बढ़ाने के लिए उद्यान विभाग की ओर से किसानों को उन्नत प्रजाति का बीज देने का निर्णय लिया गया है। मकसद यह है कि किसानों को उत्पादन में वृद्धि मिल सके। जिसके लिए बीज का वितरण शुरू कर दिया गया है। उद्यान विभाग की तरफ से 100 क्विंटल आलू व सब्जी का बीज वितरण करने की योजना बनाई गई थी। जिसके तहत बीज आने पर रविवार से बिक्री शुरू कर दी गई है। विभाग की ओर से किसानों को मटर, मेथी, मूली, पालक, धनिया का बीज उचित दर पर उपलब्ध कराया गया है। सहायक उद्यान अधिकारी अनिल सिंह ने बताया कि सब्जी की खेती करने वाले इच्छुक किसान अमेठी के मुंशीगंज रोड स्थित राजकीय बीज बिक्री केंद्र से सब्जी का बीज नकद मूल्य पर प्राप्त कर सकते हैं।

भाजपाईयों ने ट्रैफिक इंस्पेक्टर को पीटा, कपड़े फाड़े, हुआ हंगामा

अलीगढ़। अलीगढ़ के बन्ना देवी थाना अंतर्गत मालवीय पुस्तकालय के निकट 25 अक्तूबर की रात में भाजपा कार्यकर्ता और ट्रैफिक पुलिस आमने सामने आ गए। ट्रैफिक इंस्पेक्टर कमलेश यादव ने बताया कि उन्होंने एक संदिग्ध गाड़ी, जिसके साइलेंसर को मोडीफाई किया गया है, की जांच के लिए रोका गया। गाड़ी को रोका गया, तो तथाकथित पार्टी के कार्यकर्ताओं ने उन पर हमला बोल दिया। उन्हें एसएचओ, सीओ की मौजूदगी में पीटा गया और कपड़े तक फाड़ दिए।

अमेठी डिपो को नहीं मिली एक भी नई बस

अमेठी। हाल ही में 51 नई बसों को विभिन्न डिपो को दिया गया है लेकिन, जिले को एक भी नई बस नहीं मिली है। ऐसे में यात्रियों को समस्या हो रही है। बता दें कि वीवीआईपी क्षेत्र अमेठी में तत्कालीन पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के समय में सुल्तानपुर जनपद की तहसील मुख्यालय पर अमेठी डिपो की स्थापना हुई। शहर में बस स्टेशन के साथ ही वर्कशॉप का निर्माण हुआ। अयोध्या रीजन में अमेठी डिपो राजस्व और लोड फैक्टर आदि में अपना स्थान रखता है। डिपो में बसों का बेड़ा कम होने और पुरानी बसें होने से यात्रियों को परेशानियां उठानी पड़ती हैं। रविवार को 51 बसें विभिन्न डिपो को मिली लेकिन, अमेठी डिपो को एक भी नहीं मिल सकी। अमेठी डिपो के बाबू सूर्यभान सिंह ने बताया कि डिपो में नई बसें नहीं और पुरानी 40 बसें निगम की तो चार बसें अनुबंधित हैं। डिपो के एआरएम काशी प्रसाद ने बताया कि अभी डिपो को कोई नई बस नहीं मिली है। बताया कि दिसंबर तक नई बसों का बेड़ा डिपो में शामिल होने की उम्मीद है।

मस्जिद की सीढ़ियों के नीचे हैं मूर्तियां, कोर्ट में पहली अपली करने वाले अधिवक्ता महेंद्र प्रताप सिंह ये बोले

आगरा। अधिवक्ता महेंद्र प्रताप सिंह ने आगरा की जामा मस्जिद की सीढ़िया में दबे भगवान श्रीकृष्ण के विग्रहों को वापस लाने की सबसे पहले मथुरा कोर्ट में मांग की थी। उन्होंने यह दवा ऐतिहासिक सबूतों के साथ कोर्ट में दाखिल किया था। उन्होंने कहा था कि 1670 में मथुरा के ठाकुर केशवदेवजी के भव्य मंदिर को औरंगजेब द्वारा विध्वंस किया गया और वहां से उनके देव विग्रहों को ले जाकर आगरा की जामा मस्जिद की सीढ़िया में दफन कर दिया। आज भी उन विग्रहों से होकर नमाजी निकलते हैं, जिससे हिंदुओं की भावनाएं आहत होती हैं। जामा मस्जिद की सीढ़िया में दबे भगवान के विग्रहों को वापस लाने की लगातार अधिवक्ता महेंद्र प्रताप सिंह लड़ाई लड़ रहे हैं।

बमरौली रोड पर दुकान व डांस एकेडमी में लगी आग, मच गई अफरा-तफरी

आगरा। बमरौली रोड पर उस समय अफरा-तफरी मच गई जब दुकान व डांस एकेडमी से लोगों ने आग की लपटों को उठते हुए देखा। दमकल कर्मियों ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पा काबू पाया। आगरा के बमरौली रोड पर मंगलवार रात परचून की दुकान में भीषण आग लग गई। कांच की बोतलें फटने से अफरा-तफरी का माहौल हो गया। सूचना पर पहुंचे दुकानदार ने लोगों की मदद से आग पर काबू पाने का प्रयास मगर तब तक आग की लपटों ने विकराल रूप ले लिया। डांस एकेडमी भी चपेट में आ गई। दमकल कर्मियों ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पा काबू पाया। तब तक अधिकतर सामान जलकर राख हो गया। द्वारका अपार्टमेंट बमरौली रोड निवासी शिवम यादव की परचून की दुकान है। उन्होंने बताया कि मंगलवार रात करीब 10 बजे वह दुकान बंद करके घर आ गए। करीब 11 बजे चौकीदार ने फोन कर दुकान में आग लगने के बारे में जानकारी दी। मौके पर पहुंचे और पड़ोसियों की मदद से आग बुझाने का प्रयास किया। आग की लपटें और तेज हो गईं और धमाके होने लगे।

एएमयू वीसी के संभावित उम्मीदवारों ने शुरू की पैरवी, ये चल रहे नाम

अलीगढ़। कुलपति पैनल के लिए कार्यकारी परिषद के सदस्यों की बैठक 30 अक्तूबर हो रही है। बैठक में उनकी उम्मीदवारी कायम रहे, इसलिए उनसे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष से अपने पक्ष में समर्थन जुटाने में जोर लगा रहे हैं। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) में कुलपति पद के संभावित उम्मीदवारों ने लॉबिंग शुरू कर दी है। कार्यकारी परिषद और कोर्ट सदस्यों से पैरवी शुरू कर दी है। कुलपति पैनल के लिए कार्यकारी परिषद के सदस्यों की बैठक 30 अक्तूबर हो रही है। बैठक में उनकी उम्मीदवारी कायम रहे, इसलिए उनसे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष से अपने पक्ष में समर्थन जुटाने में जोर लगा रहे हैं। जैसे-जैसे बैठक की तारीख नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे उम्मीदवारों की तादाद भी बढ़ रही है। कुलपति पद की दौड़ में हृदय रोग विशेषज्ञ व जेएन मेडिकल कॉलेज के पूर्व डीन प्रो. एमयू रब्बानी, कार्यवाहक कुलपति प्रो. मोहम्मद गुलरेज, प्रो. फैजान मुस्तफा, जामिया मिल्लिया इस्लामिया दिल्ली के विधि विभाग की वरिष्ठ शिक्षिका प्रो. नुजहत परवीन, प्रो. रिजवान अहमद, प्रो. सूफियान इस्लाही प्रो. कमरुल हसन अंसारी, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी लखनऊ के कुलपति प्रो. जावेद मसर्रत और कलस्टर यूनिवर्सिटी जम्मू-कश्मीर के कुलपति प्रो. कयूम, प्रो. नफीस ए खान, प्रो. फुरकान कमर शामिल हैं।

कुलदीप जघीना हत्याकांड-कुख्यात अरुण फौजी पर पचास हजार रुपये का इनाम, ऐसे रखा जरायम की दुनिया में कदम

अलीगढ़। एक दशक पहले तक कई राज्यों की पुलिस अरुण फौजी के पीछे लगी थी, लेकिन पिछले लंबे समय से वह शांत था। खुद उसके गृह जनपद अलीगढ़ में पुलिस उसे भुला बैठी थी। उस पर अलीगढ़ में भले ही कम मामले दर्ज हैं लेकिन उसके कारनामे बड़े हैं। एक दशक पहले तक पश्चिमी यूपी, दिल्ली-एनसीआर, राजस्थान व हरियाणा पुलिस की आंखों की किरकिरी रहा कुख्यात अरुण उर्फ फौजी फिर सुर्खियों में है। भरतपुर पुलिस ने एनएजी कमांडो ट्रेनिंग प्राप्त कुख्यात पेशेवर अपराधी अरुण फौजी पर बहुचर्चित कुलदीप जघीना हत्याकांड में पचास हजार रुपये का इनाम घोषित किया है। इसके बाद राजस्थान पुलिस के साथ अलीगढ़ पुलिस और यूपी एसटीएफ भी सक्रिय हो गई है।

बता दें कि कुछ वर्ष पहले जेल से छूटने के बाद अरुण फौजी पत्नी बच्चों के साथ भरतपुर बस गया था। तब से वहीं रह रहा था। गत जुलाई माह में भाजपा नेता की हत्या के आरोपी कुलदीप जघीना की दिनदहाड़े पुलिस अभिरक्षा में टोल नाके के पास उस समय हत्या कर दी गई थी, जब पुलिस जयपुर जेल से उसे पेशी पर भरतपुर लेकर आ रही थी। पुलिस विवेचना में अरुण कुमार उर्फ फौजी उर्फ गुड्डा पुत्र हरीशरण जाट निवासी लौहर्रा थाना लोधा जिला अलीगढ़ हाल निवासी सूरजमल नगर थाना मथुरा गेट भरतपुर सहित यूपी के अन्य अपराधियों के नाम सामने आए थे। इनमें मथुरा के सौंख मगोर्रा का शेर सिंह उर्फ शेरा हाल जसवंत नगर थाना अटलबंद जिला भरतपुर का नाम भी शामिल है। अब एसपी भरतपुर की रिपोर्ट पर आईजी रूपिंदर सिंह ने अरुण फौजी सहित सभी चार फरार अपराधियों पर इनाम राशि 25 से बढ़ाकर 50-50 हजार रुपये कर दी है।

अरुण फौजी का आपराधिक इतिहास एक दशक पहले तक कई राज्यों की पुलिस अरुण फौजी के पीछे लगी थी, लेकिन पिछले लंबे समय से वह शांत था। खुद उसके गृह जनपद अलीगढ़ में पुलिस उसे भुला बैठी थी। उस पर अलीगढ़ में भले ही कम मामले दर्ज हैं लेकिन उसके कारनामे बड़े हैं। उसे पूर्व में राजस्थान की एक बैंक डकैती में सजा भी सुनाई जा चुकी है। जिसके बाद उसे 2015 में अपने पैतृक गांव ल्हौर्रा की प्रधानी गंवानी पड़ी थी। उसके साथ संदीप उर्फ निक्की ठाकुर निवासी हरदुआ थाना हरदुआगंज, सतपाल निवासी सरौता कुम्हेर भरतपुर, हरेंद्र उर्फ गुड्डा निवासी माती बसई थाना गोंडा, श्याम पाठक निवासी जसराना फीरोजाबाद को सजा सुनाई गई थी।

बहनोई की परिवारिक रंजिश में सेना का जवान बन गया जरायम का कुख्यात

अरुण फौजी सेना में 1994 में सेना में भरती हुआ। इसके बाद वर्ष 2000 में उसने मानेसर में एनएसजी कमांडो का प्रशिक्षण लिया और ग्रेडनर (हैंड ग्रेनेड फेंकने वाला) की ट्रेनिंग ली। कुछ समय के लिए वह यूपी में राज्यपाल की सुरक्षा फ्लीट में भी तैनात रहा। खैर में बहनोई की पारिवारिक व रिश्तेदारी की रंजिश से उसने जरायम दुनिया में कदम रखा। सेना से अवकाश पर आने के दौरान करीब 21-22 साल पहले बुलंदशहर में बैंक की कैश वैन लूटने में सिविल लाइंस इलाके से गिरफ्तार हुआ। इसके बाद उसने सेना से सेवानिवृत्ति ले ली और फिर अपराध की दुनिया में कूद गया। इस दौरान उसने राजस्थान, पश्चिमी यूपी, एनसीआर, मैनपुरी, हरियाणा में कई बड़े अपराध किए। इनमें सोनू गौतम के साथ श्रीधाम एक्सप्रेस हत्याकांड, एनसीआर से आईओसी इंजीनियर का अपहरण, अकराबाद में पूर्व विधायक के भतीजे को कार सहित हाईजैक कर लूटपाट करने, मैनपुरी में लूट सहित कई बैंक डकैतियां, अपहरण, हत्याओं आदि के 31 से ज्यादा अपराध एक दशक पहले तक उसके नाम पर दर्ज थे।

आईओसी इंजीनियर के अपहरण के मामले में उसे एसटीएफ ने मथुरा में गुड्डा संग गिरफ्तार हुआ। पंकज उर्फ भोला ने उसे मथुरा में पुलिस अभिरक्षा से छुड़ाया, इसके बाद में फरीदाबाद में पकड़ा गया। बाद में साथी नगनू की हत्या के बाद वह पंकज और सोनू गौतम से अलग हुआ।

सिपाही की हरकत

मूर्ति विसर्जन करने आए किशोर का फोड़ दिया सिर, घायल को घंटों बैठाए रखा चौकी पर

आगरा। थाना सिकंदरा की रुनकता चौकी में हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां मूर्ति विसर्जन करने आए एक किशोर का सिपाही ने सिर फोड़ दिया।

पीड़ित अपने चाचा के साथ शिकायत लेकर चौकी पर पहुंचा तो वहां भी उसे घंटों बैठा कर रखा गया। आगरा में रुनकता के रेणुका धाम पर मूर्ति विसर्जन करने आए मिढ़ाकुर के आसिफ पुत्र सालिगराम मंगलवार का सिर फोड़ दिया, आरोप एक सिपाही पर लगाया है। पुलिस घायल किशोर व उसके चाचा गोपाल को रुनकता चौकी पर ले आई। पुलिस ने अभद्रता का आरोप लगाते हुए पीड़ित के चाचा गोपाल सिंह को ही हवालात में डाल दिया। पुलिस ने घायल किशोर का मेडिकल तो दूर उसकी महरम पट्टी तक नहीं कराई।

परिजन की ओर से काफी अनुरोध करने के बाद पुलिस ने घायल को इलाज के लिए भेजा। किशोर के सिर में सात टांके लगे हैं। रात करीब ग्यारह बजे पुलिस ने घायल को बिना मेडिकल कराए घर भेज दिया।

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल व पुलिस कमिश्नर को ट्वीट के बाद कराया मेडिकल

देर रात रुनकता चौकी पर किसी ने घायल किशोर का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया के साथ आगरा पुलिस कमिश्नर को ट्वीट कर दिया। वीडियो में किशोर कह रहा है कि इन्हीं लोगों ने उसके सिर में डंडा मारा है और चाचा को ही बंद कर दिया है। मामला उच्चाधिकारियों के संज्ञान में आने के बाद पुलिस ने उसी रात करीब डेढ़ बजे घायल किशोर को घर से बुलाकर मेडिकल कराया। थाना प्रभारी सिकंदरा ने बताया कि मामला आपसी लड़ाई का है पुलिस ने किसी पर कोई वार नहीं किया है मुकदमा लिखकर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

अतीत का अलीगढ -1853 में अलीगढ़ में थी हिंदुओं की संख्या मुसलमानों से नौ गुनी, 1847 में हुई पहली जनगणना

अलीगढ़। राज्य सरकार ने एक शासनादेश के जरिए प्रदेश के सभी जिलों के लिए नया जिला गजेटियर तैयार करने का आदेश दिया है। उसके लिए कमेटियों का गठन किया जा रहा है। अलीगढ़ का अंतिम गजेटियर 1909 में तैयार किया गया था। लगभग 400 पेजों की इस पुस्तक में लगभग 114 साल पुराने अलीगढ़ के भूगोल, नदियों, प्रशासनिक व्यवस्था, सिंचाई व ड्रेनेज सिस्टम, पुलिस व्यवस्था आदि के बारे में विस्तार से वर्णन है। इस संबंध में अतीत का अलीगढ़ नाम से एक समाचार श्रृंखला शुरू की जा रही है। उम्मीद है कि पुराने अलीगढ़ के बारे में जानकारी पाठकों को रुचिकर लगेगी। कृपया अपनी राय से हमें अवगत कराएं। जिला अलीगढ़ में पहली बार जनगणना का प्रयास 1847 में किया गया था। सभी परगनाओं की आबादी को जोड़कर कुल जनसंख्या 739356 थी। हालांकि जनगणना को अवैज्ञानिक बताया गया था। इसके बाद 1852 में जनगणना कराई गई जिसके नतीजे 1853 में सार्वजनिक किए गए। इसके मुताबिक जिले की कुल जनसंख्या 1026690 थी। इनमें 480786 महिलाएं थीं। हिंदुओं की संख्या 916707 और मुसलिमों की तादात 109983 थी। अर्थात उस वक्त तक हिंदुओं की संख्या मुसलमानों की अपेक्षा लगभग नौ गुनी थी। जनसंख्या का औसत घनत्व 527 व्यक्ति प्रति मील था। कोल तहसील में यह घनत्व सबसे ज्यादा 744 व्यक्ति, हाथरस में 709 , चंडौस और गंगीरी में 390, टप्पल में 370 और बरौली में 360 व्यक्ति प्रति मील था।

1865 में पहली बार जाति और व्यवसाय को शामिल किया गया था जनगणना में

इसके पश्चात जनगणना का कार्य 1865 में किया गया। इस जनगणना में पहली बार जाति और व्यवसाय को शामिल किया गया था। हैरानी वाली बात यह थी कि इस जनगणना में अलीगढ़ जिले की आबादी में कमी दर्ज की गई थी। अंग्रेजों की ओर से तैयार कराए गए दस्तावेजों में जनसंख्या में कमी का कोई स्पष्ट कारण नहीं बताया गया था। लेकिन समझा जाता है कि इसकी प्रमुख वजह 1857 की क्रांति थी। जिसमें बड़ी संख्या में लोग या तो मारे गए थे अथवा जिले से इधर-उधर गए थे। कुल जनसंख्या 926754 दर्ज की गई थी। इनमें महिलाओं की संख्या 426008 थी। हिंदुओं की संख्या 823228 और मुसलमानों की संख्या 103360 थी। 1872 में कराई गई जनगणना में जनसंख्या में दोबारा वृद्धि दर्ज की गई। अलीगढ़ जिले की कुल जनसंख्या 1073256 दर्ज की गई थी। इनमें 495928 महिलाएं थीं। 955044 हिंदू थे जबकि 117911 मुसलमान थे।

अकाल और बीमारियों ने 1881 में फिर घटा दी जनसंख्या

1881 की जनगणना में मामूली तौर पर जनसंख्या में कमी दर्ज की गई। जिले की कुल जनसंख्या 1021187 थी। इनमें 469903 महिलाएं थीं। जनसंख्या में कमी की मुख्य वजह अकाल और बीमारियों का असर बताई गई थी। पड़ोसी जिलों मथुरा, आगरा और एटा में भी अकाल और बीमारियों का व्यापक असर देखा गया था। इस जनगणना में हिंदुओं की संख्या 901144 और मुसलमानों की संख्या 1021187 थी।

अकाल और बीमारियों से इस दशक में काफी हदतक निजात मिल गई थी। इसका असर जनसंख्या में भी देखने को मिला था। 1891 में कुल जनसंख्या 1043172 दर्ज की गई थी। इनमें महिलाओं की संख्या 484429 थी। हिंदुओं की संख्या 918730 और मुसलमानों की संख्या 120338 थी। 4104 अन्य धर्मों के लोग थे जिनमें बहुतायत में सिख और ईसाई थे। इस दशक में जनसंख्या में बढ़ोतरी के बावजूद खैर, इगलास और कोल तहसीलों में जनसंख्या में कमी दर्ज की गई।

1896-97 के अकाल के बावजूद 1901 की जनगणना में बढ़ी आबादी

1896-97 में बड़ा अकाल पड़ा था। इसके बाद भी जिले की जनसंख्या में वृद्धि दर्ज की गई थी। पड़ोसी जिलों मेरठ, बुलंदशहर, एटा और आगरा में भी जनसंख्या में बढ़ोतरी दर्ज की गई थी। 1901 में जिले की कुल जनसंख्या 1200822 दर्ज की गई। सबसे ज्यादा वृद्धि अतरौली और सिकंदराराऊ में देखी गई। जिले में औसत जनसंख्या घनत्व 617 व्यक्ति प्रति मील था। हाथरस और अलीगढ़ में यह घनत्व 776 जबकि अतरौली में 577 और इगलास में 557 व्यक्ति प्रति मील था। सबसे कम जनसंख्या घनत्व खैर में 439 व्यक्ति प्रति मील दर्ज किया गया था।

निजी बसों के चालक और परिचालकों के बीच रंजिश, हेल्पर को कुचल कर मार डाला, लापरवाही के मामले में केस

अमरोहा। हरदोई से दिल्ली जा रही बस संचालकों के बीच रंजिश की बात सामने आई है। इसमें एक हेल्पर की जान चली गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले में केस दर्ज कर लिया गया है। हरदोई से दिल्ली को चलने वाली निजी बसों के चालक और परिचालकों के बीच रंजिश सामने आई है। जिसके चलते एक बस के हेल्पर बुलंदशहर के हनीफ गड़ी निवासी खालिद (25) को दूसरी बस के चालक ने कुचल दिया। जिससे उसकी मौत हो गई। मौके पर पहुंचे परिजनों ने पहले टक्कर मारकर हत्या का आरोप लगाया, बाद में लापरवाही से वाहन चलाकर मृत्यु करने का केस दर्ज कराया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सीओ सिटी विजय कुमार राणा ने बताया कि बुलंदशहर जनपद के स्याना थानाक्षेत्र के मोहल्ला चौधरियन में ताहिर का परिवार रहता है। उनकी एक बस पर मेरठ जनपद के कठौर निवासी मारूफ चालक, हापुड़ जनपद के सिंभावली थानाक्षेत्र के वैट निवासी जावेद परिचालक हैं।

बुलंदशहर के हनीफ गड़ी निवासी खालिद हेल्पर था। मंगलवार को ताहिर की बस यात्रियों को लेकर हरदोई से दिल्ली जा रही थी। जबकि हरदोई से ही एक और बस पीछे-पीछे चल रही थी। इस बस को हापुड़ जनपद के दौतई गांव निवासी जावेद चल रहा था। लेकिन इस बस के चालकों व परिचालकों ने मुरादाबाद पहुंचने पर ताहिर ग्रुप की अन्य बसों के शीशे तोड़ दिए। इसके बाद आरोपियों ने जोया के पास आकर गाड़ी में तोड़फोड़ की। इसके बाद चालक मारूफ ने बस को जोया से आगे आनंद विहार कॉलोनी के सामने खड़ी कर लिया। इस दौरान हेल्पर खालिद बस के आगे साइड में खड़ा था। तभी दूसरी बस के चालक जावेद ने पीछे से आकर हेल्पर खालिद को कुचल दिया। जिससे उसकी खालिद की मौके पर मौत हो गई। इसके बाद आरोपी चालक जावेद मौके से भाग निकला। सीओ ने बताया कि मामले में बस मालिक ताहिर की शिकायत पर दूसरी बस के चालक जावेद के खिलाफ तेज व लापरवाही से वाहन चलाकर मृत्यु करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। उसे जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

ग्राम पंचायत लहदवर के प्रधान पद की पुन: मतगणना 27 को होगी

अमरोहा। बीते करीब डेढ़ साल से अदालत में चल रही कार्यवाही के बाद विकास खंड की ग्राम पंचायत लहदवर के प्रधान पद की मतगणना 27 अक्तूबर को उपजिलाधिकारी न्यायालय में कड़ी सुरक्षा के बीच होगी। गौरतलब है कि वर्ष 2021 में हुए पंचायत चुनाव में लहदवर के प्रधान पद पर प्रेम सिंह अपने निकटतम प्रत्याशी चंद्रपाल सिंह को तीन मतों से हराकर विजयी घोषित किए गए थे। पराजित प्रत्याशी चंद्रपाल सिंह ने मतगणना में धांधली का आरोप लगाते हुए एसडीएम न्यायालय में दोबारा मतगणना कराने की याचिका दायर की थी। बीते करीब डेढ़ साल से एसडीएम कोर्ट में इस वाद की सुनवाई चल रही थी। बीते शुक्रवार को इस वाद की सुनवाई में प्रधान पक्ष को अपने पक्ष में साक्ष्य प्रस्तुत करने का अंतिम अवसर दिया गया था। याचिका पर अपना फैसला देते हुए एसडीएम न्यायिक चंद्रकांता ने 27 अक्तूबर को दोबारा मतगणना कराने के आदेश दिए हैं। उन्होंने सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी पंचास्थानी को मतपत्रों व अन्य अभिलेखों को प्रस्तुत करने के आदेश दिए हैं। एसडीएम न्यायिक के आदेश के बाद ग्राम लहदवर में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है।

अभी 11 ग्राम पंचायतों की पुन-मतगणना संबंधी याचिकाएं लम्बित

विकास खंड धनौरा व गजरौला के 11 ग्राम पंचायतों के प्रधान पद की पुन-मतगणना संबंधी याचिकाएं अदालत के समक्ष विचाराधीन हैं। विकास खंड धनौरा की ग्राम पंचायत लहदवर के प्रधान पद की पुन-मतगणना के आदेश होने पर शेष ग्राम पंचायतों के याचिकाकर्ताओं को शीघ्र सुनवाई की उम्मीद जगने लगी है। विकास खंड धनौरा व गजरौला की ग्राम पंचायत मल्हुपुरा, कौराला, मोहसनपुर, सिंहाली गौसाई, सलेमपुर गौसाई, नौनेर, रहमापुर माफी, शेरपुर मुस्तकम, फाजलपुर माफी, शरीफपुर शुमाली, सुनपुरा कलां के प्रधान पद की मतगणना में धांधली का आरोप लगाते हुए पुन-मतगणना की याचिकाएं एसडीएम कोर्ट में विचाराधीन हैं।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत

अमरोहा। कोतवाली क्षेत्र के गांव में महिला की संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई। मायके वालों ने ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेजा है। कानूनी कार्रवाई की जा रही है। मंडी धनौरा क्षेत्र के गांव चुचैला कलां निवासी मरहूम हाजी अली हसन ने 2016 में अपनी बेटी रुखसाना की शादी हसनपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव अगरौला कलां निवासी नजाकत के साथ की थी। बुधवार को 33 वर्षीय रुखसाना की संदिग्ध परिस्थितियों में घर ही मौत हो गई। मौत की सूचना मिलते ही मायके वाले मौके पर पहुंच गए। ससुराल वालों पर दहेज के लिए विवाहिता की हत्या करने का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस पहुंच गई। पुलिस ने हंगामा कर रहे लोगों को कार्रवाई का आश्वासन देकर शांत कराया। मृतका के भाई नूर हसन ने बताया कि बहन के ससुराल वाले बार-बार दहेज लाने के लिए उसके साथ मारपीट करते थे। उसकी गला दबाकर हत्या की गई है। सीओ अरुण कुमार ने बताया कि शव पोस्टमार्टम को भेजा है।

पति की हत्या कर लाश घर में रखने वाली पत्नी का ये थे प्लान, पुलिस ने मंसूबों पर फेरा पानी

आगरा। आगरा में बैंक प्रबंधक सचिन उपाध्याय हत्याकांड में नया खुलासा हुआ है। आरोपी पत्नी हत्या की पुष्टि होने पर गिरफ्तारी से बचने के लिए बीमारी का बहाना बनाकर अस्पताल में भर्ती हो गई। अभी तक आरोपी प्रियंका पुलिस के हाथ नहीं लगी है।

आगरा में बैंक प्रबंधक सचिन उपाध्याय हत्याकांड में आरोपी मृतक की पत्नी प्रियंका पुलिस के हाथ नहीं आ सकी है। हालांकि पुलिस ने पत्नी की तरफ से महिला थाने में लिखाया दहेज उत्पीड़न का मुकदमा खारिज कर दिया। यह माना गया कि मुकदमा फर्जी तरीके से लिखाया गया। उधर, मृतक के परिजन ने पुलिस कार्रवाई पर सवा उठाए हैं। रामरघु एग्जॉटिका कॉलोनी, ताजगंज निवासी सचिन उपाध्याय शमसाबाद स्थित बैंक में प्रबंधक के पद पर कार्यरत थे। उनकी 11 अक्तूबर रात को हत्या कर दी गई थी। 12 अक्तूबर को पुलिस को आत्महत्या की सूचना दी गई थी। 13 अक्तूबर को पोस्टमार्टम हुआ। इसकी रिपोर्ट में हत्या की पुष्टि हुई। पुलिस ने मृतक के पिता की तहरीर पर बहू प्रियंका उर्फ मोना, बेटे के ससुर कलेक्ट्रेट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष बृजेंद्र सिंह रावत और साले कृष्णा रावत के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराया। इससे पहले ही 17 अक्तूबर को प्रियंका की ओर से महिला थाने में दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज किया गया था। इसमें उन्होंने ससुरालियों पर उत्पीड़न के आरोप लगाए थे।

यह भी लिखा था कि पति ने आत्महत्या कर ली। डीसीपी सिटी सूरज राय ने बताया कि महिला थाना में मुकदमा सचिन की हत्या के बाद लिखाया गया था। मुकदमा खारिज कर दिया गया है। वहीं आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है।

गिरफ्तारी के लिए दबिश का नाटक कर रही पुलिस

मृतक सचिन के पिता केशव शर्मा ने बताया कि वह 14 दिन से थाने के चक्कर काट रहे हैं। उनसे बोल दिया जाता है कि पुलिस कार्रवाई कर रही है। मगर, पुलिस शुरू से ही लापरवाही कर रही है। आरोपी पहले ही दिन पकड़ लिए जाते, लेकिन पुलिस ने कुछ नहीं किया। हत्या की पुष्टि होने पर गिरफ्तारी के लिए दबिश का नाटक किया जा रहा है। पुलिस पहले ही दिन प्रियंका को पकड़ सकती थी। वह बीमारी का बहाना बनाकर अस्पताल में भर्ती हुई थी। तब महिला थाने के विवेचक बयान लेने गए थे।

हत्याकांड के बाद लापरवाही करने वाली पुलिस क्या साक्ष्य जुटा पाएगी ? उठ रहे सवाल

- पुलिस ने प्रियंका को नोटिस देने का दावा किया। क्या दबिश दी गई ?
- कलेक्ट्रेट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष भी नामजद हैं। क्या उनसे पूछताछ हुई ?
- फरार आरोपियों के कोर्ट से वारंट क्यों नहीं लिए गए ? इतनी देरी क्यों ?
- पुलिस ने क्राइम सीन को दोहराने की बात कही थी। यह क्यों नहीं किया गया ?

प्रेम कहानी का दर्दनाक अंत-मिंटू और हजरुन की मौत मामले में बड़ा खुलासा

अमरोहा। अमरोहा के हसनपुर में तीन माह पहले प्रेम विवाह करने वाले मिंटू (22) और उसकी पत्नी हजरून (18) गांव रुखालू में स्थित अपने घर में मृत पाए गए। दोनों की मौत फंदे पर लटकने से हुई थी। पुलिस ने अलग-अलग रीति-रिवाज से दोनों का अंतिम संस्कार करा दिया। अमरोहा के हसनपुर कोतवाली इलाके के गांव रुखालू में मजदूर मिंटू और उसकी पत्नी हजरुन की मौत फंदे पर लटकाने से हुई थी।

इसकी पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हुई है। दोनों शवों का पोस्टमार्टम डॉ. सुदीप गुप्ता, डॉ. रमाशंकर और डॉ. इमरान की तीन सदस्य टीम ने किया। इस दौरान पूरे पोस्टमार्टम की वीडियोग्राफी भी कराई गई। मिंटू हिंदू वर्ग से ताल्लुक रखता है, जबकि जहरुन मुस्लिम है। पोस्टमार्टम करने के बाद पुलिस ने मिंटू का हिंदू और हजरुन का मुस्लिम रीति रिवाज से अंतिम संस्कार कराया। तीन महीने पहले प्रेम विवाह करने वाले मिंटू और हजरुन ने आत्महत्या क्यों की पुलिस इसकी जांच में जुटी है। ये घटना मंगलवार को हुई थी। गांव में किसान खानचन्द के परिवार में पत्नी नन्ही के अलावा तीन बेटे हैं। नन्ही और उनके बेटे हरियाणा में मजदूरी करते थे। जबकि खानचन्द गांव में रहकर खेती बाड़ी करते हैं। हरियाणा में उनके बेटे मिंटू की मुलाकात महाराजगंज जनपद के चटिया टोला गांव निवासी हजरुन से हुई थी।

जिसके बाद करीब तीन महीने पहले मिंटू हजरुन को शादी करके अपने गांव ले आया। दोनों ने प्रेम विवाह किया था। मंगलवार की सुबह खानचंद खेत पर गए थे। मिंटू और उसकी पत्नी हजरुन घर पर थे। शाम करीब पांच बजे खानचंद खेत से लौटे तो मिंटू और उसकी पत्नी के शव घर के कमरे में फंदे पर लटके हुए थे। मिंटू के मुंह से झाग आ रहे थे। हजरुन सामान्य अवस्था में थी। दंपती को फंदे पर लटकता देखकर खानचंद के होश उड़ गए। उन्होंने शोर मचा दिया। जिसके बाद ग्रामीणों दोनों शवों को नीचे उतरा और गांव के चिकित्सक को मौके पर बुलाकर जांच कराई। जिसने दोनों को मृत घोषित कर दिया था।

सूचना मिलते ही सीओ अरुण कुमार सिंह, कोतवाल विनय कुमार और नायब तहसीलदार महेंद्र सिंह घटनास्थल पहुंच गए थे। एसपी कुंवर अनुपम सिंह के निर्देश पर फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए थे। बाद में पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था।

दो साल पहले मिंटू के भाई ने भी फंदे पर लटककर की थी आत्महत्या

हसनपुर क्षेत्र के गांव रूखालू में मरने वाला युवक मिंटू के भाई ने भी दो साल पहले फंदे पर लटककर आत्महत्या की थी। अभी परिवार उसकी मौत का गम भुला नहीं पाया था। अब मिंटू की भी मौत होने से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

मिंटू चार भाइयों में दूसरे नंबर का था। मिंटू ने तीन माह पहले प्रेम विवाह किया था। अभी किसी दूसरे भाई की शादी नहीं हुई थी। मिंटू के पिता खानचंद के सबसे बड़ा बेटा चंद्रपाल, उससे छोटा मिंटू, फिर अशोक और सबसे छोटा बेटा है रवि है। मिंटू से छोटे भाई अशोक की दो वर्ष पूर्व मौत हो गई थी। उसने भी आत्महत्या की थी। परिवार के लोग अशोक की मौत का गम भुला नहीं पाया था और अब मिंटू की भी मौत हो गई है। जिससे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट गया है।

मिंटू की दिल्ली में हुई थी हजरून से मुलाकात

महाराज गंज की हजरून से प्रेम विवाह करने वाले मिंटू की मुलाकात की प्रेम कहानी का अंत उसके गांव रूखालू में हो गया। हालांकि यह प्रेम कहानी दिल्ली से शुरू हुई थी। सीओ अरुण कुमार ने बताया कि पुलिस पूछताछ में मिंटू की मां नन्हीं ने बताया कि मिंटू की हजरून से पहली मुलाकात दिल्ली में हुई थी। जहां से दोनों की प्रेम कहानी शुरू हुई थी। जिसके बाद दोनों ने प्रेम विवाह कर लिया था। एएसपी व सीओ ने कई घंटे मिंटू के परिजनों से पूछताछ की।

हजरून की मां बोली, ससुराल वाले करेंगे शव को सुपुर्द ए खाक

हसनपुर के कोतवाली क्षेत्र के गांव रूखालू निवासी मिंटू से प्रेम विवाह करने वाली महाराज गंज की हजरून के शव को गांव रूखालू में सुपुर्द ए खाक कर दिया गया। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक विनय कुमार ने बताया कि महाराजगंज की पुलिस की सहायता से हजरून के गांव में उसकी मां से दूरभाष पर वार्ता की गई। जिसे घटना की जानकारी दी गई। हजरून की मां ने कहा कि उसने प्रेम विवाह की जानकारी हमें दी थी। उसकी ससुराल वाले ही शव को सुपुर्द ए खाक करेंगे। मां ने कहा कि रूखालू काफी दूर हैं। वहां पहुंचने में समय लगेगा।

ममता पर सवाल, झाड़ियों में मिली आठ दिन की बालिका

अलीगढ़। खैर में एक मई 2020 को भी इसी तरह की घटना हुई थी। बिना गर्भनाल काटे ही हाल की जन्मी बालिका को कोई गोंदाली नहर पटरी पर डाल गया था। उस समय भी ग्रामीणों के सहयोग से पुलिस ने उसे सकुशल बचा कर चाइल्ड केयर के सुपुर्द किया था।

खैर में मां की ममता पर सवाल उठे हैं। रात के अंधेरे में कोई मां अपनी आठ दिन की नवजात बेटी को भोपा नगला के निकट झाड़ियों में रख कर चली गई। सुबह सवेरे बालिका के रोने की आवाज ग्रामीणों ने सुनी तो पुलिस को सूचना दी गई। इस पर इंस्पेक्टर खैर महिला पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे और बालिका को अपने साथ थाने ले गये। उसे स्वास्थ्य जांच के बाद वन स्टॉप सेंटर अलीगढ़ भेजा गए, लेकिन वहां के संचालक ने बालिका को रखने से इंकार कर दिया। बालिका को गांव के एक युवक के सुपुर्द किया गया है। उसे गांव भोपानगला निवासी अमित कुमार पुत्र शिवचरन लाल के सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस ने इससे पहले बालिका के परिजनों की खोजबीन शुरू की, लेकिन पता नहीं चला। सीएचसी में चिकित्सकों ने उसके स्वास्थ्य की जांच कर उसे दूध पिलाया गया। बकौल इंस्पेक्टर बन स्टॉप सेंटर के संचालक ने पहले से ही चौदह बच्चे होने तथा इंतजामात ना होने का हवाला देकर बालिका को रखने से मना कर दिया। जिस पर पुलिस बालिका को वापस ले आई थी।

अपनों ने छोड़ा तो गैरों ने बढ़ाए हाथ

कोई मां इतनी निर्दयी कैसे हो सकती है? यही बात बच्ची को देखने पहुंचे लोगों की जुबां पर थी। बच्ची को गोद लेने के लिए थाने में दंपतियों की लाइन लग गई। इंस्पेक्टर सुबोध कुमार ने उन्हें समझाया कि वह बालिका को वन स्टॉप सेंटर में छोड़ने जाएंगे। गोद लेने के लिए जिला प्रोबेशन अधिकारी के समक्ष आवेदन कर विधिक प्रक्रिया अपनानी होगी। यह सुनकर कई दंपती वापस चले गये थे। बाद में वन स्टॉप संचालक ने ही बालिका को रखने में हाथ खड़े कर दिये। फिलहाल गांव के अमित को बालिका सुपुर्द की गई है। अमित को नौ साल से संतान की आस है। वह भी सुबह पत्नी के साथ गुहार लगाने थाने पहुंचा था।

मई 2020 में बालिका मिली थी

खैर में एक मई 2020 को भी इसी तरह की घटना हुई थी। बिना गर्भनाल काटे ही हाल की जन्मी बालिका को कोई गोंदाली नहर पटरी पर डाल गया था। उस समय भी ग्रामीणों के सहयोग से पुलिस ने उसे सकुशल बचा कर चाइल्ड केयर के सुपुर्द किया था।

जिन कौमों ने अपने इखलाकों किरदार बिगाड़ लिये उनका अन्जाम इन्तिहाई अफसोस नाक -हज़रत सैय्मद अय्यूब अशरफ किछौछवी

या गौस अल मद्द की सदाओं के साथ शानोशौकत के साथ हज़रत सैय्यद अय्यूब अशरफ की कयादत में निकला जुलूस-ए-गौसिया

लखनऊ कार्यालय

लखनऊ । ऑल इण्डिया मोहम्मदी मिशन के तत्वाधान में चौक स्थित दरगाह हज़रत मख्दूम शाहमीना से जुलूस-ए-गौसिया, या गौस अल मद्द की सदाओं के साथ बड़ी ही शानो व शौकत के साथ हज़रत सैय्यद अय्यूब अशरफ की कयादत में निकाला गया जिसमें शहर की अन्जुमनों ने शिरकत की अन्जमुन घोडे बग्घी, और विभिन्न प्रकार की झाँकियों और झण्डे बैनरों, तख्तियो से पूरा महौल को खुशनुमा बना रही थी। अन्जुमन विभिन्न मार्गो के साथ खुले झण्डे बैनर के साथ दरगाह हज़रत मख्दूम शाहमीना सुबह 10 बजे पहुचना शुरू हो गया। जुलूस-ए-गौसिया की कयादत औलादे गौसे आज़म हज़रत सैय्यद अय्यूब अशरफ संस्थापक व राष्ट्रीय अध्यक्ष ऑल इण्डिया मोहम्मदी मिशन ने की। जुलूस-ए-गौसिया का नेतृत्व मोहम्मदी मिशन संरक्षक औलादे गौसे आज़म जानशीन-ए-मख्दूम-ए-सिमना आले रसूल हज़रत सैय्यद याकूब अशरफ किछौछवी, हाजी अब्दुल मन्नान मुशाहिदी, सैय्यदी आरिफ मियाँ नक्शबन्दी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शाकिर अली मिनाई उर्फ बाबू भाई, महासचिव सैय्यद शहाबुद्दीन, प्रधान सचिव सैय्यद बाबर अशरफ, मिशन कोषाध्यक्ष मोहम्मद फरीद, मिशन यूथ अध्यक्ष सैय्यद मोहम्मद अहमद मियाँ, प्रवक्ता सैय्यद जुनैद अशरफ के साथ साथ शहर के तमाम आईमाए मसाजिद व अधिक संख्या में श्रधालुओं आदि ने शिरकत की।

जुलूस-ए-गौसिया हज़रत मख्दूम शाहमीना की दरगाह से लगभग दोपहर 12:00 बजे बरामद हुआ और मेडिकल चौराहे होता हुआ मेडिकल कालेज स्थित दरगाह हज़रत हाजी उल हरमैन शाह के आस्ताने पहुचा जहॉ फातेहा, सलातो सलाम व देश प्रदेश के लिए दुआ के साथ ही साथ आई हुई अवाम के हक में दुआ की गयी और वृक्षारोपण पीर ज़ादा नासीर अली मिनाई यूथ उपाध्यक्ष ऑल इण्डिया मोहम्मदी मिशन के हाथों से हुआ वही ऑल इण्डिया मोहम्मदी मिशन के संस्थापक व राष्ट्रीय अध्यक्ष हज़रत सैय्यद अय्यूब अशरफ ने कहा कि मिशन हमेशा शासन/प्रशासन से मांग करता चला आ रहा है कि जुलूस-ए-गौसिया के लिए माकूल इन्तेजाम किया जाए। हम कभी नही चाहते कि जुलूस की वजह से किसी को कोई परेशानी हो हमने मांग भी कि थी जुलूस-ए-गौसिया दरगाह हज़रत मख्दूम शाहमीना से खदरा स्थिति दरगाह शाहदोशी बाबा भेजने की व्यवस्था कि जाए जो एक चिन्ता का विषय है।

श्री अशरफ ने गौसे आज़म कि जिन्दगी पर रोशनी डालते हुए कहा कि गौसे आज़म का एखलाके हसना इतना बुलन्द था कि आप इतने जाहो जलाल इज़्ज़तो मरतावा, उलू-ए-शान वुसअते इल्म के बावजूद बिला झिझक गरीबो के साथ बैठ जाते, फकीरों के साथ इज़्ज़ों इनकेसारी से पेश आते बड़ों की इज़्ज़त करते, छोटे पर नज़रे इनायत फरमाते लोगो से खनदा पेशानी से पेश आते लेकिन आज हम कहा पहुच चुके है हमें गौस पाक कि जिन्दगी से सिखना चाहिए। दुनिया में जिन कौमों ने अपने एखलाकों किरदार बिगाड़ लिये उनका अन्जाम इन्तिहाई अफसोस नाक व इबरत खेज बनकर सामने आया और इसी ज़मीन के ऊपर वह बुरी तरह नेस्तो नाबूद कर दी गये। दौरे हाज़िर के मुसलमानों ही पर अगर एक नज़र डालकर देखियें, अभी ताजे शाही खोये हुये एक दो सदी भी नही गुज़री लेकिन यह मुल्क की सबसे पस मानदा कौम बन गये है। और इसके बवजुद अपने को बदलने को तैयार नही है थोड़ा उरूज देखकर अपना मिजाज़ बदलने लग जाते है और कौम में तफरेका फैलाने का काम करने लगते है मगर अपनी हकिकत भुल जाते है। आज ज़रूरत है इत्तेहाद और इतेफाक की, देश के हालात दिन पर दिन बिगड़ते चले जा रहे है नफसा नफसी का हाल है हमे सुझबुझ से काम लेना चाहिए। जुलूस की वापसी के उपरान्त दरगाह शाहमीना में जुमा कि नमाज़ औलादे गौसे आज़म हज़रत जानशीने मख्दूम ए सिमना मौलाना सैय्यद मोहम्मद हसन असकरी किछौछवी ने पढ़ाई और देश प्रदेश और आई हुई जनता तथा मज़लूम फिलिस्तीन के मुसलमानो के लिए खुसूसी दुआ हुई। जश्न-ए-गौसुल वराह की शुरूआत कारी मोहम्मद अहमद ने तिलावते कुरआन -ए-पाक से की नात व मन्कबत, कारी अब्दुल हनान, मौलाना ज़ाकिर मिनाई आदि ने पेश किया निज़ामत के फराएज़ कारी गुलाबुद्दीन ने अन्जाम दिया। सैय्यद मुख्तार अशरफ व मौलाना जाकिर मिनाई ने गौसे आज़म पीर अब्दुल कादरी जिलानी की जिन्दगी पर रौशनी डाली। बाद नामज़ जुमा ऑल इण्डिया मोहम्मदी मिशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष पीरज़ादा शाकिर अली मिनाई ने बड़े ही फराक दिली से लंगर का एहतामम किया और मिशन के प्रधान सचिव हज़रत सैय्यद बाबर अशरफ ने आई हुए तमाम अन्जुमनों के जिम्मेदारों, पत्रकार बन्धुओं, शासन/प्रशासन का शुक्रिया अदा किया जुलूस-ए-गौसिया में मुख्य रूप से इदरीस नूरी, मोहम्मद अय्यूब, मक्सूद अशरफ सिद्दीकी मोहम्मद सईद, मोहम्मद नौशाद, ताज मोहम्मद, मौलाना अशरफ हुसैन, कारी अब्दुल हन्नान, कारी मोहम्मद अहमद, कारी गुलाबुद्दीन, मौलाना आज़म अली कादरी, कारी इफतेखार आलम, मौलाना असलम चिश्ती, मौलाना जाकिर मिनाई, मौलाना आफताब, कारी शरफुद्दीन, कारी मुईन, कारी इसराईल, पीर मोहम्मद, सईद वारसी, कारी मोहम्मद अकील कारी फारूक अब्दुल कादिर, मोहम्मद अफज़ल, सैय्यद मोहम्मद, सैय्यद अफज़ाल अशरफ आदि ओलमा-ए-एकराम आइम्माए मसाजिद आदि शामिल हुए।

स्वच्छता अभियान के अंतर्गत सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की विभिन्न मीडिया इकाइयों में चला सफाई अभियान

लगभग सात हजार किलोग्राम रद्दी तथा कबाड़ का निस्तारण किया गया और तीन हजार छै सो से अधिक पुरानी फायले हटाई गयीं

लखनऊ कार्यालय

लखनऊ । स्वच्छता अभियान 3.0 पूरे देश में स्वच्छता और जागरूकता बढ़ाने की दिशा में केंद्र सरकार का एक महत्वपूर्ण कदम है. मुख्य अभियान 02 अक्टूबर, 2023 से शुरू हुआ और 31 अक्टूबर, 2023 तक चलेगा। अभियान के दौरान, कार्यालयों में कार्यस्थल की जगह बढ़ाने और स्वच्छता पर जनता के बीच जागरूकता पैदा करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सोशल मीडिया, बैनर, पोस्टर और आकर्षक पेंटिंग प्रतियोगिताओं सहित कई माध्यमों से इस अभियान के बारे में सार्वजनिक जागरूकता फैलाई जारही है है। केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालय और विभाग अपने अपने स्तर से स्वच्छता को लेकर कार्य कर रहे हैं. सूचना और प्रसारण मंत्रालय देश के विभिन्न भागों में स्थित इसके अधीनस्थ/संबद्ध कार्यालयों में विशेष अभियान 3.0 सुचारु रूप से संचालित कर रहा है जिसमें आउटडोर और इंडोर अभियान चलाए गए हैं. कार्यालयों और बाहर के स्थानों को स्वच्छ किया गया है तथा कबाड़ और पुराने समानों का निपटान किया गया है।कार्यालयों में कागजी फाइलों और ई-फायलों की समीक्षा की गई और अनुपयोगी फायलो को नष्ट कर स्थान रिक्त किये जारहे है.

मंत्रालय इस अभियान में किए गए प्रयासों के प्रचार के लिए सोशल मीडिया और अन्य प्लेटफार्मों का सक्रिय रूप से उपयोग कर रहा है। स्वच्छता के संदेश को फैलाने और जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए अन्य माध्यमों सहित मंत्रालय के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से ट्वीट पोस्ट/री-पोस्ट किये गये हैं। इस दौरान पत्र सूचना कार्यालय, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के महानिदेशक श्री योगेश बवेजा ने स्वच्छता अभियान 3.0 के तहत लखनऊ स्थित सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की विभिन्न मीडिया इकाइयों पीआईबी, केंद्रीय संचार ब्यूरो, प्रकाशन विभाग तथा प्रसार भारती के अंतर्गत दूरदर्शन और आकाशवाणी के कार्यालयों और स्थलीय निरिक्षण किया और आवश्यक दिशा निर्देश दिए । गौरतलब है की स्वच्छता अभियान के तहत सरकारी कार्यालयों द्वारा बेकार और अनुपयोगी सामान की निकासी का कार्य भी इस दौरान किया जा रहा है। इन कार्यालयों में पुरानी फाइल के अलावा ई- फाइलों का भी निपटारा हो रहा है। पत्र सूचना कार्यालय लखनऊ द्वारा इस अभियान के दौरान लगभग 5000 किलो कबाड़ तथा पुराने सामान का निष्पादन कर लगभग 89 हजार रूपये अर्जित कर सरकारी कोष में जमा कराये.

मंशा देवी मंदिर में हुआ रात्रि जागरण प्यारा सजा है मैया तेरा द्वार भवानी

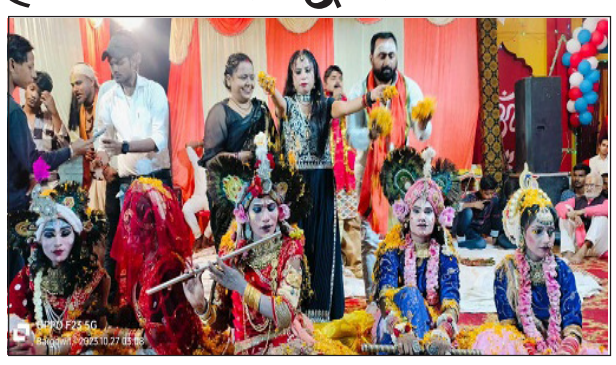

त्रिगुट संवाददाता

गोंडा। जनपद के बड़गांव स्थित मंशा देवी मंदिर में गुरुवार की रात देवी जागरण का आयोजन किया गया जिसमें भजनों की शुरुआत गणेश वंदना से भजन गायक रमन गुप्ता ने किया।और उन्होंने ने गाया - कब आओ गे,देर न हो जाए कही देर न हो जाए... मैया का चोला है रंग लाल...आदि कई भजनों की हाजिरी लगाई। उसके बाद बस्ती की भजन गायिका कोमल मिश्रा ने गाया - फूलों से सजाया है दरबार मेरी मैया ... प्यारा सज़ा हे मैया तेरा द्वार भवानी..मेरा आपकी कृपा से सब काम हो रहा है आदि कई भजनों की प्रस्तुति दी। भजनों पर भक्त जन खूब झूमे।और लखनऊ से आशीष अलबेला झांकी ग्रुप द्वारा झांकी दिखाई गई झांकी में श्री गणेशजी,राधाकृष्ण,मोरनी ,शंकर पार्वती,राम दरबार,मां दुर्गा, मां काली आदि कई तरह की झांकी दिखाई गई जिसमें भक्त भाव विभोर हो गए। आशीष अलबेला,अवनी,रजनी,विजय, अतुल, रौनक, आज़ाद ने झांकी में अहम भूमिका निभाई।उसके बाद तारा रानी की कथा सुनाई गई। इस दौरान मंशा देवी के पुजारी योगी संजोग नाथ, विजय यादव,संजय श्रीवास्तव, प्रदीप विश्वकर्मा,जगदम्बा यादव,राजू श्रीवास्तव,सोनू,राम कृपाल,शनी, हनुमान कसौधन ,गोपाल चौरसिया, अन्ना,गोपाल गुप्ता, रोहित श्रीवास्तव,, राजेश वर्मा,रवि शंकर यादों सहित अन्य भक्तगण मौजूद रहे।

थाना खोडारे की एंटी रोमियो टीम द्वारा स्कूलों पर जाकर छात्र-छात्राओं एवं महिलाओं को किया जागरूक

जनक राम वर्मा

अलावल देवरिया (गोंडा)।पुलिस अधीक्षक गोण्डा अंकित मित्तल के निर्देशन में मिशन शक्ति अभियान के तहत थाना खोड़ारे की एंटी रोमियो टीम द्वारा विभिन्न स्कूलों पर जाकर छात्र-छात्राओं/महिलाओं को जागरूक कर, विभिन्न हे0ला0 नंबरों 1090,112,1930 आदि की जानकारी दी गई। पुलिस अधीक्षक गोंडा अंकित मित्तल के निर्देशन पर थाना खोडारे एंटी रोमियो टीम द्वारा थाना क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर स्कूलों पर जाकर छात्र-छात्राओं एवं महिलाओं को जागरुक करते हुए सुरक्षा के बताएं उपाय शुक्रवार को विभिन्न स्कूलों पर जाकर एंटी रोमियो टीम द्वारा छात्र-छात्राओं में महिलाओं को जागरूक किया गया तथा

उन्हें प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न हेल्पलाइन नंबर के बारे में जानकारी दी गई इस दौरान एंटी रोमियो टीम द्वारा छात्र छात्राओं एवं महिलाओं को जागरुक करते हुए बताया कि मोबाइल के जरिए होने वाले साइबर अपराध से बचे अगर किसी अनजान नंबर से आपके मोबाइल पर फोन आता है और वह आपसे आपका बैंक अकाउंट नंबर आधार कार्ड नंबर या ओटीपी मांगता है तो कतई ना दें नहीं तो आप ठगी के शिकार हो जाएंगे।

इसीलिए सभी लोग ऐसे नंबर से सावधान रहे अगर कभी भी कोई परेशानी हो तो तुरंत दिए गए हेल्पलाइन नंबर पर फोन करके मदद ले।

भारत मसाला ने मंडल में किया विस्तार, सुपर स्टॉकिस्ट बने पवन जायसवाल

गोंडा। मसाला जगत की जानी-मानी उड़ीसा की कंपनी भारत मसाला ने देवीपाटन मंडल में विस्तार करने की योजना बनाई है। जिस क्रम में कंपनी के सेल्स ऑफिसर इरतिजा खान के नेतृत्व में एजेंसी धारकों के साथ एक बैठक होटल राजगंगा में की गई। एजेंसी धारकों को कोई परेशानी न हो, उनकी सुगमता हेतु कंपनी द्वारा पवन जायसवाल को सुपर स्टॉकिस्ट बनाया गया है, इरतिजा खान ने बताया कि पवन जायसवाल के सुपरस्टाकिस्ट बनने से सभी एजेंसी पॉइंट पर समय से माल पहुंच सकेगा और सभी रेंज के मसाले व फूड प्रोडक्ट आवश्यकता अनुसार मिलता रहेगा। भारत मसाला कंपनी में हल्दी, मिर्चा, धनिया, पनीर मसाला, फिश मसाला, चिकन मसाला, कसूरी मेथी, हींग, काला नमक, सेंधा नमक के अलावा दर्जनों प्रकार के खड़े व पिसे मसाले बनाए जाते हैं साथ ही फूड आइटम में मिक्स दाल, माइक्रोनी, पास्ता, दलिया, शरबती आटा, बेसन, सत्तू, पापड़, सोयाबीन आदि भी उपलब्ध है। मीटिंग में परसपुर से प्रवीण पांडे, बालपुर से अखिलेश कुमार पाठक, करनैलगंज से अजय कुमार बिश्नोई, वजीरगंज से मोहम्मद तकी खान, डुमरियाडीह से श्याम मिश्रा आदि एजेंसी धारक उपस्थित रहे।

कुलपति ने दीपोत्सव में विश्व कीर्तिमान बनाने के लिए राम की पैड़ी पर किया पूजन अर्चन

दीपोत्सव की सफलता के लिए कुलपति ने राम की पैड़ी पर किया सरयू पूजन

डा0 नरेन्द्र बहादुर सिंह

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल ने दीपोत्सव-2023 को एतिहासिक बनाने के लिए शुक्रवार को प्रातः 7 बजे राम की पैड़ी पर मुख्य यजमान के रूप में वैदिक मंत्रोचार के साथ पूजन अर्चन किया। इस पूजन में सरयू मन्दिर के पुजारी नेत्रजा मिश्र ने विधि विधान से दीपोत्सव की सफलता के लिए पूजन कराया। इससे पहले कुलपति प्रो0 गोयल ने मॉ सरयू जलाभिषेक के साथ सफल आयोजन हेतु कामना की। इसमें अयोध्या महापौर गिरीशपति त्रिपाठी, विवि के कुलसचिव डॉ0 अंजनी कुमार मिश्र, परीक्षा नियंत्रक उमानाथ, दीपोत्सव नोडल अधिकारी प्रो0 संत शरण मिश्र, प्रो0 चयन कुमार मिश्र, प्रो0 नीलम पाठक, प्रो0 शैलेन्द्र वर्मा, प्रो0 सिद्धार्थ शुक्ला, प्रो0 गंगाराम मिश्र, डॉ0 अवध नारायण, डॉ0 सुरेन्द्र मिश्र सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, कर्मचारी शामिल रहे।

इस अवसर पर कुलपति प्रो0 गोयल ने बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश शासन व अवध विश्वविद्यालय के सहयोग से दीपोत्सव को एतिहासिक बनाया जाएगा। इसमें 24 लाख से अधिक दीए सजाने के साथ 21 लाख दीए प्रज्वलित किए जायेंगे। इसके लिए आवासीय परिसर, संबद्ध महाविद्यालयों एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के 25 हजार से अधिक वॉलंटियर्स लगाए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय द्वारा घाटों पर दीए बिछाए जाने की मार्किंग का कार्य सम्पन्न हो चुका है। सभी के सहयोग से सातवें दीपोत्सव में छठवीं बार गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराया जाएगा। कुलपति ने बताया कि अयोध्या का प्रांतीय दीपोत्सव पूरी दुनिया में सांस्कृतिक छटा बिखेर रहा है। इस प्रान्तीयकृत दीपोत्सव मेले को लेकर भारतीय जनमानस सहित विश्वभर के लोग बड़ी उत्सुकता से प्रतीक्षारत है। विश्वविद्यालय प्रशासन दीपोत्सव को लेकर तैयारियों को अंतिम रूप दे रहा है।

दीपोत्सव के वालंटियर्स व पदाधिकारी 11 नवम्बर को पिछले रिकॉर्ड को तोड़ते हुए विश्व पटल पर स्थापित करेंगे।

एनसीसी के 10 दिवसीय वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का हुआ शुभारंभ

त्रिगुट संवाददाता

गोंडा। महाराजा देवी बख्श सिंह इंटर कॉलेज बेलसर गोंडा में सी ए टी सी 171 एन सी सी के वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ कमान अधिकारी 48 बटालियन एनसीसी कर्नल सुनील कपूर द्वारा किया गया। कर्नल सुनील कपूर ने एनसीसी कैडेट्स को पूर्ण मनोयोग सेप्रशिक्षण प्राप्त करने का आवाह्न करते हुए कहा कि 10 दिनों तक चलने वाले प्रशिक्षण शिविर में आप सभी को विभिन्न सैन्य गतिविधियों का गहन प्रशिक्षण दिया जाएगा जो आपके व्यक्तित्व विकास और अनुशासन में सहायक होगा। कमान अधिकारी द्वारा एनसीसी कैडेट्स को एनसीसी से मिलने वाले लाभों से अवगत कराया गया और एनसीसी के आदर्श वाक्य * एकता और अनुशासन *को आत्मसात करने हेतुप्रेरित किया। कमान अधिकारी द्वारा कैडेट्स को पांच मूल मंत्र जीवन में सफलता हेतु आत्मसात करने को कहा गया । जो क्रमशः इस प्रकार रहे, जो भी विषय आप पढ़ रहे हैं उसमें कठिन परिश्रम करें, कम से कम कोई एक खेल प्रतिदिन खेलें, अपने माता-पिता और गुरुओं का सम्मान करें तथा डिजिटल संसार कोअपना मित्र बनाएं ना कि उसके गुलाम बन जाए।इस कैंप में गोंडा और गोरखपुर के एनसीसी कैडेट्स प्रतिभाग करे रहे हैं। इस 10 दिवसीय प्रशिक्षण में कैडेट्स को शस्त्र , मिलिट्री, साइबर सुरक्षा,फायर फाइटिंग तथा आपदा प्रबंधन से संबंधित प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान कैडेट को एनसीसी के %ए%,%बी% तथा %सी %प्रमाण पत्र संबंधित पाठ्यक्रमों को भी पढ़ाया जाएगा। उपरोक्त शिविर मेंकैडेट्स के सर्वांगीण विकास हेतु भाषण, ड्रिल, फायरिंग तथा सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन भी कराया जाएगा। विद्यालय के प्रधानाचार्य अजीत सिंह के द्वारा इस कैंप के आयोजन हेतु आवश्यक आधारभूत सुविधाएं प्रदान की गई जिसमें विद्यालय के एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट ए के पांडेय का भी योगदान रहा।कैंप उद्घाटन समारोह के अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य अजीत सिंह, एनसीसी अधिकारी ए के पांडे, मेजर राजाराम, लेफ्टिनेंट हरिनाथ सिंह, लेफ्टिनेंट हर्षेंद्र सिंह यादव, लेफ्टिनेंट रमेश कुमार शुक्ल, लेफ्टिनेंट विपिन शुक्ल, सी टी ओ संजय कुमार शुक्ल, अमित कुमार सिंह , बटालियन के पी आई स्टॉफ ,कॉलेज के गर्ल्स कैडेट इंस्ट्रक्टर तथा सभी कैडेट्स मौजूद रहे।

महर्षि बाल्मीकि जी स्वयं बृहस्पति जी के अवतार थे

डा0 मुरली धर शास्त्री
उप निदेशक सूचना, अयोध्या धाम/ प्रभारी मीडिया सेन्टर, लोक भवन लखनऊ

वाल्मीकि जी की जयंती पर विशेष

महर्षि बाल्मीकि जी ने भगवान राम के जन्म के अनेकों वर्ष पहले ब्रहमा जी के एवं नारद जी के प्रेरणा से रामायण की रचना की थी इसमें कुल 24 हजार श्लोक है महर्षि बाल्मीकि जी को आदि कवि भी कहा जाता है।

लखनऊ। महर्षि वाल्मीकि का नाम रत्नाकर था और उनका पालन जंगल में रहने वाली भील जाति में हुआ था, जिस कारण उन्होंने भीलों की परंपरा को अपनाया और आजीविका के लिए डाकू बन गए। वाल्मीकि एक डाकू थे और भील जाति में उनका पालन पोषण हुआ, लेकिन वे भील जाति के नहीं थे, वास्तव में वाल्मीकि जी प्रचेता के पुत्र थे। पुराणों के अनुसार प्रचेता ब्रह्मा जी के पुत्र थे। बचपन में एक भीलनी ने वाल्मीकि को चुरा लिया था, जिस कारण उनका पालन पोषण भील समाज में हुआ और वे डाकू बने।

अपने परिवार के पालन पोषण के लिए वे राहगीरों को लुटते थे, एवं जरुरत होने पर मार भी देते थे। इस प्रकार वे दिन प्रतिदिन अपने पापो का घड़ा भर रहे थे। एक दिन उनके जंगल से नारद मुनि निकल रहे थे, उन्हें देख रत्नाकर ने उन्हें बंधी बना लिया। नारद मुनि ने उनसे सवाल किया कि तुम ऐसे पाप क्यूँ कर रहे हो रत्नाकर ने जवाब दिया अपने एवं परिवार के जीवन व्यापन के लिए. तब नारद मुनि ने पूछा जिस परिवार के लिए तुम ये पाप कर रहे हो, क्या वह परिवार तुम्हारे पापो के फल का भी वहन करेगा ? इस पर रत्नाकर ने जोश के साथ कहा हाँ बिलकुल करेगा. मेरा परिवार सदैव मेरे साथ खड़ा रहेगा। नारद मुनि ने कहा एक बार उनसे पूछ लो, अगर वे हाँ कहेंगे तो मैं तुम्हे अपना सारा धन दे दूंगा। रत्नाकर ने अपने सभी परिवार जनों एवम मित्र जनों से पूछा, लेकिन किसी ने भी इस बात की हामी नहीं भरी। इस बात का रत्नाकर पर गहरा आधात पहुँचा और उन्होंने दुराचारी के उस मार्ग को छोड़ तप का मार्ग चुना एवम कई वर्षो तक ध्यान एवम तपस्या की, जिसके फलस्वरूप उन्हें महर्षि वाल्मीकि नाम एवं ज्ञान की प्राप्ति हुई और उन्होंने संस्कृत भाषा में रामायण महा ग्रन्थ की रचना की। इस प्रकार जीवन की एक घटना से डाकू रत्नाकर एक महान रचयिता महर्षि वाल्मीकि बने। रामायण में माता राजा दशरथ की दूसरी पत्नी रानी कैकई ने राम चन्द्र जी को वनवास भेजा था। इसके पीछे भी एक अद्भुत कहानी है।जब रत्नाकर को अपने पापो का आभास हुआ, तब उन्होंने उस जीवन को त्याग कर नया पथ अपनाना, लेकिन इस नए पथ के बारे में उन्हें कोई ज्ञान नहीं था। नारद जी से ही उन्होंने मार्ग पूछा, तब नारद जी ने उन्हें राम नाम का जप करने की सलाह दी रत्नाकर ने बहुत लम्बे समय तक राम नाम जपा पर अज्ञानता के कारण भूलवश वह राम राम का जप मरा मरा में बदल गया, जिसके कारण इनका शरीर दुर्बल हो गया, उस पर चीटियां लग गई। शायद यही उनके पापो का भोग था। इसी के कारण इनका नाम वाल्मीकि पड़ा। पर कठिन साधना से उन्होंने ब्रह्म देव को प्रसन्न किया, जिसके फलस्वरूप ब्रम्हदेव ने इन्हें ज्ञान दिया और रामायण लिखने का सामर्थ्य दिया, जिसके बाद वाल्मीकि महर्षि ने रामायण को रचा, इन्हें रामायण का पूर्व ज्ञान था।

एक बार तपस्या के लिए गंगा नदी के तट पर गये, वही पास में पक्षी का नर नारी का जोड़ा प्रेम में था उसी वक्त एक शिकारी ने तीर मार कर नर पक्षी की हत्या कर दी, उस दृश्य को देख इनके मुख से स्वतः ही श्लोक निकल पड़ा जो इस प्रकार था। मां निषाद प्रतिष्ठां त्वमगमः शाश्वतीः समाः। यत्क्रौंचमिथुनादेकम् अवधीः काममोहितम्।।

अर्थात जिस दुष्ट ने भी यह घृणित कार्य किया, उसे जीवन में कभी सुख नहीं मिलेगा, उस दुष्ट ने प्रेम में लिप्त पक्षी का वध किया हैं. इसके बाद महाकवि ने रामायण की रचना की। वाल्मीकि महा कवि ने संस्कृत में महाकाव्य रामायण की रचना की थी, जिसकी प्रेरणा उन्हें ब्रह्मा जी ने दी थी। रामायण में भगवान विष्णु के अवतार राम चन्द्र जी के चरित्र का विवरण दिया हैं. इसमें 24 हजार श्लोक लिखे गए हैं। इनकी अंतिम साथ किताबों में वाल्मीकि महर्षि के जीवन का विवरण है। वाल्मीकि महर्षि ने राम के चरित्र का चित्रण किया, उन्होंने माता सीता को अपने आश्रम में रख उन्हें रक्षा दी, बाद में, राम एवं सीता के पुत्र लव कुश को ज्ञान दिया।लेखक-उत्तर प्रदेश सरकार के प्रथम श्रेणी के अधिकारी के साथ-साथ इस्कॉन में पैट्रन तथा वर्तमान में अयोध्या धाम, अवध धाम एवं कभी कभी वृन्दावन धाम में भी जाते है तथा आम लोगों के लिए धार्मिक, सांस्कृतिक एवं विधिक विषयों पर लेखन करते है तथा वर्तमान सरकार जो योगी जी के नेतृत्व में चल रही है उसके योजनाओं का एवं अयोध्या का विशेष प्रचार प्रसार करते है।

कार्यालय, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, गोण्डा

भवन की आवश्यकता

नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र हेतु बड़गांव पुलिस चौकी (झूलेलाल चौराहा) से गोण्डा बलरामपुर मुख्य मार्ग पर शहरी क्षेत्र में लगभग 2400 वर्ग फुट युक्त भूतल पर आठ कमरों युक्त (सूर्य प्रकाश एवं हवादार) दो शौलाचय, मरीजों के बैठने युक्त वेटिंग एरिया एवं स्टाफ मरीजों के वाहन तथा 108 एवं 102 एम्बूलेन्स खड़े होने हेतु वृहद पार्किंग स्थल बिजली पानी युक्त नवीन भवन की आवश्यकता है। अधिकतम किराया पच्चीस हजार प्रति माह की दर से दिया जायेगा। इच्छुक भवन स्वामी भवन का वैध पेपर नक्शा युक्त प्रस्ताव 15 दिन के भीतर कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी गोण्डा के यहां पंजीकृत डाक द्वारा भेजें।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी
गोण्डा

RNI No. 46071/85
स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक **टी.रजा रिज़वी** ने विकास प्रिन्टिंग प्रेस, मालवीयनगर, गोण्डा से मुद्रण करवाकर 568, मालवीयनगर गोण्डा (उ0प्र0) 271001 से प्रकाशित किया।
गोण्डा कार्यालय

फोन/फैक्स-05262-230683
मो0- 09415120085
लखनऊ कार्यालय-
फोन- 0522-4028445
मो0- 09415249085
:- E-mail :-
trigutdainik@gmail.com